{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 07 फरवरी 2026
फाल्गुन कृष्ण 06 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 135
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	83,580.40
निफ्टी	-	25,693.70
सोना	-	1,22,968
चांदी	-	2,75,000
डॉलर	-	90.60

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

भारत ने छठी बार अंडर-19 वर्ल्ड कप जीता

इंग्लैंड को 100 रन से हराया; वैभव सूर्यवंशी ने 175 रन बनाए, 15 छक्के लगाए

हरारे । आईसीसी मेन्स अंडर-19 विश्व कप 2026 के फाइनल में शुक्रवार (6 फरवरी) को भारतीय टीम का सामना इंग्लैंड से हुआ। हरारे के हरारे स्पोर्टस क्लब में हुए इस मुकाबले में टॉस भारतीय टीम ने 100 रनों से शानदार जीत हासिल की। वैभव सूर्यवंशी (175 रन) की तूफानी पारी की बदौलत भारत ने इंग्लैंड को 412 रनों का पहाड़ सा लक्ष्य दिया। टारगेट का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम 40.2 ओवरों में 311 रनों पर सिमट गई। भारतीय टीम ने इसके साथ ही रिकॉर्ड छठी बार अंडर-19 वर्ल्ड कप जीत लिया।

भारतीय टीम ने इससे पहले 2000, 2008, 2012, 2018 और 2022 में अंडर-19 विश्व ,कप खिताब जीता था। भारतीय टीम का ये लगातार छठा और कुल 10वां फाइनल था। दूसरी ओर इंग्लैंड ने सिर्फ 1 बार अंडर-19 वर्ल्ड कप जीता है। साल 1998 के फाइनल में उसने न्यूजीलैंड को पराजित किया था। रनचेज में इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने जोसेफ मूर्स (17 रन) का विकेट सस्ते में गंवा दिया। इसके बाद बेन डॉकिन्स और बेन मेस ने दूसरे विकेट के लिए 74 रन जोड़े। खिलान पटेल ने मेस को आउट करके इस पार्टनरशिप को तोड़ा। मेस ने 27 गेंदों पर 45 रन बनाए, जिसमें सात चौके और दो छक्के शामिल रहे। भारतीय टीम को तीसरी सफलता इंग्लिश कप्तान थॉमस रेव के रूप में मिली, जो 31 रन बनाकर आउट हुए। सलामी बल्लेबाज बेन डॉकिन्स ने अर्धशतक जड़ा, लेकिन वो उसके बाद ज्यादा देर टिक नहीं पाए। आयुष म्हात्रे ने डॉकिन्स का विकेट लिया। डॉकिन ने 7 चौके और 2 छक्के की मदद से 56 गेंदों पर 66 रनों का योगदान दिया। राल्फी अल्बर्ट (0 रन) और फरहान अहमद (1 रन) और सेबेस्टियन मॉर्गन (0 रन) कुछ खास नहीं कर पाए। मॉर्गन के आउट होने के समय इंग्लैंड का स्कोर 177-7 था।

फाल्कनर ने जड़ा इंग्लिश टीम के लिए शतक

यहां से कालेब फाल्कनर और जेम्स मिंटो ने आठवें विकेट के लिए 92 रन जोड़े। आरएस अम्बरीश ने मिंटो (28 रन) को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। फिर अम्बरीश ने मैनी लम्सडेन (3 रन) को भी चलता किया। कालेब फाल्कनर ने अकेले संघर्ष किया और वो 115 रन बनाकर आउट हुए। फाल्कनर ने 67 गेंदों की पारी में 9 चौके और 7 छक्के जड़े। भारत की ओर से आरएस अम्बरीश ने तीन विकेट झटके। दीपेश देवेंद्रन को भी दो सफलताएं हासिल हुईं।

मुकाबले में भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने टॉस जीता और पहले पहले बल्लेबाजी चुनी। भारत की तरफ से ओपनिंग करने वैभव सूर्यवंशी और आरोन जॉर्ज आए। वैभव और जॉर्ज की जोड़ी ज्यादा कुछ नहीं कर पाई। 20 के स्कोर पर जॉर्ज का विकेट गिरा। वह 9 रन बनाकर लौटे। प्वाइंट पर उनका कैच लपका गया। इसके बाद आयुष म्हात्रे ने वैभव के साथ टिककर बल्लेबाजी शुरू की। भाररतीय टीम ने 8 ओवर में 50 रनों का आंकड़ा पार किया। इसके बाद नौवें ओवर में वैभव ने 18 रन बनाए, जिससे भारतीय टीम का स्कोर 9 ओवर में 71 रन हो गया। इसी बीच भारतीय टीम के 100 रन 14वें ओवर में पूरे हुए। वैभव ने 17वें ओवर में स्पिनर फरहान अहमद की जमकर खबर ली और उनके ओवर में 22 रन जड़ दिए। दूसरी ओर आयुष म्हात्रे 19वें ओवर में 50 गेंदों पर 53 रन बनाकर एलेक्स ग्रीन की गेंद पर आउट हुए। आयुष के आउट होने के बाद वैभव ने 55 गेंदों पर 8 छक्के और 8 चौकों की मदद से अपना शतक पूरा किया। इसके बाद वैभव की आंधी जारी रही। 71 गेंदों में 150 (13 छक्के, 13 चौके) रन पूरे किए। हालांकि इसके बाद वैभव की पारी का अंत 175 रनों पर हो गया। वैभव ने अपनी पारी में 80 गेंदों का सामना किया और कुल 15 चौके और 15 छक्के जड़े, उनको थॉमस रेव ने मैनी लम्सडेन की गेंद पर कैच पकड़ा। विहान मल्होत्रा (30) के रूप में टीम का चौथा विकेट गिरा। उन्हें जेम्स मिंटो ने बेन डॉकिन्स के हाथों कैच कराया। 302 के स्कोर पर यह विकेट गिरा। इसके बाद ही 308 के स्कोर पर 5वां विकेट गिरा। वेदांत त्रिवेदी (32) को बेन मेस ने जेम्स मिंटो की गेंद पर कैच कर लिया। 45वें ओवर में अभिज्ञान कुंडू (40) आउट हुए। टीम को 359 रनों पर छठा झटका लगा। कुंडू को राल्फी अल्बर्ट ने सेबेस्टियन मॉर्गन की गेंद पर लपक लिया। 7वां विकेट 367 पर गिरा। आरएस अम्बरीष (18) को मिंटो ने बोल्ड किया। 47वें ओवर में खिलान पेटल (3) 375 के स्कोर पर आउट हुए। टीम ने 8वां विकेट खोया। जोसेफ मूर्स ने कैच पकड़ा। सेबेस्टियन मॉर्गन को यह विकेट मिला। 49वें ओवर में हेनिल पेटल (5) रन आउट हो गए। 9वां विकेट 393 के स्कोर पर गिरा। आखिरकार भारत ने निर्धारित 50 ओवरों में 411/9 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। कनिष्क चौहान (37) और दीपेश देवेंद्रन।(0) नाबाद लौटे।

खास खबर

चेक बाउंस मामले में फिल्मी एक्टर राजपाल ने किया तिहाड़ जेल में सरेंडर

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव ने चेक बाउंस मामले में दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के बाद गुरुवार को तिहाड़ जेल में सरेंडर कर दिया। राजपाल ने सरेंडर की समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया था लेकिन कोर्ट से उन्हें राहत नहीं दी। राजपाल के वकील ने कोर्ट को बताया था कि उनके मुवक्किल ने 50 लाख रुपए का इंतजाम कर लिया है और भुगतान करने के लिए उन्हें एक हफ्ते की जरूरत है। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच ने कहा था कि एक्टर राजपाल को पहले सरेंडर करना होगा तभी उनकी याचिका पर विचार किया जाएगा। कोर्ट ने कहा कि अबतक जो राहत दी गई थी वह वह बार-बार दिए गए आश्वासनों के आधार पर थी।

फिल्म 'घूसखोर पंडत' पर एफआईआर

लखनऊ। यूपी में मनोज बाजपेयी की फिल्म 'घूसखोर पंडत' के नाम को लेकर विरोध शुरू हो गया है। लखनऊ में फिल्म के डायरेक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। शिकायत सीएम के निर्देश पर खुद हजरतगंज कोतवाली में इंस्पेक्टर विक्रम सिंह ने कराई है। पुलिस का कहना है कि फिल्म का नाम और इसकी कहानी एक खास जाति और समुदाय, खासकर ब्राह्मण समाज को गलत तरीके से दिखाती है। इससे लोगों में नाराजगी फैल सकती है। कानून-व्यवस्था बिगडऩे का खतरा है। इधर, मायावती ने इसे ब्राह्मणों का अपमान बताया। केंद्र सरकार से फिल्म को बैन करने की मांग की। इससे पहले, मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के अध्यक्ष दिनेश फलाहारी महाराज ने पीएम मोदी को पत्र लिखा है। कहा- फिल्म का टाइटल समाज को 'घूसखोर' दिखा रहा है, जो अत्यंत आपत्तिजनक है। प्रयागराज के संतों ने भी फिल्म को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। श्रृंगवेरपुर पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी नारायणाचार्य शांडिल्य जी महाराज ने कहा कि बॉलीवुड का रवैया दोहरा है।

तिब्बत में आधी रात को कांपी धरती, कंपकंपाती ठंड में घरों से बाहर भागे लोग

नई दिल्ली। भारत के पड़ोसी क्षेत्र तिब्बत में शुक्रवार तड़के भूकंप के जोरदार झटकों ने दहशत पैदा कर दी। दुनिया की छत के नाम से मशहूर इस ऊंचे पठारी क्षेत्र में जब लोग गहरी नींद में थे, तब अचानक धरती कांपने लगी। रिक्टर पैमाने पर इस भूकंप की तीव्रता 4.5 मापी गई। भूकंप विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, यह भूकंप सुबह करीब 2:30 बजे आया, जिसका केंद्र जमीन से 25 किलोमीटर की गहराई पर था। इसे एक उथला भूकंप माना जा रहा है।

कुछ ना कहना

आज देशभर में थम जाएंगे ओला-उबर-रैपिडो के पहिए

नई दिल्ली। अगर आप शनिवार को कहीं जाने के लिए ओला, उबर या रैपिडो बुक करने की सोच रहे हैं तो थोड़ी सावधानी बरतें। शनिवार को इन कंपनियों के ड्राइवरों ने देशभर में हड़ताल का एलान किया है। ड्राइवरों ने इसे ऑल इंडिया ब्रेकडाउन का नाम दिया है और वे अपना मोबाइल एप बंद रखेंगे। इस वजह से आपको कैब, ऑटो या बाइक टैक्सी मिलने में काफी दिक्कत हो सकती है। अच्छा होगा कि आप अपनी यात्रा के लिए कोई दूसरा इंतजाम जैसे बस या मेट्रो पहले से देख लें। इस हड़ताल को तेलंगाना गिग वर्कर्स यूनियन और दूसरे संगठनों ने मिलकर शुरू किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर साफ कहा है कि 7 फरवरी को पूरे भारत में ड्राइवर काम बंद रखेंगे। उनका कहना है कि न तो उनका कोई किराया तय है और न ही कोई नियम, बस उनका शोषण हो रहा है।

बरातियों से भरी बस गहरी खाई में गिरी

13 लोगों की मौत, 34 घायल

पिथौरागढ़। भारतीय सीमा से लगे नेपाल बैतडी में बैतडी से बजांग जा रही बरात की बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में 13 बरातियों की मौत हो गई, जबकि 34 घायल हो गए। इनमें से कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। गुरुवार की रात्रि बैतडी के पुरचुंणी नगरपालिका सात भवने गांव से दुल्हन लेकर बजांग के सुनकुडा जा रही बस पुरचूंणी के बडग़ांव मोड से अनियंत्रित होकर 150 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। जिला प्रहरी कार्यालय बैतडी के प्रहरी प्रवक्ता प्रहरी निरिक्षक बलदेव बडू ने बताया कि रात्रि के समय नेपाल एपीएफ, प्रहरी एवं स्थानीय जनता द्वारा यात्रियों का रेस्क्यू किया गया।

दुर्घटना में मरने वालों में बजांग बित्थड चीर गांव पालिका निवासी केशव राज जोशी (40) अशोक राज जोशी 13, बसंत राज जोशी (35), बिष्णु दत्त जोशी (41), नरेश राज जोशी (42), बिशन दत्त जोशी (17) दीपक जोशी (28), किशन जोशी (46), बजांग केदारस्यु गांव पालिका निवासी मोहन देव भट्ट (60) केशव भट्ट (27), बजांग जय पृथ्वी नगरपालिका निवासी बसंत राज रतला (40), बैतडी पुरचूणीं नगरपालिका निवासी पुष्पा अवस्थी (40), बैतडी पुरचूणीं नगरपालिका निवासी सुशील जोशी शामिल हैं।

दुष्कर्म पीड़िता की गुहार पर सुप्रीम कोर्ट ने दी गर्भपात की अनुमति, कहा...

महिला की मर्जी के बिना उसे मां बनने को नहीं कर सकते मजबूर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र की एक 18 साल की यौन उत्पीडऩ पीड़िता युवती के हक में बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने उसे 30 हफ्ते की प्रेग्नेंसी खत्म करने की अनुमति दे दी है। यह युवती तब गर्भवती हुई थी जब वह नाबालिग थी। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने सुनवाई करते हुए कहा कि युवती की शारीरिक अखंडता और अपनी मर्जी से फैसला लेने का अधिकार सबसे ऊपर है।

अदालत ने स्पष्ट किया कि कोई भी अदालत किसी महिला को अनचाही प्रेग्नेंसी जारी रखने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। जजों ने कहा कि अगर कोई महिला बच्चा नहीं चाहती, तो उसे इसके लिए बाध्य करना गलत होगा। बेंच ने युवती के वकील की दलीलों को स्वीकार करते हुए कहा अपीलकर्ता के बच्चे का मेडिकल तरीके से गर्भपात किया जा सकता है।

फैसला लेना आसान नहीं था

सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने इस मामले की गंभीरता और नैतिक उलझनों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि यह फैसला लेना उनके लिए भी आसान नहीं था, क्योंकि जन्म लेने वाला बच्चा भी एक जीवन ही होता। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि जब लडक़ी बार-बार कह रही है कि वह बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती, तो उसकी इच्छा का सम्मान करना होगा। अदालत ने सवाल किया कि अगर कानून 24 हफ्ते तक गर्भपात की इजाजत देता है, तो विशेष परिस्थितियों में 30 हफ्ते में ऐसा क्यों नहीं हो सकता?

अदालत ने अस्पताल को दिया आदेश

बेंच ने यह भी साफ किया कि मुद्दा यह नहीं है कि संबंध सहमति से बने थे या यह उत्पीडऩ का मामला था। मुख्य तथ्य यह है कि होने वाला बच्चा वैध नहीं है और दूसरा, लडक़ी इस समय एक कठिन स्थिति में है और वह मां नहीं बनना चाहती। अगर मां के हितों को ध्यान में रखना है, तो उसे मर्जी से फैसला लेने का अधिकार दिया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई के जेजे अस्पताल को आदेश दिया है कि वे लडक़ी की गर्भपात को मेडिकल तरीके से खत्म करें। साथ ही, अस्पताल को सभी जरूरी सुरक्षा नियमों और मेडिकल प्रोटोकॉल का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

सडक़ हादसों में कांग्रेस नेता समेत 8 मौतें

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में अलग-अलग चार सडक़ हादसों में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हैं। पहली घटना कोरबा की है, जहां तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एनएसयूआई के पूर्व राष्ट्रीय संयोजक और ऑटोमोबाइल एजेंसी मालिक की मौत हो गई, जबकि कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष समेत दो युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दूसरी घटना रायपुर की है। सीएम हाउस के पास तेज रफ्तार सरकारी वाहन ने स्कूल जा रहे ईयू स्कूटर सवार भाई-बहन को टक्कर मार दी। हादसे में भाई की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पीछे बैठी बहन गंभीर रूप से घायल हो गई। तीसरी घटना बिलासपुर की है, जहां पिकअप की टक्कर से बाइक सवार पति-पत्नी और उनकी बेटी की मौत हो गई। तीनों बेलपान मेला देखकर लौट रहे थे।

लोकसभा में लगातार पांचवे दिन भी जारी रहा हंगामा

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता, सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष का जोरदार हमला

सदन का 19 घंटे 13 मिनट का समय बर्बाद

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्षी दलों का हंगामा शुक्रवार को लगातार पांचवे दिन भी जारी रहा जिसके कारण सदन नहीं चला और लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष के विरोध के बाद लोकसभा को दिन भर के लिए स्थगित कर दिया गया है। दोपहर 12 बजे जब पहले स्थगन के बाद सदन की बैठक हुई, तो कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस-टीएमसी और द्रविड़ मुनेत्र कडग़म -डीएमके के विपक्षी सदस्य फिर से सदन के बीचोबीच आ गए और सरकार के खिलाफ नारे लगाने लगे। पीठासीन अधिकारी ने सदस्यों से सदन को चलने देने का आग्रह किया। विपक्ष के हंगामे के बीच, मंत्रियों ने अपने-अपने मंत्रालयों के कागजात रखे। अध्यक्ष द्वारा बार-बार अपील किए जाने के बावजूद, विपक्षी सदस्यों ने अपना विरोध जारी रखा, जिसके बाद सदन को दिन भर के लिए स्थगित कर दिया गया। केंद्रीय बजट 2026-27 पर चर्चा सदन के कामकाज में सूचीबद्ध थी, लेकिन विपक्ष के लगातार विरोध के कारण इसे नहीं लिया जा सका।

जिस पर स्पीकर ओम बिरला ने नारेबाजी और सदन में व्यवधान करने को लेकर कड़ी नाराजगी जताई। ओम बिरला ने कहा, उन्होंने प्रश्नकाल की शुरुआत के समय कहा, मेरा प्रयास होता है कि सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चले। प्रश्नकाल सभी माननीय सदस्यों का समय होता है। आज राजपाल जी और प्रियंका गांधी समेत अन्य सदस्यों के प्रश्न हैं। आप नियोजित तरीके से सदन नहीं चलाना चाहते। गतिरोध पैदा करना चाहते हैं। अभी तक 19 घंटे 13 मिनट सदन का समय बर्बाद हो चुका है। उन्होंने विपक्ष के व्यवहार पर नाराजगी जताते हुए कहा कि 140 करोड़ जनता की अपेक्षा रहती है कि सदन चले, चर्चा और संवाद हो। लेकिन आप सभागृह की मर्यादाओं को समाप्त कर रहे हैं। देश की जनता ने पोस्टर और नारेबाजी के लिए आपको संसद में नहीं भेजा है। आपको चर्चा के लिए भेजा गया है। आप नियोजित तरीके से गतिरोध पैदा करना चाहते हैं। ऐसा सदन मैं नहीं चला सकता।

शुरू होते ही सदन स्थगित

पीठासीन अधिकारी कृष्ण प्रसाद तेन्नेटी ने एक बार के स्थगन के बाद दोपहर बारह बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की, तो विपक्षी दलों के सदस्य नारेबाजी और हंगामा में करते हुए सदन के बीचों बीच आ गए। इस दौरान उन्होंने हंगामे के बीच ही जरूरी कागजात सदन के पटल पर रखवाए। हंगामा कर रहे सदस्यों से उन्होंने अपनी सीटों पर जाने का आग्रह किया और कहा कि हंगामे के बीच वह सदन की कार्यवाही नहीं चला सकते है इसलिए सभी सदस्य शांत होकर अपनी सीटों पर बैठ जाए। लेकिन किसी ने उनकी बात नहीं सुनी और हंगामा तेज होता गया जिसकी कारण उन्होंने सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले 11 बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी सदस्यों में भारी हंगामा किया। अध्यक्ष ओम बिरला ने हंगामे के बीच ही प्रश्नकाल चलाने का प्रयास किया लेकिन हंगामा तेज होता गया जिसके कारण उन्हें सदन की कार्यवाही 12 बजे तक स्थगित करनी पड़ी।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में पुलिस और नक्सलियों में मुठभेड़

3 नक्सली मारे गए, 1 जवान शहीद

गढ़चिरौली। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में पुलिस के सी-60 कमांडो और नक्सलियों के बीच लगातार मुठभेड़ जारी है। इसमें 3 नक्सली मारे गए हैं और 1 जवान शहीद हुआ है। अब तक महिला समेत तीन माओवादियों के शव बरामद हुए हैं। साथ ही एक एके-47 और एक एसएलआर भी जब्त की गई है। हालांकि, अब तक तीनों माओवादियों की पहचान नहीं हो पाई है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक गढ़चिरौली के घने जंगलों में नक्सलियों का एक बड़ा कैंप सक्रिय होने की सूचना मिली थी। खुफिया जानकारी के आधार पर सी-60 कमांडो ने इलाके में सर्च और कॉम्बिंग ऑपरेशन शुरू किया। इसी दौरान नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में सुरक्षा बलों ने भी मोर्चा संभाला। कई घंटे चली मुठभेड़ के बाद नक्सलियों का कैंप पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया है।

विनोद उपाध्याय / 06 फरवरी, 2026

सुप्रीम कोर्ट की प्रशांत किशोर को फटकार

जनता ने नकारा तो कोर्ट का इस्तेमाल कर रहे

पटना। प्रशांत किशोर को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने 2025 में हुए बिहार विधानसभा चुनाव को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई की और मांग को खारिज कर दिया है। प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज ने कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसकी मांग को सुप्रीम कोर्ट ने मानने से मना कर दिया है। कोर्ट ने जनसुराज पार्टी को पहले हाईकोर्ट जाने को कहा है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जनता ने आपको नकार दिया तो कोर्ट का इस्तेमाल लोकप्रियता हासिल करने के लिए कर रहे हैं। इसके बाद जनसुराज पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी याचिका वापस ले ली।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, जब पार्टी चुनाव में अपना सब कुछ हार गई तब वो यहां आ गई। आपको सद्भावना के बारे में भी बताना होगा। उन्होंने कहा कि फ्रीबीज (मुफ्त योजनाओं) के मुद्दे की हम जांच कर रहे हैं। लेकिन यहां ऐसा मामला है, जहां एक पॉलिटिक्ल पार्टी, जो चुनाव में सब कुछ हार गई, हमारे सामने आ गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला, इंतजार कर रहे हजारों लोगों को मिलेगी राहत

सुपरटेक की लंबे समय से अटकी 16 परियोजनाओं को अब एनबीसीसी पूरा करेगी

नई दिल्ली। दिवालिया रियल एस्टेट फर्म सुपरटेक लिमिटेड की लंबे समय से अटकी 16 हाउसिंग परियोजनाओं को अब सरकार द्वारा संचालित एजेंसी नैशनल बिल्डिंग्स कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन (एनबीसीसी) पूरा करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इस संबंध में फैसला सुनाया था। इससे अपना घर मिलने का इंतजार कर रहे हजारों लोगों को राहत मिलेगी। कोर्ट ने अपने फैसले में सभी ट्रिब्यूनल और हाईकोर्ट को ऐसे आदेश जारी करने से भी रोक दिया है, जो इस मामले में एनबीसीसी द्वारा की जा रही निर्माण गतिविधि को बाधित या धीमा कर सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत के सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जयमाल्य बागची की अध्यक्षता वाले पीठ ने राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के 12 दिसंबर, 2024 के फैसले का समर्थन किया, जिसने ऐसी अटकी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए एनबीसीसी को शामिल किया था। सुप्रील कोर्ट ने कहा कि एनसीएलएटी का दृष्टिकोण इन्सॉल्वेंसी ऐंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) के अनुरूप था और निष्पक्षता या वैधता के आधार पर इसमें कोई गलती नहीं निकाली जा सकती। कोर्ट ने पिछले साल फरवरी में लगाई गई अंतरिम रोक को भी हटा दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक संकट की स्थिति को ध्यान में रखते हुए कोर्ट ने पाया कि 2010 और 2012 के बीच बुक की गई करीब 51,000 आवासीय इकाइयां अभी भी अधूरी पड़ी हैं, जिससे सुपरटेक के वित्तीय संकट गहराने के कारण बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए और सालों से उन्हें अपना घर नहीं मिल पाया। अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने खरीदारों के हितों को प्राथमिकता देते हुए सुरक्षा उपाय तय कर दिए है। इसने निर्देश दिया कि पूरी तरह निर्मित और सुसज्जित घरों को उनके मालिकों को सौंपे जाने के बाद ही कोर्ट वित्तीय और परिचालन लेनदारों के दावों पर विचार करेगी। न्यायालय ने यह भी कहा कि पूरी की गई इकाइयों में पानी और बिजली कनेक्शन, सीवेज सुविधाएं, आंतरिक सड़कें और पार्क जैसी सभी वे सुविधाएं शामिल होनी चाहिए, जिनका वादा फ्लैट बुक करते समय ग्राहकों से किया गया था।

सिग्नलविहीन नजर आ रहा बालाघाट शहर! कालीपुतली चौक का सिग्नल कबाड़ में खा रहा धूल

शो पीस बने हनुमान और आम्बेडकर चौक के सिग्नल, जिम्मेदार बोले 6 माह के भीतर 5 जगहों पर लगाए जाएंगे सिग्नल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने और हादसों को रोकने के मकसद से पुलिस प्रशासन द्वारा नगर में नो हेलमेट नो राइट अभियान 1 नवंबर से शुरू है ,जो अब भी जारी है ।उधर इस अभियान के तहत रोजाना ही नगर में बिना हेलमेट पहने वाहन चलाने वाले लोगों पर चालानी कार्यवाही कर उन्हें यातायात नियमों का पाठ पढ़ाया जा रहा है ।लेकिन यातायात व्यवस्था बनाए रखने शहर के काली पुतली चौक में लगाए गए ट्राफिक सिग्नल इन दिनों नगरपालिका के कबाड़ में धूल खा रहे हैं। बताया गया कि वर्ष 2017 में करीब 10 लाख की लागत से शहर के हनुमान चौक और काली पुतली चौक में इन सिग्नलों को लगाया था। कुछ समय तक सब ठीक चला लेकिन फिर अचानक से सिग्नल बंद हो गए। वही अब कालीपुतली चौक के पुराने सिग्नलों को नपा ने कबाड़ में डाल दिया है। अब पुनः लाखों रुपए खर्च कर शहर के पांच स्थानों पर नए सिग्नल लगाने की तैयारी नपा ने की। करीब 15 दिन पूर्व अंबेडकर चौक में सिग्नल लगाकर ट्रायल पूरा कर किया गया है। लेकिन अब तक यहां भी सिग्नल शुरू नहीं करवाए जा सके हैं। इसकी प्रमुख वजह जिम्मेदारो द्वारा की जा रही अनदेखी को बताया जा रहा है। वही बात अगर नगर के हनुमान चौकी करें तो वहां सिग्नल बरसों से बंद है वही कालीपुतली चौक का सिग्नल कुछ दिनों पूर्व निकाल दिया गया है तो वही अंबेडकर चौक में सिग्नल तो लगाए गए हैं लेकिन उसका ट्राई कर उसे अब तक शुरू नहीं किया गया है कुल मिलाकर कहा जाए तो बालाघाट नगर जो कि जिले का मुख्यालय है वह सिग्नल विहीन नजर आ रहा है।

11 जनवरी को ट्रायल कर 26 जनवरी से सिग्नल शुरू करने की कही गई थी बात

शहर में बिगड़ती यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाने पुलिस और नपा ने मिलकर अंबेडकर चौक पर नए यातायात सिग्नल स्थापित कर दिए हैं। 11 जनवरी को दोपहर इन सिग्नलों की विधिवत टेस्टिंग की गई। जैसे ही सिग्नल चालू हुए, चौक के चारों ओर से आने वाले वाहन चालकों ने संकेतों का पालन करना शुरू कर दिया था। वाहन चालक सिग्नल के अनुसार रुकते और आगे बढ़ते नजर आए। कुछ समय के लिए चौक पर यातायात व्यवस्था व्यवस्थित दिखाई दी। लेकिन कुछ पल बाद ही सिग्नल बंद कर दिए गए। इसके बाद आज तक इन सिग्नलों को शुरू नहीं किया गया है। उसे समय 26 जनवरी के इन ट्रैफिक सिग्नल को शुरू किए जाने की बात कही जा रही थी लेकिन इस बात को करीब एक 1 माह बीतने को आया है। बावजूद भी अब तक ट्रैफिक सिग्नल शुरू नहीं हो पाएंगे।

नगर की ट्रैफिक व्यवस्था बदहाल

नगर में पांच स्थानों की जगह अब महज 2 स्थानों पर लगे ट्रैफिक सिंग्नलो पर जिम्मेदारों का ध्यान नहीं है ।ज्ञात हो कि तत्कालीन नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी के कार्यकाल में शहर के कालीपुतली चौक और हनुमान चौक पर ट्रैफिक सिग्नल लगाए गए थे। ये सिग्नल कुछ महीने तो रोशन हुए लेकिन बार.बार तकनीकी दिक्कतों के कारण ये सालों से बंद हो गए। इसे लेकर तत्कालीन मुख्य नगर पालिका अधिकारी सतीश मटसेनिया ने प्रयास तो किए लेकिन सभी प्रयास असफल साबित हुए। इतना ही नहीं ढाई साल पहले नपा की नई कार्यकारिणी ने भी शहर के ट्रैफिक सिग्नलों को दोबारा चालू करने के काम को प्राथमिकता में रखकर इसे जल्द दुरुस्त करने और शहर के बस स्टैंड आवंती बाई चौक में भी नए ट्रैफिक सिग्नल लगाने की बात कही थी। 3 साल बीत जाने के बाद नई कार्यकारिणी के जिम्मेदारो ने इसको लेकर कोई सकारात्मक कदम नही उठाया ।जिसके चलते यह ट्रैफिक सिग्नल बदहाल पड़े रहे।

लाखो की लागत से लगाए गए ट्रैफिक सिग्नल बने शोपीस

काली पुतली चौक के सिग्नल निकाल दिए गए हैं तो वही अंबेडकर चौक और हनुमान चौक पर लाखों रुपए खर्च कर लगाए गए सिग्नल वर्तमान में शोपीस बने हुए हैं। उनका उपयोग नहीं किया जा रहा है। इन सिग्नलों को पुलिस विभाग को हैंडओवर भी नहीं किया जा सका है। अब नए सिग्नल अंबेडकर चौक पर लगाए गए हैं, जिनका कितना बेहतर संचालन किया जाएगा इसको लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं ।नागरिकों में यह भी चर्चा है कि कहीं ये नए सिग्नल भी पूर्व की तरह कुछ समय बाद निष्क्रिय होकर शोपीस न बन जाएं। फिलहाल अवंती बाई चौक से लेकर अंबेडकर चौक सहित अन्य प्रमुख चौराहों पर नए सिग्नल लगाने को लेकर कोई स्पष्ट और सार्वजनिक रणनीति सामने नहीं आई है। हालांकि नगर पालिका द्वारा नगर की 5 स्थानों पर ट्रैफिक सिग्नल लगाए जाने की बात कही गई है लेकिन उसके लिए भी करीब 6 माह के इंतेजार की बात सामने आ रही है।

कई बार नपा की बैठक में उठ चुका है मुद्दा

पुरानी कार्यकरणी के अलावा नगर पालिका परिषद बालाघाट की नई कार्यकारिणी ने भी ट्रैफिक सिग्नलों को सुधारने के लिए प्रयास करने की बात कही थी। लेकिन लंबा समय बीत जाने के बाद भी उनके वादे खोखले साबित हो रहे हैं। न कालीपुतली चौक और ना ही हनुमान चौक के सिग्नल सुधरे और न ही अवंती चौक और जय स्तम्भ चौक पर नए सिग्नल लग पाए। अंबेडकर चौक में नए सिग्नल लगे लेकिन वह अब तक शुरू नहीं हो पाए। जबकि ट्रैफिक सिगनलों का मुद्दा कई बार नपा परिषद की बैठक में उठ चुका है लेकिन सुधार कार्य नहीं हुआ, और यह मुद्दा सिर्फ एक मुद्दा बनकर रह गया।

पुनः 5 स्थानों पर सिग्नल लगाने की कही जा रही बात पर 6 माह का इंतेजार

नपा सीएमओ बीडी कतरोलियां के अनुसार शहर के काली पुतली चौक, हनुमान चौक, अंबेडकर चौक, रानी अवंती बाई और जय स्तंभ चौक में सिग्नल शुरू किए जाने की योजना तैयार की गई है। सर्वप्रथम अंबेडकर चौक में कार्य किया जा रहा है। सिग्नल इंस्टॉल कर ट्रायर भी पूरा किया जा चुका है। शीघ्र यहां सिग्नल शुरू कर यातायात पुलिस के हैंडओवर कर दिए जाएंगे।

टेंडर जारी कर दिए गए हैं जल्द शुरू होंगे सिग्नल- कतरोलिया

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी ?ी कतरोलिया ने बताया कि पुराने सिग्नलों की मरम्मत में अत्यधिक खर्च आ रहा था, इसलिए उन्हें हटाकर नए सिग्नल लगाए जा रहे हैं। इसी रणनीति के तहत काली पुतली चौक से पुराने सिग्नलों को हटा दिया गया है ।शहर के पांच स्थानों पर सिग्नल लगाए जाने हैं। जिन्हें पुलिस के हैंड ओवर किया जाएगा। अंबेडकर चौक में सिग्नल लगाकर ट्रायर पूरा कर लिया गया है ।इसी माह उन्हें शुरू कर दिया जाएगा। बाकी अन्य स्थानों पर जो सिग्नल लगाए जाने हैं उसके भी टेंडर लगा दिए गए हैं 6 माह के भीतर नगर के 5 स्थानों पर विधिवत रूप से सिग्नल शुरू कर दिए जाएंगे।

त्यागमूर्ति माता रमाई आंबेडकर जयंती समारोह आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया जिला शाखा बालाघाट के तत्वावधान में 7 फरवरी को बोधिसत्व डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर जी की जीवन संगिनी त्याग की साक्षात मूर्ति माता रमाई आंबेडकर जी की जयंती समारोह का आयोजन स्थानीय कमला नेहरू महिला मंडल,डॉ.आंबेडकर चौक बालाघाट किया गया हैं ।इस अवसर माता रमाई,बोधिसत्व डॉ बाबासाहेब जीवनी एवं धम्म संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया पर आधारित बुद्ध धम्म ज्ञान प्रतियोगिता भी सम्पन्न होगी,जिसमें सफल प्रथम,द्वितीय,तृतीय प्रतियोगियों को क्रमशः 5000/-3000/-2000/- पुरस्कार राशि,स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जाएगा,उसके बाद सफल होने वाले क्रमशः दस प्रत्याशी तो को प्रशस्ति पत्र देकर

सम्मानित किया जाएगा ।वही अतिथियों के द्वारा माता रमाई के जीवन संघर्ष त्याग के बारे उद्बोधन, संगीतमय कार्यक्रम के बाद सम्मान एवं पुरस्कार वितरण के बाद अंतिम सत्र में भोजनदान होगा,आयोजको द्वारा सम्पूर्ण मप्र एवं बालाघाट जिले के बौद्ध अम्बेडकरी, बहुजन समाज के अनुयायीयो को समारोह में शामिल होकर धम्म लाभ लेने की अपील संस्था की जिला शाखा बालाघाट द्वारा की गई है।

आम ईस्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं श्रीमती सुधा जैन पति स्व. मुकेश जैन जाति जैन ग्राम पंचायत पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट की निवासी हूं। मेरे पति स्व. मुकेश जैन पिता स्व. रमेशचंद्र जैन कि मृत्यु दिनांक 07.12.2015 को हो चुकी है। जिनकी मृत्यु के उपरांत मैं पत्नि श्रीमती सुधा जैन, पुत्र अंकित जैन एवं पुत्री श्रीमती तनुशी उर्फ राशि पति अतुल जैन व श्रीमती सीनम उर्फ जीविका पति पीयुष जैन वारसान है।

उपरोक्तानुसार हमें वारसान प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत पांढरवानी से जारी किया जाना है।

अतः आम जनता सूचना दर्ज करे।

प्रकाशक
श्रीमती सुधा जैन
निवासी - ग्राम पंचायत पांढरवानी ला.
तहसील - लालबर्रा
जिला - बालाघाट

न्यायालय तहसीलदार तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट(म.प्र.)

ईस्तहार

रा.प्र.क्र./ड-154/2025-26
मौजा मोवाड तहसील खैरलांजी

एतद द्वारा आम जनता ग्राम मोवाड़ प.ह.न. **35** तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट वालो को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रेवती तामसवाड़े पति केशरीचंन्द तामसवाड़े जाति मरार निवासी मोवाड़ तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट द्वारा इस न्यायालय में अपने पिता/पति/स्वयं/पुत्र/पुत्री/ दादी अमरोती बाई पिता/पति फत्तु तामसवाड़े जाति मरार का जन्म/मृत्यु दिनांक 29/09/1956 पंजीयन किये जाने बाबद् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

अतः प्रस्तुत आवेदन पत्र के सबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में दिनांक 09/02/2026 तक स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है, नियत तिथि पर्त्यात प्राप्त आपत्ति अविचारणीय होगी।

जारी दिनाक 05/02/2026

सक्षम प्राधिकारी एवं तहसीलदार
खैरलांजी जिला बालाघाट

न्यायालय तहसीलदार तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट(म.प्र.)

ईस्तहार

रा.प्र.क्र./ड-154/2025-26
मौजा मोवाड तहसील खैरलांजी

एतद द्वारा आम जनता ग्राम मोवाड़ प.ह.न. **35** तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट वालो को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रेवती तामसवाड़े पति केशरीचंन्द तामसवाड़े जाति मरार निवासी मोवाड़ तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट द्वारा इस न्यायालय में अपने पिता/पति/स्वयं/पुत्र/पुत्री/ दादा फत्तु पिता/पति फागू जाति मरार का जन्म/मृत्यु दिनांक 27/09/2003 पंजीयन किये जाने बाबद् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

अतः प्रस्तुत आवेदन पत्र के सबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में दिनांक 09/02/2026 तक स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है, नियत तिथि पर्त्यात प्राप्त आपत्ति अविचारणीय होगी।

जारी दिनाक 05/02/2026

सक्षम प्राधिकारी एवं तहसीलदार
खैरलांजी जिला बालाघाट

गुडरू में 07 अतिक्रमणकारियों पर चला बुलडोजर, पंचायत भूमि को कराया गया अतिक्रमण मुक्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। चांगोटोला थाना क्षेत्र के अंतर्गत

आने वाली ग्राम पंचायत गुडरु में 07 अतिक्रमणकारियों पर बुलडोजर की कार्यवाही की गई है ।शासकीय जमीन को अतिक्रमण मुक्त करने की यह कार्यवाही तहसीलदार तेकाम, पुलिस और पंचायत प्रतिनिधियो में मौजूदगी में की गई। जहां उक्त कार्यवाही कर शासकीय भूमि पर कब्जा करने वालो के अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाकर, शासकीय जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया ।हालांकि पंचायत जमीन पर अतिक्रमण किए जाने का मामला वर्षो पुराना है, लेकिन पंचायत ने पंचायत की भूमि पर अतिक्रमण हटाने लगातार संघर्ष किया जा रहा था। जिसका परिणाम है आज अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई।

2024- 25 में हुआ था सीमांकन, 16 जनवरी को बेदखली के जारी किए थे आदेश

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुडरू पंचायत भवन के आसपास, शासकीय भूमि पर लंबे समय से अतिक्रमणकारियों ने अवैध कब्जा किया था। जिसमें 2024 और 2025 में सीमांकन के बाद लामता तहसीलदार ने सभी पक्ष को सुनने के बाद 16 जनवरी को बेदखली के आदेश देकर अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किया था ।जिसके बाद तहसीलदार लामता, राजस्व निरीक्षक चांगोटोला, हल्का पटवारी, पुलिस प्रशासन और पंचायत अमले की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाओ कार्यवाही शुरू की गई।

कार्यवाही स्वागत योग्य है- संतोष

उधर ग्रामीणों ने इस कार्यवाही का स्वागत किया है। ग्रामीण, संतोष दमाहे ने बताया कि प्रशासन निष्पक्षता से कार्य करता रहा, तो पंचायत और शासन की जमीन सुरक्षित रहेगी। अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के बाद बाद अब इस भूमि में विकास कार्य अतिशीघ्र प्रारंभ किया जाना चाहिए। वहीं अन्य शासकीय भूमि को भी चिंतित कर वहां से अतिक्रमण हटाना चाहिए।

जल्द परिसर का निर्माण किया जाएगा- बघेल

सरपंच प्रतिनिधि बघेल ने बताया कि ग्राम पंचायत गुडरू के पंचायत भवन के इर्द गिर्द पंचायत कि भूमि खसरा नंबर 89 में वर्षो से अतिक्रमण किया गया था। जिसकी शिकायत वर्ष 2024 में तहसील न्यायालय लामता से किया गया था। लंबे अंतराल के बाद न्यायालय तहसीलदार की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाकर पंचायत कि भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया गया। जिसमें ग्रामीणों की मंशानुसार काम्पलेक्स का निर्माण कराया जाएगा।

गायखुरी बस्ती में हिन्दु सम्मेलन 8 को, प्रभातफेरी निकालकर जगा रहे अलख

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगरी क्षेत्र के वार्ड नंबर 33 गायखुरी में भव्य हिन्दु सम्मेलन का आयोजन 8 फरवरी को सकल हिन्दु समाज द्वारा आयोजित किया गया है। कार्यक्रम शासकीय प्राथमिक स्कूल गायखुरी समीप मैदान में शाम 5 बजे से प्रारंभ किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में शामिल होने व हिन्दुओं में हिन्दुत्व का भाव जगाने एक सप्ताह से हर दिन सुबह 6 बजे से क्षेत्र में प्रभातफेरी निकाली जा रही है। इसमें भगवा ध्वज लेकर राम धुन के साथ युवा व महिलाएं सहित बच्चे भी शामिल होकर लोगों को सम्मेलन में शामिल होने का आव्हान किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत ही 5 फरवरी को शाम 5 बजे दुर्गा चौक गायखुरी से भगवा पद यात्रा निकाली गई ।जो वार्ड के आम्बेडकर चौक, पटेल मोहल्ला, आवासटोली सहित अन्य प्रमुख मार्गो का भ्रमण करते हुये वापस दुर्गा चौक पहुंचकर संपन्न हुई। भगवा पद यात्रा से पूर्व कार्यक्रम स्थल पर भूमिपूजन कर भगवा ध्वज फहराया गया। कार्यक्रम में काफी संख्या में हिन्दु सनातनी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि 7 फरवरी को शाम 5 बजे से वाहन रैली निकाली जावेगी। 8 फरवरी को दोपहर 3 बजे से कलश यात्रा निकाली जावेगी व तत्पश्चात मंचीय कार्यक्रम एवं समरसता भोज का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर सकल हिन्दु समाज द्वारा सनातनियों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील की गई है।

हैदराबाद में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में भाग लेने जिले की टीम रवाना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। यूनाइटेड शोतोकान कराटे एसोसिएशन इंडिया के जनरल सेक्रेटरी सिहान वरुण

पाण्डेय एवं मध्यप्रदेश के जनरल सेक्रेटरी सेन्सेई आकाश झा के मार्गदर्शन में, बालाघाट की टीम हैदराबाद में आयोजित 5वीं अंतरराष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए रवाना हुई। यह प्रतियोगिता 7 एवं 8 फरवरी 2026 को सरूर नगर इंडोर स्टेडियम, एल.बी. नगर, हैदराबाद में आयोजित होगी। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुमन तलवार उपस्थित रहे ।बताया गया कि यूनाइटेड शोतोकान कराटे एसोसिएशन, बालाघाट के 20 खिलाड़ी इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। इस चैंपियनशिप में भारत सहित भूटान, नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका समेत कुल 7 देशों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। देश-विदेश के खिलाड़ियों की मौजूदगी के बीच बालाघाट के खिलाड़ी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से जिले, प्रदेश एवं राष्ट्र का नाम रोशन करने के संकल्प के साथ प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

टीम में इन खिलाड़ियों का शमावेश

हैदराबाद में आयोजित इस 5वी अंतरराष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में भाग लेने जिले से 20 खिलाड़ी रवाना हुए है जिंसमे आराध्य मोहरे, तनुश्री पनारिया, प्रतिभा कुशराहे, हर्षिल वर्मा, लकी चौरागड़े, गर्व बनवाले, तिनेश बिसेन, संचय डोंगरे, कुणाल कुठे, तन्हा कुठे, श्रेया कुठे, विवेक मेश्राम, ऋृचा चांदेवार, लकी धोमणे एवं तमन्ना कुठे के नाम का शमावेश है ।जबकि टीम के साथ यूनाइटेड शोतोकान कराटे एसोसिएशन, बालाघाट के जिला सचिव सेन्सेई लक्की मड़ावी, कोषाध्यक्ष सेन्सेई राकेश वरकड़े, टेक्निकल डायरेक्टर सेन्सेई आशीष बाघ एवं सहसचिव अंजली गोंडुडे हैदराबाद के लिए रवाना हुए।

शुभकामनाओं के साथ टीम को किया गया रवाना

इस खुशी के अवसर पर श्रीमती मौसम हरिंखेरे (सदस्य, म. प्र. पिछड़ा वर्ग आयोग), केंद्रीय विद्यालय बालाघाट के प्रिंसिपल अरुण कुमार तुमसरे, शकुनतला मार्टिन, तेजस तुरकर, शैली बक्शी मैडम, संदीपनी विद्यालय राजेगांव की प्रिंसिपल गीता बनोटे, सेवता सजदेवा, प्रदीप मेश्राम सहित अन्य ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दीं है।

आवश्यकता है
दवा दुकान में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता हे
योग्यता- 10वीं पास
पार्ट टाईम जॉब वाले संपर्क न करें।
वेतन-योग्यतानुसार
कार्य सीखे व्यक्ति को प्राथमिकता
संपर्क-9340308019

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़
3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

रेलवे स्टेशन बालाघाट में दी गई मैं भी हु अभिमन्यु अभियान की जानकारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शुक्रवार को बालाघाट रेलवे स्टेशन परिसर में जनजागरूकता अभियान चलाया गया इस दौरान ट्रेनों से आने जाने वाले यात्रियों, महिलाओं स्कूल कॉलेज के छात्र छात्राओं को मै हु अभिमन्यु अभियान के बारे में जानकारी दी गई इसके साथ ही चलाए जा रहे हैं अभियान साइबर अपराध के संबंध में यात्रियों को साइबर फ्रॉड

की जानकारी देकर बचाने के उपाय बताए गए। पुलिस मुख्यालय भोपाल के आदेश और पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर सुश्री शिमला प्रसाद के निर्देशन पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भावना मरावी के नेतृत्व में चलाए गए इस जागरूकता अभियान के दौरान ही रेलवे यात्रियों को बाल मजदूर के तहत छोटे बच्चों को बंधवा मजदूर बनकर करवाए जा रहे काम ,उनकी रोकथाम, उपाय की जानकारी दी गई।वही सायबर फ्राड से बचने के लिए हेल्प लाइन न 1030, बच्चों से संबंधित शिकायत के लिए चाइल्ड लाइन 1098 और महिलाओं से संबंधित अपराध रोकने हेल्प लाइन न 1090 की जानकारी दी गई।उक्त जानकारी प्रधान आरक्षक राकेश गढ़पाल जीआरपी बालाघाट द्वारा प्रेसविज्ञप्ति जारी कर दी गई है।

8 फरवरी को पूर्व सैनिक कल्याण संघ द्वारा सैनिक परिवार मिलन समारोह का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों को आपसी संवाद और सम्मान का मंच प्रदान करने के उद्देश्य से पूर्व सैनिक कल्याण संघ द्वारा सैनिक परिवार मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी पूर्व सैनिक कल्याण संगठन के जिलाध्यक्ष संजीव धुवारे ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। उन्होंने बताया कि यह मिलन समारोह 08 फरवरी दिन रविवार को आयोजित किया जाएगा, जिसमें थलसेना, नौसेना एवं वायुसेना से जुड़े सेवारत सैनिक, पूर्व सैनिक एवं उनके परिवारजन सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य सैनिक परिवारों के बीच आपसी परिचय, सहयोग और एकजुटता को मजबूत करना है। मिलन समारोह का आयोजन सुबह 11 बजे से किया जाएगा।

अपनी ही पार्टी के खिलाफ पार्षदों के न्यायालय जाने को माना गाइडलाइन के विरुद्ध, कार्रवाई के संकेत

नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर पर लगे आरोपों से भाजपा संगठन की अनुशासनहीनता सतह पर

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर पालिका में कथित अनियमितताओं को लेकर सत्तारूढ़ दल के ही कुछ पार्षदों द्वारा न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का मामला अब राजनीतिक संगठन के स्तर पर गंभीर रूप लेता जा रहा है। बीते दिनों नगर पालिका के दो पार्षदों और दो पार्षद प्रतिनिधियों द्वारा अपनी ही पार्टी की नगर पालिका अध्यक्ष के खिलाफ अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए न्यायालय में याचिका दायर की गई थी। इस घटनाक्रम के बाद पार्टी संगठन ने इसे अनुशासनहीनता मानते हुए कार्रवाई के संकेत दिए हैं। इस संबंध में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि संगठन के अंदर रहते हुए पार्टी विरोधी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि कोई भी जनप्रतिनिधि पार्टी के आंतरिक मंचों को छोड़कर सीधे न्यायालय या सार्वजनिक मंचों पर अपनी ही पार्टी के खिलाफ जाता है, तो उस पर संगठनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। इसी कड़ी में 6 फरवरी को कुछ पार्षद एवं पार्षद प्रतिनिधि भाजपा जिला कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे से मुलाकात कर अपना पक्ष रखा। इस दौरान उन्होंने नगर पालिका से जुड़े मामलों पर अपनी बात रखते हुए संगठन से मार्गदर्शन की मांग की।

वर्तमान नगर परिषद के कार्यकाल की शुरुआत से ही नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर पर अनियमितताओं के आरोप लगते रहे हैं। पहले विपक्ष और बाद में सत्तारूढ़ दल के कुछ पार्षद लगातार उन पर विभिन्न मामलों को लेकर सवाल उठाते रहे, लेकिन

अब तक किसी भी पक्ष ने न्यायालय का दरवाजा नहीं खटखटाया था। किंतु हाल ही में यह मामला उस समय और गंभीर हो गया जब सत्ता पक्ष के ही दो पार्षदों और दो पार्षद प्रतिनिधियों ने नगर पालिका अध्यक्ष के खिलाफ न्यायालय में याचिका दायर कर दी। सत्तापक्ष के पार्षद सुधीर चिले, राज हरिनखेड़े, तथा पार्षद प्रतिनिधि केवल सोनेकर और सौरभ जैन ने नगर पालिका अध्यक्ष पर डीजल प्रकरण सहित अन्य मामलों में अनियमितता के आरोप लगाते हुए न्यायालय में याचिका प्रस्तुत की है। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने राज्य शासन को 90

दिनों के भीतर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जहां एक ओर राज्य शासन इस प्रकरण में हस्तक्षेप की तैयारी कर रहा है, दूसरी ओर इससे पहले ही भारतीय जनता पार्टी संगठन ने इस पूरे मामले में दखल दे दिया है। अपनी ही पार्टी के जनप्रतिनिधियों द्वारा पार्टी की नगर पालिका अध्यक्ष के खिलाफ न्यायालय जाने को संगठन ने गंभीर अनुशासनहीनता के रूप में लिया है। इस संबंध में भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि इससे पूर्व भी कुछ पार्षदों ने अपने-अपने वार्ड में विकास कार्यों को लेकर संगठन और पार्टी मंच पर अपनी बातें रखी थीं। पार्षदों की यह स्वाभाविक अपेक्षा होती है कि उनके वार्ड में अधिक से अधिक कार्य हों, जिसे संगठन ने हमेशा सकारात्मक रूप में लिया है। जिला अध्यक्ष ने स्पष्ट कहा कि अपनी ही पार्टी की नगर पालिका अध्यक्ष पर आरोप लगाते हुए सीधे न्यायालय की शरण लेना पार्टी की गाइडलाइन के खिलाफ है। इससे न केवल संगठनात्मक अनुशासन प्रभावित होता है, बल्कि पार्टी की छवि भी धूमिल होती है। रामकिशोर कावरे ने बताया कि इस पूरे मामले को वे दोनों पक्षों की राय लेकर भोपाल में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और अनुशासन समिति के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने संकेत दिए कि इस प्रकरण पर वरिष्ठ स्तर पर शीघ्र ही निर्णय और कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका में चल रहे इस घटनाक्रम से राजनीतिक हलकों में चर्चाओं का दौर तेज है और अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि पार्टी नेतृत्व इस विवाद पर क्या रुख अपनाता है।

हमने प्रदेश अध्यक्ष से भी बात किया है - सुधीर चिले

नगर पालिका अध्यक्ष पर लगाए गए आरोपों और न्यायालय में दायर याचिका को लेकर चल रहे विवाद के बीच पार्षद सुधीर चिले ने भी अपना पक्ष स्पष्ट किया है। दूरभाष पर मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले को लेकर उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष से भी बात किया है और प्रकरण को अभी कुछ दिन पहले पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है। पार्षद सुधीर चिली ने बताया कि यह विषय केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि संगठन के उच्च स्तर तक इसकी जानकारी दी गई है। अब यह पूरी तरह वरिष्ठ नेतृत्व पर निर्भर करता है कि इस मामले में कब और किस प्रकार की कार्रवाई की जाती है।

सहकारी कर्मचारियों ने चयन सूची को संदिग्ध बताया, हाईकोर्ट जाने की घोषणा

प्रभारी प्रबंधक केडर भर्ती प्रक्रिया पर गंभीर आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला सहकारी समितियों में प्रभारी प्रबंधक कैडर की प्रस्तावित भर्ती प्रक्रिया को लेकर सहायक प्रबंधकों में असंतोष गहराता जा रहा है। भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता पर संदेह जताते हुए सहायक प्रबंधकों ने इसका विरोध दर्ज कराया है। इसी क्रम में शुक्रवार को सहायक प्रबंधकों का प्रतिनिधिमंडल जिला सहकारी केंद्रीय बैंक पहुंचा और बैंक प्रबंधक से मुलाकात कर अपनी आपत्तियों से अवगत कराया। सहायक प्रबंधकों ने कहा कि वर्तमान में प्रस्तावित भर्ती प्रक्रिया न तो स्पष्ट है और न ही इसमें सेवा नियमों का पूरी तरह पालन होता दिखाई दे रहा है। उनका कहना है कि लंबे समय से सहकारी समितियों में कार्यरत सहायक प्रबंधकों को अनुभव के आधार पर प्रभारी प्रबंधक के पदों पर पदोन्नति दी जानी चाहिए, लेकिन इसके विपरीत नई प्रक्रिया अपनाई जा रही है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त है।

शुक्रवार को जिला सहकारी समिति में प्रभारी प्रबंधक कैडर भर्ती में नियमों का पालन नहीं होने को लेकर समितियां के कर्मचारी जिला मुख्यालय पहुंचे यहां मध्यप्रदेश सहकारी कर्मचारी महासंघ के सहसचिव दिनेश कुमार परिहार एवं सहकारी समिति शाखा वारासिवनी के अध्यक्ष सुरेन्द्र बिसेन ने संयुक्त रूप से भर्ती प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे पक्षपातपूर्ण और संदेहास्पद बताया है। उन्होंने बताया कि प्रभारी प्रबंधक कैडर में नियमानुसार भर्ती की जानी थी, लेकिन दावा-आपत्ति का विधिवत निराकरण किए बिना ही केवल 9 कर्मचारियों की चयन सूची जारी कर दी गई, जबकि जिले से लगभग 24 से 25 कर्मचारियों का चयन किया जाना प्रस्तावित था। उनका

कहना है कि कलेक्टर द्वारा पात्र-अपात्र की प्रारंभिक सूची जारी किए जाने के बाद कर्मचारियों को कलेक्ट्रेट बुलाकर दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे, जिसका सभी ने पालन किया। परिहार और बिसेन ने बताया कि दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने के बाद कर्मचारियों को दोबारा न तो बुलाया गया और न ही पात्र-अपात्र की अंतिम सूची सार्वजनिक की गई। इसके बावजूद जिला सहकारी केंद्रीय बैंक प्रबंधक द्वारा सीधे 9 लोगों की चयन सूची जारी कर दी गई, जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब कलेक्टर ने स्वयं उनकी आपत्तियों को सुना ही नहीं, तो फिर चयन सूची किस आधार पर जारी की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि चयन प्रक्रिया में धांधली की गई है और जो प्रक्रिया अपनाई गई है, वह पूरी तरह संदेह के घेरे में है। जब कर्मचारी अपनी बात रखने के लिए जिला सहकारी केंद्रीय बैंक प्रबंधक से मिलने पहुंचे, तो उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनने के बजाय उन्हें हाईकोर्ट जाने की सलाह दी गई। इस संबंध में बताया गया कि वर्ष 2019 से लगातार हुए संशोधनों में यह स्पष्ट किया गया है कि सहायक प्रबंधकों को प्रभारी प्रबंधक कैडर भर्ती में शामिल किया जाना चाहिए। अक्टूबर माह में पात्र और अपात्र कर्मचारियों की सूची प्रकाशित की गई थी और आपत्ति दर्ज कराने के लिए समय भी दिया गया था। सभी कर्मचारियों ने नियमानुसार दावा-आपत्ति दर्ज कराई थी। दावा-आपत्ति के निराकरण के लिए 24 दिसंबर को कलेक्ट्रेट बुलाया गया, लेकिन वहां केवल दो-तीन कर्मचारियों को ही कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया गया। कलेक्टर द्वारा यह कहा गया था कि जिन सहायक प्रबंधकों को 10 वर्ष का अनुभव पूर्ण हो चुका है, उन्हें प्रभारी प्रबंधक पद पर लिया जाना चाहिए तथा पहले समिति स्तर पर निराकरण किया जाए। इसके बाद जिला सहकारी बैंक द्वारा कर्मचारियों से यह कहकर एक कोरे कागज पर हस्ताक्षर करवा लिए गए कि केवल उपस्थिति दर्ज की जा रही है। कर्मचारियों का आरोप है कि दावा-आपत्ति के बाद एक अंतिम सूची प्रकाशित होनी चाहिए थी, जिससे यह स्पष्ट होता कि उनकी बातों पर विचार किया गया है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और अचानक 9 लोगों की प्रभारी प्रबंधक पद पर नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए गए। सहकारी कर्मचारियों ने इस पूरी प्रक्रिया का कड़ा विरोध करते हुए घोषणा की है कि वे इस मामले को लेकर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में याचिका दायर करेंगे और न्याय की मांग करेंगे।

वे न्यायालय की शरण ले सकते है - अभिनव बघेल

मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिनव बघेल ने बताया की हमारे द्वारा पूरा प्रयास किया गया कि सारी प्रोसेस नियमानुसार किया जाए। इस बारे में जब पूरी प्रोसेस की गई तो नियमानुसार इन लोगों की पात्रता नहीं आ रही है। कलेक्टर साहब का कहना था कि कमेटी बनाकर एक बार प्रोसेस कीजिए कि कैसे पात्र हो सकते है। सारे दस्तावेज देखने के बाद ये पात्र नहीं पाए गये है। वर्ष 2010 के पहले वालों को ही भर्ती में लिया गया है। उन्हें भर्ती में किसी तरह का संदेह है तो वे न्यायालय की शरण ले सकते है।

सराफा व्यापार से जुड़े लाइसेंस, सुरक्षा और समन्वय पर व्यापारियों और अफसरों के बीच हुई सार्थक चर्चा

ऑल इंडिया कैट एसोसिएशन ने कलेक्टर व एसपी से मिला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ऑल इंडिया कैट एवं ज्वेलर्स डेवलपमेंट वेल्फेयर एसोसिएशन मध्यप्रदेश के जिला स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने जिले में सराफा व्यापार से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक से सौजन्य भेंट की। इस दौरान व्यापारिक गतिविधियों को सुचारु, सुरक्षित एवं पारदर्शी बनाए जाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कैट के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष संजय अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर कैट के प्रदेश मंत्री सत्यनारायण अग्रवाल, जिलाध्यक्षा भवानी टेकडीवाल, जिला सचिव गणेश अग्रवाल, जिला संगठन मंत्री दिलीप कारडा, जिला प्रचार मंत्री मनोज छिरसागर, कपिल जैन, संतोष आहूजा, जी कुमार वाधवानी सहित बड़ी संख्या में जिले के सराफा व्यापारी उपस्थित रहे। इनमें वरुण त्रिवेदी, अभिषेक अग्रवाल, निशांत जैन, आशीष येरपुडे, विकास सोनी, शरद जैन, प्रवीण जैन, राहुल येरपुडे, मोहित येरपुडे, हेमचंद बखारिया, विकास कोछल, विपुल येरपुडे, ललित बाठिया, सचिन रूसिया सहित अन्य व्यापारी बंधु शामिल थे। भेंट के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सराफा व्यापार से संबंधित लाइसेंस प्रक्रिया, व्यापारियों एवं प्रशासन के बीच आपसी समन्वय, व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था, तथा प्रशासन से औपचारिक परिचय जैसे विषयों पर अपने विचार और सुझाव साझा किए। विशेष रूप से बढ़ते साइबर अपराधों और ऑनलाइन लेन-देन से जुड़ी चुनौतियों पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं को गंभीरतापूर्वक सुना और विधिसम्मत एवं उचित सहयोग का आश्वासन दिया। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि जिले में व्यापारिक माहौल को सुरक्षित और अनुकूल बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है तथा सराफा व्यापारियों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। इसके साथ ही अधिकारियों ने भविष्य में साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन भुगतान प्रणाली, एवं अन्य व्यापारिक विषयों पर संयुक्त जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने तथा समय-समय पर संवाद और समन्वय बनाए रखने की भी सहमति व्यक्त की। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन के सकारात्मक रुख का स्वागत करते हुए

8 फरवरी को आज़ाद अध्यापक शिक्षक संघ निकालेगा जिला स्तरीय रैली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शिक्षकों की पेंशन और वरिष्ठता से जुड़ी समस्याओं को लेकर आज़ाद अध्यापक शिक्षक संघ द्वारा 8 फरवरी को जिला मुख्यालय में पेंशन वरिष्ठता रैली का आयोजन किया जाएगा। संगठन के जिला अध्यक्ष आशीष बिसेन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस रैली में जिले भर के शिक्षक शामिल होंगे और अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए संगठन के पदाधिकारी विभिन्न विद्यालयों में पदस्थ शिक्षक साथियों से संपर्क कर रहे हैं। यह रैली संगठन के प्रांताध्यक्ष भरत पटेल के आह्वान पर आयोजित की जा रही है, जिसके तहत मध्यप्रदेश के सभी 55 जिलों में एक साथ पेंशन रैली निकाली जाएगी। जिलाध्यक्ष आशीष बिसेन ने बताया कि वर्तमान में सेवानिवृत्त हो रहे शिक्षकों को मात्र 4 हजार से 5 हजार रुपये तक की अत्यंत अल्प पेंशन मिल रही है, जो जीवनयापन के लिए अपर्याप्त है। इसके अलावा वर्ष 2018 से पूर्व की सेवाओं को शून्य कर दिए जाने के कारण शिक्षकों को सेवानिवृत्ति के समय मिलने वाली ग्रेच्युटी की राशि में भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इन नीतिगत निर्णयों से शिक्षक वर्ग स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहा है और इसी के विरोध में अपनी न्यायोचित मांगों को लेकर प्रदेशभर के शिक्षक सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं। बालाघाट में यह रैली मोतीनगर गार्डन से दोपहर 2:30 बजे प्रारंभ होकर कलेक्ट्रेट पहुंचेगी, जहां शिक्षकों द्वारा माननीय मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। आज़ाद अध्यापक शिक्षक संघ की जिला कार्यकारिणी ने जिले के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में रैली में शामिल होकर अपनी मांगों को मजबूती प्रदान करें।

एसडीएम वारासिवनी ने किया उचित मूल्य दुकान पनबिहरी एवं प्रदाय केंद्र लालबर्रा का औचक निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एसडीएम वारासिवनी कार्तिकेय जायसवाल द्वारा 06 फरवरी 2026 को कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुनील किरार के साथ उचित मूल्य दुकान पनबिहरी एवं प्रदाय केंद्र लालबर्रा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उचित मूल्य दुकान पनबिहरी में अनियमितताएं पाई गईं। जांच में सामने आया कि हितग्राही श्रीमती खेलन बाई यादव को विक्रेता वेणु सिलेकर द्वारा माह जनवरी 2026 में निर्धारित मात्रा से 10 किलो राशन कम दिया गया था। मौके पर दुकान के स्टॉक का सत्यापन करने पर उपलब्ध स्टॉक भी कम पाया गया। इस गंभीर अनियमितता को देखते हुए सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2015 के तहत पंचनामा बनाकर

विधिवत प्रकरण तैयार किया गया है। संबंधित विक्रेता के विरुद्ध नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है। इसके पश्चात एसडीएम द्वारा शासकीय गोदाम लालबर्रा एवं प्रदाय केंद्र लालबर्रा का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नागरिक आपूर्ति निगम के केंद्र प्रभारी को निर्देशित किया गया कि खाद्यान की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा उचित मूल्य दुकानों तक राशन सामग्री समय पर पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। एसडीएम श्री जायसवाल ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आस-पास की खबरें

पंढरापानी में दो दिवसीय विशाल बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता 18 से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी. दूर ग्राम पंचायत रानीकुठार के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंढरापानी में नवयुवक पट समिति के तत्वाधान में आगामी 18 फरवरी से दो दिवसीय विशाल बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि दो दिवसीय विशाल बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता 18 फरवरी से प्रारंभ होगा, जिसमें प्रथम पुरस्कार 25,000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 20,000 रूपये,

तृतीय पुरस्कार 15,000 रूपये, चौथा पुरस्कार 12,000 रूपये, पांचवा पुरस्कार 10,000 रूपये, छटवां पुरस्कार 9,000 रूपये, सातवां पुरस्कार 8000 रूपये, सातवां पुरस्कार 7000 रूपये, नौवां पुरस्कार 6500 रूपये, दसवां पुरस्कार 6000 रूपये, 11 से 15 नंबर तक 5500 रूपये, 16 से 20 नंबर तक 5000 रूपये, 21 से 25 नंबर तक 4500 रूपये एवं 26 वां पुरस्कार 5000 रूपये एवं 18 फरवरी को 1800 रूपये व 19 फरवरी को 2100 रूपये प्रवेश शुल्क निर्धारित किया गया है। आगे बताया कि उक्त कार्यक्रम समाजसेवी अनुराग चतुरमोहता के मुख्य आतिथ्य, जनपद उपाध्यक्ष विरेन्द्र किशोर पालीवाल, रानीकुठार सरपंच श्रीमती 'योति/विनोद ठाकरे की अध्यक्षता एवं बघोली सरपंच अरशद पापा पटेल, औल्याकन्हार सरपंच प्रेमलता ओपी बिसेन, जनपद सदस्य देवेश विक्की गौतम, धनेन्द्र भलावी, नगपुरा सरपंच श्रीमती श्रीमती अनिता जीवन लिल्हारे, समाजसेवी राजेन्द्र पुण्ड, मछुआ समिति अध्यक्ष हरिश सोनवाने, उपसरपंच सावनलाल सलामे, अत्तरसिंह मड़ावी, कुंवरलाल अड़मे, सर्व समाज बघोली अध्यक्ष पन्नलाल समरिते, दीनदयाल एड़े, पन्नालाल गौतम, राजकुमार खरोले, खेमलाल पटले, मुकेश समरिते, कैलाश रंगारे, निर्णायक समिति डॉ रामप्रसाद पंचेश्वर, बस्ताराम बोरकर, राजा पटेल, तेजलाल नागेश्वर, प्रेमसिंह मर्सकोले के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस दो दिवसीय विशाल बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता में बालाघाट सहित अन्य जिलों के पट बैलजोड़ी मालिकों से अधिक से अधिक बैलजोड़ी लेकर पहुंचने की अपील आयोजक समिति अध्यक्ष मकसूद पटेल, उपाध्यक्ष प्रकाशसिंह भलावी, सचिव आनंद भारद्वाज, कोषाध्यक्ष शेख तबरेज/बशीर पटेल, संरक्षक होलूराम बाहेश्वर, संपतसिंह नेताम, अहमद अली, चरणसिंह उइके, प्रेमलाल बावने, कृष्णकुमार कावरे, आयोजक समिति रवि नेताम, नरेश बावने, संतोष भलावी, हरदास सलामें, राहूल भारद्वाज, प्रकाश कुमरे, कुमनसिंह उइके, योगेश मड़ावी, शैलेष मर्सकोले, रोहित भलावी, सुमित मेश्राम सहित ग्रामीणजनों ने की है।

मोहगांव ध. के शिवधाम में तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 13 से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी दूर ग्राम पंचायत मोहगांव ध. में आस्था और जनभागीदारी की एक अनुपम मिसाल देखने को मिल रही है। ग्राम पंचायत एवं जनभागीदारी समिति के संयुक्त प्रयासों से नवनिर्मित शिवधाम (मोक्षधाम) में भगवान शिव, शिवलिंग एवं नंदी महाराज की प्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा का तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 13 फरवरी से आयोजित गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में भव्य मूर्ति परिक्रमा श्री हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर शिवधाम के लिए प्रस्थान करेगी, 14 फरवरी को भगवान भोलेनाथ की शिव बारात देवी मंदिर चौक से धूमधाम के साथ निकाली जायेगी, जो शिवधाम पहुंचेगी एवं 15 फरवरी को दोपहर 12 बजे मूर्तियों की विधि-विधान से स्थापना व प्राण प्रतिष्ठा, दोपहर 2 बजे से शिवधाम आवासटोली में विशाल भंडारा एवं रात 9 बजे से बाजार चौक मोहगांव ध. में विशाल देवी जागरण का आयोजन किया गया है। जिसमें विशाल देवी जागरण मंच, बरघाट के कलाकारों द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जायेगी। आगे बताया किउक्त कार्यक्रम जीएसटी कमिश्नर जबलपुर लोकेश लिल्हारे के मुख्य आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने

नगपुरा हायर सेकेण्डरी स्कूल में सुविधाओं का अंतहीन अभाव।।

कमरों की कमी से पढ़ाई होती है प्रभावित, बाउण्ड्रीवॉल नही होने से चोरी की हो चुकी है वारदात

विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षकों ने नवीन भवन और बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण करवाने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत नगपुरा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वर्तमान में विभागीय उपेक्षा और मूलभूत सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है। शासन ने हाई स्कूल से हायर सेकेण्डरी स्कूल में विगत वर्ष पूर्व उन्नयन तो कर दिया है लेकिन अब तक हायर सेकेण्डरी स्कूल के नवीन भवन का निर्माण नही किया है। जिसके कारण हाई स्कूल के भवन में ही कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक की कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। किन्तु कमरों की कमी के कारण विद्यार्थियों को पढ़ाई करने एवं शिक्षकों को शिक्षा अध्यायपन कार्य करवाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और एक कमरे में दो कक्षाएं लग रही है। वहीं बाउण्ड्रीवाल भी नही होने के कारण असामाजिक तत्व स्कूल में प्रवेश कर रात्रि के समय खिड़की सहित अन्य सामग्री को नुकसान पहुंचाते है एवं पूर्व में चोरी की भी वारदात घटित हो चुकी है। इस तरह से नगपुरा स्थित शासकीय हायर सेकेण्डरी विद्यालय में कक्षों की कमी और बाउंड्रीवॉल न होने के कारण छात्र-छात्राओं का भविष्य और सुरक्षा दोनों दांव पर हैं। वहीं इस समस्या से कई बार जिम्मेदारों को अवगत भी करवा चुके है, लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे विद्यार्थी, अभिभावकों सहित शिक्षकों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

एक ही कमरे में बैठने को मजबूर विद्यार्थी

आपकों बता दे कि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए सरकार के द्वारा बड़े-बड़े दावे तो किये जाते हैं। लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है। जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण शासकीय उ'चतर माध्यमिक विद्यालय नगपुरा का है। जहां शासन के द्वारा विगत वर्ष पूर्व हाई स्कूल से हायर सेकेण्डरी स्कूल में उन्नयन किया गया है। इस तरह से कक्षाएं तो बढ़ा दी गई है किन्तु अब तक हायर सेकेण्डरी स्कूल का नवीन भवन का निर्माण नही किया गया है। ऐसी स्थिति में हाई स्कूल के ही भवन में हायर सेकेण्डरी स्कूल संचालित किया जा रहा है जहां कमरों का अभाव है। जिसके कारण विद्यालय में कमरों के अभाव के चलते छात्र-छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित होती है और अव्यवस्था के बीच शिक्षा ग्रहण करने विद्यार्थी मजबूर है। वहीं इस सत्र में बड़ी कठिनाईयों के बीच विद्यार्थियों का शिक्षा अध्यायपन कार्य संपन्न करवाया जा रहा है, लेकिन नवीन सत्र में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ सकती है। ऐसी स्थिति में नवीन सत्र में स्कूल प्रबंधन को कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक स्कूल का संचालन करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इसलिए प्रशासन को जल्द नगपुरा शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल के लिए नवीन भवन का निर्माण करवाना चाहिए। अगर नवीन भवन का निर्माण के स्थान पर अतिरिक्त कक्ष का भी निर्माण कर दिया जाता है तो कुछ समस्या दुर हो सकती है। साथ ही बाउण्ड्रीवॉल भी नही होने के कारण स्कूल परिसर में असामाजिक तत्व रात के समय अंदर घुसकर गंदगी कर देते है एवं पूर्व में चोरियां भी हो चुकी है। वहीं कमरों की कमी के चलते नये सत्र में कक्षा संचालित करने में स्कूल प्रशासन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक-शिक्षिकाओं ने शासन-प्रशासन से हायर सेकेण्डरी स्कूल का नवीन भवन एवं बाउण्ड्रीवाल का जल्द निर्माण करवाने की मांग की है।

समस्या का निराकरण करने की उठी मांग

ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल का तो उन्नयन सिर्फ कागजों पर हुआ है, जमीन पर सुविधाएं आज भी प्राथमिक स्तर की ही हैं। वहीं विद्यालय परिसर की सुरक्षा के लिए बाउंड्रीवॉल का न होना सबसे बड़ी समस्या बना हुआ है, खुला परिसर होने के कारण छुट्टी के बाद यहां असामाजिक तत्व प्रवेश करते है जिनके द्वारा गंदगी की जाती है। साथ ही बाउंड्रीवॉल के अभाव में असामाजिक तत्व स्कूल की संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाते है। वहीं स्कूल प्रबंधन का कहना है कि लंबे समय से विद्यालय में नवीन हायर सेकेण्डरी स्कूल का भवन या फिर अतिरिक्त कक्षों के निर्माण और बाउंड्रीवॉल की आवश्यकता को लेकर कई बार शासन और संबंधित विभाग को मांग पत्र भेजा जा चुका है। लेकिन अब तक शासन की ओर से कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई है। जिसके कारण भवन व कमरों की कमी के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होती है। ग्रामीणों और पालक शिक्षक संघ ने शासन से मांग की है कि विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य और सुरक्षा को देखते हुए जल्द से जल्द अतिरिक्त कक्षों का निर्माण एवं बाउण्ड्रीवाल का निर्माण करवाये।

भवन एवं बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण करवाये प्रशासन - अनिता

दूरभाष पर चर्चा में नगपुरा सरपंच श्रीमती अनिता लिल्हारे ने बताया कि शासन के द्वारा विगत वर्ष पूर्व हाई स्कूल को हायर सेकेण्डरी स्कूल में उन्नयन कर दिया गया है। लेकिन भवन का निर्माण अब तक नही किया गया है, जिसके कारण हाई स्कूल के भवन में ही कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक की स्कूल संचालित हो रही है, कमरों के अभाव में विद्यार्थियों को पढ़ाई करने में परेशानी होती है। श्रीमती लिल्हारे ने बताया कि हायर सेकेण्डरी स्कूल का नवीन भवन एवं बाउण्ड्रीवाल का निर्माण करवाने की मांग को लेकर क्षेत्रीय विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं प्रशासन को मांग पत्र सौंपा गया है, जिनके द्वारा उक्त मांगों को पूरा किये जाने आश्वास्त किया गया है। हमारी मांग है कि जल्द नवीन भवन एवं बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य स्वीकृत करवाकर जल्द निर्माण करवाये ताकि विद्यार्थियों को पढ़ाई करने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

बाउण्ड्रीवॉल नही होने से पूर्व में हो चुकी है चोरी की वारदात - चंद्रपाल

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नगपुरा के प्रभारी प्राचार्य चंद्रपाल उके ने बताया कि हाई से हायर सेकेण्डरी स्कूल का उन्नयन विगत वर्ष पूर्व हुआ है, लेकिन अब तक हायर सेकेण्डरी स्कूल का नवीन भवन का निर्माण नही किया गया है। जिसके कारण कमरों का अभाव है ऐसी स्थिति में विद्यार्थियों को पढ़ाई करने में परेशानी होती है। बरामदे में बैठकर पढ़ाई करते है एवं एक कमरे में दो कक्षाएं लगती है जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है। श्री उके ने बताया कि स्कूल भवन के आसपास बाउण्ड्रीवॉल नही होने से पूर्व में चोरी की वारदात घटित हो चुकी है और असामाजिक तत्व रात्रि के समय गंदगी करने के साथ ही तोड़-फोड़ कर देते है। इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि जल्द हायर सेकेण्डरी स्कूल का सर्वसुविधायुक्त नवीन भवन एवं बाउण्ड्रीवाल का निर्माण करवाये।

चोरों ने सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को दिया अंजाम

लाखों रूपयों के सोने-चांदी के जेवरात एवं नगद लेकर हुए फरार, पीड़ित ने पुलिस प्रशासन से अज्ञात चोरों को गिरफ्तार कर कार्यवाही करने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा थानांतर्गत सिवनी हाईवे मार्ग पर स्थित ग्राम पंचायत पाथरशाही में अज्ञात चोरों के द्वारा बीती रात में सूने मकान का ताला तोड़कर नगद राशि सहित सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गये। जिससे मकान मालिक को लाखों रूपये का नुकसान हुआ है। पुलिस ने पीड़ित मकान मालिक की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द का जांच शुरू कर दी है। वहीं पुलिस ने विभिन्न चोरी की घटनाओं पर चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उन्हे जेल की हवा खिला चुकी है लेकिन उनके खिलाफ कठोर कार्यवाही नही होने के कारण चोरों के हौसले बुलंद हैं। तभी तो सिवनी हाईवे व्यस्तम मार्ग रोड़ किनारे पाथरशाही निवासी सदनलाल मात्ते के मकान में गुरूवार की रात 9 से 10 बजे के बीच चोरी की वारदात घटित हुई है। जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि चोरों में पुलिस का खौफ नही है और पुलिस की पेट्रोलिंग गस्त एवं कार्यवाही पर सवाल खड़े हो रहे है। पीड़ित मकान मालिक से पुलिस प्रशासन से अज्ञात चोरों को गिरफ्तार कर कठोर कार्यवाही करने की मांग की है।

परिवार के साथ शादी में जाना सदन को पड़ा महंगा

प्राप्त जानकारी के अनुसार पाथरशाही निवासी सदनलाल मात्ते कृषि कार्य करता है, 5 फरवरी की रात 9 बजे परिवार के साथ ग्राम से करीब एक किमी. दूर ग्राम सिहोरा वैवाहिक कार्यक्रम में गये थे एवं रात करीब 10 बजे वापस घर आ गये और मकान के सामने देखे तो दरवाजा खुला दिखाई दिया। जिसके बाद मकान के अंदर जाकर देखे तो संदूक व टीन की पेटी खुला हुआ एवं सामान फैला हुआ था। जिससे उन्हे संदेह हुआ कि हमारे जाने के बाद चोरी की वारदात हुई है। जिसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। वहीं अज्ञात चोरों ने रात 9 से 10 बजे के बीच हाईवे रोड़ किनारे स्थित सदनलाल मात्ते के मकान से एक सोने का हार, एक जोड़ी सोने का कान का झुमका, दो सोने की अंगूठी, दो पायल सहित नगद राशि चोरी कर फरार हो गये। इस चोरी की वारदात से मकान मालिक को लाखों रूपयों का नुकसान हुआ है। इस तरह से सदनलाल मात्ते को परिवार सहित वैवाहिक कार्यक्रम में जाना महंगा पड़ गया। वहीं पुलिस ने पीड़ित मकान मालिक की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द कर जांच शुरू कर दी है। इस चोरी की वारदात से क्षेत्र में दहशत का माहौल निर्मित हो चुका है क्योंकि यह घटना रात 9 से 10 बजे के बीच की है और हाईवे रोड़ पर घटित हुई है। जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि अज्ञात चोर ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी चोरी की वारदात को भी अंजाम दे सकते है इसलिए पुलिस प्रशासन से मांग है कि नगर मुख्यालय के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी रात्रि गश्त करे ताकि चोरी की घटनाओं पर अंकुश लग सके।

अज्ञात चोरों को गिरफ्तार कर कठोर कार्यवाही करे पुलिस प्रशासन - सदन

सदनलाल मात्ते ने बताया कि गुरूवार की रात करीब 9 बजे परिवार के साथ सिहोरा विवाह समारोह में गये थे। जब वापस घर आये तो मकान के दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। जिसके बाद मकान के अंदर आये तो संदूक एवं पेटी का ताला टुटा हुआ एवं सामान अस्त-व्यस्त फैला हुआ था। अज्ञात चोरों ने सूनेपन का फायदा उठाते हुए धान के 65 हजार रूपये व बैल बेचने पर प्राप्त 54 हजार रूपये की नगद राशि सहित सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर फरार हो गये है। जिससे करीब डेढ़ लाख रूपये का नुकसान हुआ है। श्री मात्ते ने बताया कि हाईवे रोड़ किनारे मकान स्थित है और मकान से बाहर जाने के बाद कुछ अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है, जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि चोरों को पुलिस का डर नही है। तभी तो एक व्यस्तम मार्ग स्थित मकान से रात 9 से 10 बजे के बीच चोरी की घटना हुई है, पुलिस प्रशासन से मांग है कि ग्रामीण क्षेत्रों का भी रात्रि गस्त कर अज्ञात चोरों को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करें।

मामले की जांच की जा रही है - महेन्द्र

दूरभाष पर चर्चा में प्रधान आरक्षक महेन्द्र तुरकर ने बताया कि पाथरशाही निवासी सदनलाल मात्ते के सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने बीती रात में नगद राशि एवं लाखों रूपये के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर फरार हो गये है। पीड़ित मकान मालिक की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला पंजीबध्द कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हाईमास्क लाईट एवं पोल लगाने का कार्य शुरू, बड़े शहरों की तर्ज पर रोशनी से जगमगायेगा लालबर्रा

विधायक अनुभा मुंजारे ने लालबर्रा को दी सौगात

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्रीय विकास की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए बालाघाट की क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा को आधुनिक बुनियादी सुविधाओं की सौगात दी है। लंबे समय से अंधेरे और विकास की राह ताक रहे नगर मुख्यालय की हाई स्कूल मार्ग में अब महानगरों की तर्ज पर हाईमास्क लाइटें और आधुनिक स्ट्रीट लाइट की सौगात मिलने के बाद उक्त कार्य शुरू कर दिया गया है। जिसका कार्य पुर्ण होते ही बड़े शहरों की तर्ज पर लालबर्रा नगर रोशनी से जगमगायेगा। चर्चा में पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के विशेष प्रयासों से बस स्टैण्ड से हाई स्कूल मार्ग स्थित डिवाइडर रोड के दोनों ओर आधुनिक स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही हैं। इसके साथ ही दो बड़े हाईमास्क लाइटों की स्थापना भी की जा रही है, जिससे न केवल नगर की सुंदरता बढ़ेगी बल्कि सुरक्षा व्यवस्था भी पुख्ता होगी। साथ ही यह भी बताया कि विगत तीन वर्ष पूर्व नियम विरूध्द हटाई गई लाईटों के कारण इस मार्ग पर अंधेरा छाया रहता था। उक्त मार्ग पर पुनः स्ट्रीट लाईट व हाई मास्क लाईट लगने से आम जनता को अंधेरे से मुक्ति मिलेगी। श्री खान ने बताया कि गत दिवस संत रविदास जयंती के अवसर पर पांढरवानी के वार्ड नंबर 18 में सद्‌गुरू संत रविदास सामाजिक संगठन की मांग पर ग्राम पंचायत पांढ़रवानी द्वारा पंचायत निधि से स्वीकृत सभामंच का भूमिपूजन विधायक अनुभा मुंजारे के हस्ते किया गया। यह मंच स्थानीय सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों में बेहतर साबित होगा। वहीं विकास कार्यों की गुणवत्ता का जायजा लेने के लिए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीराम भोयर, सरपंच अनीस खान और विधायक प्रतिनिधि शैलेश केकती सहित पूरी टीम ने हाईस्कूल मार्ग का निरीक्षण भी किया है। इस अवसर पर नितिन सांखला, सुमित स्वामी, रामनाथ सोनी, सुनील अवधिया, मथुरा बिसेन, अशोक जैन, ऋतिक कटारे और विकास तिवारी सहित सैकड़ों ग्रामीणजन उपस्थित रहे। वहीं नगरवासियों ने विधायक की इस सक्रियता और लालबर्रा को नगर जैसी सुविधाएं प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया है।

बनियाटोला में जंगली सूअर के आतंक से किसान परेशान

किसानो की खेतो में लगी फसल और जान माल का हैं नुकसान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम कायदी बनियाटोला के किसानों के लिए जंगली सूअर एक बड़ी समस्या बनी हुई है। यह झुंड बनाकर खेतों में भ्रमण करते हैं जहां पर किसानो की लगी उपज को कुचलने खाने या खोदकर बर्बाद करने का कार्य करते हैं। जिससे किसानों को नुकसान सीधे तौर पर होता है तो वहीं खेतों में काम कर रहे किसानों पर भी यह हमला करते हैं। जिसमें हर बार तो किसान बच जाते हैं परंतु अब गंभीर चोटिल हो रहे हैं। ऐसे में जंगली सूअर खेतों में किसानों की फसल और उनके जान माल के लिए बड़ी समस्या है। जिसके लिए अनेकों बार ग्रामीणों के द्वारा वन विभाग को लिखित और मौखिक रूप से शिकायत की गई है। किंतु वर्तमान तक जंगली सूअर के लिए वन विभाग के द्वारा पुख्ता कार्यवाही नहीं की गई है, जिसका कारण है कि लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। विदित हो की ग्राम पंचायत कायदी के अंतर्गत बनियाटोला आता है जहां अधिकांश कृषक निवास करते हैं। जिनकी बालाघाट रोड़ के दोनों तरफ और वैष्णो देवी पहाड़ी के पीछे खेती स्थित है। जहां पर पहाड़ी के पीछे सबसे ज्यादा जंगली सूअर का आतंक लगा हुआ है। किसानों के द्वारा अभी रबी की फ सल लगाई गई है जहां जंगली सूअर झुंड के माध्यम से आकर फसलों को खोदने खाने और रौन्दने का काम कर रही है। वहीं खेतों में किसानों का जाना दूर्भर हो गया है वह काफी डरे हुए हैं पूरे परिवार के साथ या आसपास के कृषकों के साथ झुंड बनाकर वह खेतों में जा रहे हैं। क्योंकि जंगली सूअर से फसल को नुकसान तो है ही परंतु जान को भी नुकसान बना हुआ है। धीरे धीरे यह जंगली सूअर की संख्या भी बढ़ती जा रही है शासन के पशु संरक्षण का यह कारण है कि आज जंगली सूअर की लगातार संख्या बढ़ रही है। हालांकि इस दौरान कई किसान है जो खेतों में फसल लगा दिए हैं और आना.जाना बंद कर दिया हैं। यह जंगली सूअर जंगल या पहाड़ी के ऊपर निवास करती है जहां से अचानक खेतों में आ जाती है इस समस्या से किसानों में आक्रोश भी व्याप्त है। क्योंकि कई किसानों को जंगली सूअर के हमले का सामना करना पड़ा है जिसमें कुछ गंभीर चोटिल भी हो चुके हैं यह देख हर कोई किसान डरा हुआ है। जिनके द्वारा वन विभाग से बेहतर व्यवस्था बनाने की मांग की जा रही है ताकि किसानों को जंगली सूअर का भय ना हो और वह भी जंगल के अंदर सुरक्षित रहे।

जंगली सूअर के आंतक से किसान बहुत परेशान है-देवीचंद बिसेन

किसान देवीचंद बिसेन ने बताया कि खेत में बहुत ज्यादा आतंक जंगली सूअर का हो गया है। अभी रबी की फसल लगाने का काम हुआ है खेत में जाने को भी हमारे को डर लग रहा है वहां पर जंगली सूअर अपने पूरे परिवार के झुंड के साथ घूमता है। किसानों पर हमला करता है वैसे भी वहां खेतों में लगी फसल को चौपट कर रहा है जरूर में हम खेत जाते हैं परंतु कई सावधानियां हमें बरतनी पड़ती है। पहले दूर से देखते हैं कि सूअर है तो नहीं आसपास में और दो चार लोगों के साथ जाते हैं बहुत समय से यह समस्या है आसपास जंगल भी है तो वहां से भी सुअर आते हैं। इसकी शिकायत भी पर किये है पर कोई कार्यवाही नहीं हुई अब और किसको शिकायत कर दे पता नहीं वन विभाग आता नहीं है। फ सलों की नुकसानी का हमें मुआवजा मिलता नहीं है जंगल में फेंसिंग हो जाए तो जंगली सूअर पर कुछ अंकुश लग सकता है। पशु संरक्षण के अंतर्गत उनकी बहुत ज्यादा संख्या हो गई है मुआवजा तो हमें आज तक नहीं मिला है।

जंगली सूअर की संख्या बढ़ने से किसान भयभीत है-इंद्रकिशोर छिपेश्वर

किसान इंद्रकिशोर छिपेश्वर ने बताया कि हमारी खेती वैष्णो देवी पहाड़ी के पीछे स्थित है। जहां पर हमने रबी की फसल में गेहूं लगाया हुआ है हमारे द्वारा खेत में गेहूं लगा दिया गया है और उसके बाद खेत में आना जाना ही बंद कर दिया गया है। हमें अपनी जान का डर लगा हुआ है जंगली सूअर बहुत ज्यादा है। वैसे भी वहां खेत में लगी फसल को खोदते हैं खाते हैं और तेजी से दौड़ते हैं जिससे नुकसान तो होता ही है। मुझे ही नहीं हर किसी को डर है यहां पर व्यवस्था होनी चाहिए विभाग को ध्यान देना चाहिए। यह जंगली सूअर की संख्या का अंदाजा लगाना मुश्किल है यह जंगली सूअर पहाड़ी पर रहते हैं विभाग तो बहुत कम आता है। कुछ वर्षों से बहुत ज्यादा समस्या हो गई है पूरे परिवार के साथ हम खेत जाते हैं या कुछ किसान मिलकर जाते हैं तभी हम अपने आप को सुरक्षित समझते हैं।

क्षेत्र के विकास के लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ेंगे-गौरव सिंह पारधी

कोसमी एवं बहाकल में विधायक गौरव पारधी ने किया भूमिपूजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कटंगी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बहाकल में लगभग २ करोड़ ९३ लाख की लागत से बनने वाली बाहकल, अर्जुनी, सावंगी, उमरी मार्ग एवं अन्य सी सी रोड निर्माण एवं कोसमी १ करोड २७ लाख की लागत से बनने वाली बोपली से कोसमी मार्ग एवं अन्य सी सी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इस दौरान ग्रामवासियों एवं जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में विधिवत भूमि पूजन कर विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। यह मार्ग क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग थी जो अब साकार होने जा रही है। इस अवसर पर वृद्धावस्था पेंशन एवं आवासीय पट्टों का वितरण भी किया गया। इस दौरान संबोधित करते हुए विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए हम निरंतर प्रतिबद्ध हैं। मैं आप सभी को विश्वास दिलाना चाहता हूं की कटंगी विधानसभा क्षेत्र में किसी प्रकार का विकास कार्य होगा तो आप कहीं पर भी पीछे नहीं रहेंगे। आप हमको समय दीजिए अच्छे से अच्छी सड़के बनेगी पानी की व्यवस्था करेंगे बच्चों के शिक्षा की व्यवस्था करेंगे। क्षेत्र के विकास के लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ेंगे आप सभी के सहयोग और विश्वास के लिए आभार। शिलान्यास कर ग्रामीण विकास की दिशा में नए कार्यों की शुरुआत की। ग्रामों में होने वाले ये निर्माण कार्य स्थानीय विकास को नई दिशा देंगे और ग्रामवासियों को बुनियादी सुविधाओं से सशक्त करेंगे।

विधायक गौरवसिंह पारधी की मेहनत और सक्रियता से रहे विकास कार्य-केसर बिसेन

जिला पंचायत सदस्य केसर बिसेन ने कहा की हम सभी सौभाग्यशाली है जो हमे गौरव सिंह पारधी जैसा विधायक मिला है। मेहनत और सक्रियता से जिले में सबसे ज़्यादा विकास कार्य कटंगी.खैरलांजी विधानसभा में हो रहे है जिसके लिए हम आभारी है।

बोपली से कोसमी मार्ग का हुआ भूमिपूजन

ग्राम कोसमी में बोपली से कोसमी रोड़ २.२० किलोमीटर लागत ११२.४२ लाख से बनने वाली रोड़ का भूमिपूजन विधायक गौरव सिंह पारधी के द्वारा किया गया । कार्यक्रम में ग्राम कोसमी सरपंच श्रीमती शीला नंदकिशोर बिसेन, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती केशर बिसेन, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष मेष देशमुख, मंडल अध्यक्ष भाजपा ज्ञानेश रहांगडाले, पवन राणा, राजीव पटले, जनपद सदस्य श्रीमती छबीलता रामकिशोर वहाने, उपसरपंच ज्ञानचंद निनावे, मंडल अध्यक्ष भाजपा सौरभ ठाकरे, बुधाजी रहांगडाले, संजय रहांगडाले, सोनु पटले, रवि भगत, विजय देशमुख, राधेश्याम ठाकरे, केवल बिसेन, अवलेश पारधी, धनपाल गौतम, हरिशंकर गौतम, ईश्वरीय बिसेन एवं समस्त जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

बहाकल में उमरी, सावंगी, अर्जुनी और बहाकल रोड़ के मजबूतीकरण का किया भूमि पूजन

ग्राम बहाकल में विधायक गौरव सिंह पारधी के द्वारा उमरी, सावंगी ,अर्जुनी ,बहाकल ४.४४५ किलोमीटर लागत २९३.९१ लाख से बनने वाली रोड़ के मजबूतीकरण का भूमि पूजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कविता अरविंद देशमुख, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत भानू सिंह पटले, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रविकांता महेश बोरकर, जनपद सदस्य श्रीमती राजेश्वरी शारदा डहरवाल, सरपंच श्रीमती योगेश्वरी राधेलाल रहांगडाले, उपसरपंच धानेश्वर भगत, अशोक बिसेन, वरुण देशमुख ,रॉकी बिसेन ,यशवंत बिसेन ,राजू पटले ,संतोष तुरकर ,बाजीराव बिसेन, राधेलाल राहंगडाले ,टेकचंद मनघटे एवं समस्त ग्रामवासी एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

देवधर ट्रॉफी के रोमांचक मुकाबले में नागपुर की जीत, गोंदिया को दी २७ रनों से शिकस्त

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ऑल इंडिया देवधर ट्रॉफी २०२६ के प्री.क्वार्टर फाइनल मुकाबले में क्रिकेट का जबरदस्त रोमांच देखने को मिला। देवधर ग्राउंड पर खेले गए इस मैच में रॉकेट इंटरनेशनल करीम स्पोर्ट्स नागपुर ने एस एस क्रिकेट एकेडमी गोंदिया को पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया। इस दौरान डॉ. अशोक सुराना, डॉ,रविंद्र ताथौड़, डॉ.निलेश शिवहरे, डॉ.अनिल श्रीवास. डॉ.अमित लोधी.डॉ. सत्यम शर्मा, विवेक शेंडे ,डॉ भारती सुराना,डॉ.मोनिका सोनेकर उपस्थित रहे । जिसमें सर्वप्रथम आयोजन समिति के द्वारा सभी का पुष्पहार पुष्पगुच्छ से स्वागत कर एवं अतिथियों के द्वारा टास करवा कर राष्ट्रगान के पश्चात मैच प्रारंभ करवाया गया। इस दौरान मैच देखने आये पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, आरती सोनकर, मनीषा पिपरेवार, श्रुति पालीवाल, ममता बसोंड ,अनुजा श्रीवास्तव उपस्थित रही। जिसमें टॉस जीतकर गोंदिया ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। नागपुर की ओर से पारी की शुरुआत करने रॉबिन सिंह और तुषार काडू आए। हालांकि शुरुआती झटकों के बाद मध्यक्रम ने पारी को संभाला। जिसमें प्रमुख बल्लेबाज मो. करीम कप्तान उन्होंने कप्तानी पारी खेलते हुए ४५ गेंदों में ७ चौकों की मदद से सर्वाधिक ४८ रन बनाए। आकाश कोम्बेरू आक्रामक रुख अपनाते हुए २४ गेंदों में २ छक्कों और ३ चौकों के साथ ३३ रन जडे। आर्यन मेश्राम ने २१ गेंदों में ६ चौकों की मदद से महत्वपूर्ण २९ रन बनाए। गोंदिया की ओर से अक्षत एम खरे सबसे सफल गेंदबाज रहे। जिन्होंने ४ ओवर में २४ रन देकर ३ विकेट झटके। हर्ष शंखपाल और श्रेयश पाडोले ने भी २-२ विकेट हासिल किए। नागपुर ने निर्धारित २० ओवरों में ९ विकेट खोकर १५० रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। १५१ रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गोंदिया की टीम २० ओवर में ७ विकेट पर १२३ रन ही बना सकी। गोंदिया की ओर से राजिब ढाली ने सर्वाधिक ४२ रन ३८ गेंद पर बनाए। हर्ष शंखपाल ने नाबाद ४० रनों की जुझारू पारी खेली, जबकि अथर्व मोटवानी ने ७ रन बनाए। नागपुर के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी की जिसमें आकाश ने ४ ओवर में २२ रन देकर ३ विकेट लिए। देवांश पटेल और रॉबिन सिंह ने २-२ विकेट चटकाकर गोंदिया की कमर तोड दी। अपने ऑलराउंड प्रदर्शन ३३ रन और ३ विकेट के लिए आकाश को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष स्मिता जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष सरिता मनोज दांदरे, शीतल अरोरा, मीनाक्षी ठाकरे ,मनीषा पिपरेवार के हंस्ते दिया गया। प्रतिदिन की तरह मैन ऑफद मैच पवन धुर्वे के द्वारा दिया जा रहा है। मैच के सफल आयोजन में अध्यक्ष राजा चौरसिया, सचिव संतोष आडे, कोषाध्यक्ष प्रबल जायसवाल, उपाध्यक्ष संजय बंटी मिश्रा, सहसचिव मिथुन मिश्रा और पूरी आयोजन समिति का विशेष सहयोग रहा। आँखों देखा हाल सानू सिंघई, विनायक मार्को ,आधार मोदी और सुनील पिपरेवाल ने सुनाया। अंपायरिंग मोहम्मद फारूक व अमन श्रीवास्तव ने की। स्कोरिंग की जिम्मेदारी योगेश वरकडे, अभिषेक ठाकुर, सूरज बाडेबुचे और विजय यादव ने बखूबी निभाई।

संत रविदास तो शिरोमणि संत हैं-प्रदीप जायसवाल

संत शिरोमणि रविदास महाराज की ६४९ वीं जन्म जयंती मनाई गई

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सांदीपनि विद्यालय के पास में ६ फरवरी को सदगुरु रविदास सामाजिक संगठन वारासिवनी के तत्वधान में संत शिरोमणि रविदास महाराज की ६४९ वीं जन्म जयंती मनाई गई। यह कार्यक्रम प्रदीप जायसवाल पूर्व मंत्री के मुख्य आतिथ्य, प्रवीण खारोल पूर्व जनपद सदस्य की अध्यक्षता, राधेश्याम कनोजे जिलाध्यक्ष रविदास समाज ,सूर्यभान सिंह पूसाम सरपंच वारा, श्रीराम गौतम जनपद सदस्य, मनीष पारधी ,सुनील पारधी पूर्व जनपद उपाध्यक्ष ,वाइकर पारधी पूर्व सरपंच, रामसिंह पटेल ,हर्षित रेड्डी ,विनय तुरकर ,तपेश मरठे , मानसिंह परते ,प्रणय धार्मिक ,अनिल देवारे ,दिलीप नेवारे, किशोर मेश्राम, दुर्गा गिरी गोस्वामी, सुंदर बुरे के विशेष आतिथ्य सहित अन्य लोगो की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित जनों के द्वारा संत शिरोमणि रविदास महाराज एवं डॉ भीमराव आंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात उपस्थित जनों ने संत शिरोमणि रविदास महाराज के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हम महान समाज सुधारक और कवि संत रविदास रैदास को नमन करते हैं। १५वीं शताब्दी में जन्मे संत रविदास ने भक्ति मार्ग के जरिए समाज में समानता का संदेश दिया। उनका जीवन हमें सिखाता है कि कोई भी व्यक्ति जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्मों से महान बनता है। उन्होंने जाति पाति और छुआछूत जैसी कुरीतियों का कड़ा विरोध किया। उनका प्रसिद्ध कथन मन चंगा तो कठौती में गंगा आज भी हमें यह याद दिलाता है कि यदि हमारा मन शुद्ध है तो ईश्वर हमारे भीतर ही निवास करते हैं। उनके सरल और भक्तिपूर्ण पदों ने ना केवल मीराबाई जैसी महान शिष्या को प्रेरित किया बल्कि आज भी करोड़ों लोगों को प्रेम और भाईचारे की राह दिखा रहे हैं। आइये हम उनके विचारों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लें। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष रमेश कनोजे ,बसंत कुमरे ,लालदास बारेकर, सुरेंद्र पटले ,भैयालाल मोहबे ,जी एल टांडेकर ,छबिलाल भोंडेकर, एस एल बरैया,विजय दखने ,राजेश मालाधारी ,श्यामलाल बारेकर ,धनवर पटले ,विनोद खरोले, भागचंद मलेश्वर, राजेश पड़वार, अशोक बारेकर ,युवराज कनोजे ,दीपक पंडवार ,दिलोर खरोले ,डुलेन्द्र झिलपे ,बसंत गोनेकर ,महेश कनोजे ,मोहित बिंझाडे ,ईशोर खरोले, प्रवीण मालाधारी ,संजय पंडवार ,धर्मेंद्र भोंडेकर, सुनील झिलपे ,राकेश भोंडेकर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जब भी कोई धर्म की हानि होती है तो प्रकृति उसका इलाज करती है-प्रदीप जायसवाल

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि हमारे देश की सबसे बड़ी लोकसभा संसद में भी संत रविदास महाराज की फोटो लगी है। ऐसे महान संत रहे हैं आज के समय में आज यदि पूरे देश और विश्व में व्यक्तियों में संत ढूंढने निकलोगे तो किस्मत से बहुत मुश्किल के बाद कोई संत मिलेगा और संत रविदास तो शिरोमणि है। ताकत के साथ उन्होंने काम किया है हमारे यहां अनेको महापुरुष हुए हर किसी ने अपने समय में काम किया यह सब प्रकृति है। समय.समय पर सब हो जाता है समाज में भी आज हम हैं तो हर कोई अपना काम कर रहा है और जब भी कोई धर्म की हानि होती है तो प्रकृति उसका इलाज करती है। कोई कितना भी घमंडी राजा आये अत्याचार करें प्रकृति उसका इलाज करती है और महापुरुष का जन्म होता है। वर्तमान में समय की आवश्यकता है कि हम इतिहास से प्रेरणा लेकर चले।

समाज में शिक्षा का प्रचार हो जो समाज के लिए जरूरी है-राधेश्याम कनोजे

जिला अध्यक्ष राधेश्याम कनोजे ने बताया कि जिले के सभी ब्लॉक में धूमधाम से जयंती मना रहे हैं। समाज संगठित हो रहा है स्वजातीय अपने हक अधिकारों से वंचित है उन्हें संगठित कर आगे बढ़ने का कार्य किया जा रहा है। समाज में शिक्षा का प्रचार हो जो समाज के लिए जरूरी है। हमारा संकल्प है कि जिले स्तर पर सम्मेलन करवा इसके लिए गांव गांव जाकर समाज को जागृत संगठित करने का प्रयास कर रहे हैं। शासन प्रशासन से उनके अधिकारों के लिए संघर्ष हम करेंगे ताकि उन्हें उन अधिकारों का लाभ मिले। अभी देखने में आ रहा है कि जगह.जगह भवन बना रहे हैं मूर्तियां लग रही है मंदिरों का निर्माण हो रहा है शासन प्रशासन भी संगठन को देखकर राशि दे रहा है।

हर वर्ष जयंती मनाई जाएगी और मूर्ति की स्थापना भी करेंगे-रमेश कनोजे

ब्लॉक अध्यक्ष रमेश कनोजे ने बताया कि संत शिरोमणि रविदास महाराज की जयंती पूरे देश में मनाई जा रही है। हमारे जिले में संगठन के माध्यम से यह आयोजित हो रहा है। १० ब्लॉक में एक साथ मुश्किल है इसलिए पखवाड़ा के तहत मनाया जा रहा है। सामाजिक लोगों की बड़ी उपस्थित है सभी के साथ रविदास जयंती मना रहे हैं। यह जो जमीन है वह हमारी पूर्व की है यहां पर हर वर्ष हमारे द्वारा जयंती मनाई जाएगी और मूर्ति की भी स्थापना करेंगे। संत रविदास ने पूरे विश्व को संदेश दिया है मन चंगा तो कटौती में गंगा यह पाखंड और रूढीवादी का समापन हो मानव से मानव का व्यवहार हो।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेंड, वारासिवनी

बालाघाट में वृद्ध माता-पिता एवं भरण-पोषण अधिकरण का पैनल गठित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एसडीएम गोपाल सोनी ने वृद्ध माता-पिता एवं भरण-पोषण अधिनियम के अंतर्गत जिले में तहसील स्तर पर गठित अधिकरण के अधिकारियों के पैनल की घोषणा कर दी है। एसडीएम श्री गोपाल सोनी इसके अध्यक्ष होंगे। वहीं सामाजिक न्याय विभाग बालाघाट के उपसंचालक को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही नगर पुलिस अधीक्षक बालाघाट, एसडीओपी परसवाड़ा, खंड चिकित्सा अधिकारी लामता, रेडक्रॉस सोसायटी जिला चिकित्सालय बालाघाट के प्रतिनिधि तथा पेंशनर संघ बालाघाट के अध्यक्ष को इसमे सदस्यों के रूप में शामिल किया गया है। इसके अलावा सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में रमेश कुमार पटेल एवं श्रीमती फिरोजा खान को नामांकित किया गया है। उपभोक्ता संरक्षण समिति से श्री सुरजीत सिंह छाबड़ा को भी पैनल में स्थान दिया गया है। यह पैनल वृद्ध माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण से संबंधित मामलों में सुनवाई एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेगा।

बालाघाट एक्सप्रेस
संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

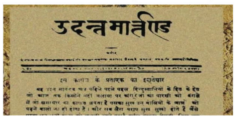
उदन्तमार्त्तण्ड
इस कागज के प्रकाशक का इश्तहार

शुचिता और सवाल के बीच

कल संसद को ऐसा दिन देखना पड़ा, जब बीच प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा में राष्ट्रपति अभिभाषण पर जवाब दिया और उससे पहले लोकसभा में भारी शोर-शराबे के बीच उनके भाषण के बगैर ही धन्यवाद प्रस्ताव पारित हो गया। सरकार और विपक्ष के बीच यह तनातनी संसदीय लोकतंत्र की परंपराओं और गरिमा के लिहाज से अत्यंत क्षोभजनक और चिंताजनक भी है। उल्लेखनीय है कि 2004 के बाद यह पहली बार है, जब यह प्रस्ताव लोकसभा में प्रधानमंत्री के भाषण के बगैर पारित हुआ है। विपक्ष के सवाल उठाने से किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए, अगर वे अवसर, सांविधानिक मूल्यों और संसदीय प्रक्रिया के अनुरूप हों। ऐसा होने पर सरकार भी उन सवालों के जवाब देने के लिए बाध्य होगी। बेवजह के हंगामे में मूल प्रश्न तो खो ही जाते हैं, सदन का कीमती समय भी नष्ट होता है। संसद भारतीय लोकतंत्र का मंदिर है, जहां राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा और धन्यवाद प्रस्ताव पारित करना दोनों सदनों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। परंपरागत रूप से प्रधानमंत्री बहस के अंत में जवाब देते हैं, जिसमें वे सरकार की उपलब्धियों का बचाव करते हैं, विपक्ष के आरोपों का खंडन करते हैं और भविष्य की दिशा स्पष्ट करते हैं। यह न केवल सदन की कार्यवाही को पूर्णता प्रदान करता है, बल्कि जनता को भी सरकार और विपक्ष, दोनों की स्थिति समझने का अवसर देता है। संसद को चलाने की प्राथमिक जिम्मेदारी सरकार की होती है, पर सही मायनों में सदनों का सुचारु संचालन सरकार और विपक्ष, दोनों से परिपक्वता की मांग करता है। शोर-शराबा और वॉकआउट संसद को कमजोर ही करते हैं। नहीं भूलना चाहिए कि संसद की कार्यवाही का सीधा प्रसारण होता है, और ऐसी तस्वीरें देश-विदेश में लोकतंत्र की छवि को धूमिल तो करती ही हैं, संसदीय संस्कृति के क्षरण की ओर भी इशारा करती हैं। संसदीय लोकतंत्र तभी मजबूत होता है, जब सभी दल नियमों का पालन करें, एक-दूसरे का सम्मान करें और जनहित को सर्वोपरि रखें। विपक्ष की भूमिका सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करना है, न कि सदन को ठप करना। दोनों को मिलकर ही संसद की गरिमा बहाल कर सकते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा और प्रधानमंत्री का जवाब लोकतंत्र की जीवंतता का प्रतीक है। अगर यह बाधित हो रहा है, तो यह सरकार और विपक्ष, सभी के लिए आत्मचिंतन का विषय होना चाहिए। मूल सवाल संसद की शुचिता का है, वरना एकतरफा बहिष्कार और संवादहीनता की स्थिति कहीं नहीं ले जाएगी।

पारदर्शिता तो बरतनी ही होगी

संकेत उपाध्याय (वरिष्ठ पत्रकार)

जब तक व्हाट्सएप पूरी पारदर्शिता के साथ लोगों को आश्वस्त नहीं कर देता कि वह लोगों का डाटा इस्तेमाल नहीं करता, तब तक यह कैसे मान लिया जाए कि वह सच बोल रहा है? ऐसे में हम एक बड़े तकनीकी दिग्गज की मनमर्जी के गुलाम न बन जाएं, इसलिए पारदर्शिता की मांग जरूरी है।

व्हाट्सएप को क्या भारत छोड़ना पड़ेगा? और यदि ऐसा हुआ, तो बिन व्हाट्सएप जीवन कैसा होगा? परिवार के लोगों से वीडियो कॉल से लेकर ऑफिस ग्रुप तक, आप चाहें भी तो व्हाट्सएप नहीं छोड़ सकते। इसने जीवन सरल तो बनाया ही है। शायद इसीलिए बहुत तेजी से यह पूरे विश्व का सबसे बड़ा मैसेंजर बनकर उभरा। लेकिन फेसबुक की कंपनी मेटा द्वारा खरीद लिए जाने के बाद से यही व्हाट्सएप अब शक के घेरे में है। आइए, पूरा इतिहास जानते हैं। वह साल था 2009। जैन कौम और ब्रायन एक्टन नाम के दो याहू कर्मचारियों ने एक मैसेजिंग सर्विस के रूप में व्हाट्सएप की परिकल्पना की। फोन में इंटरनेट आ जाने की वजह से साल भर में ही व्हाट्सएप लोगों के फोन में आने लगा। चूंकि एसएमएस के लिए पैसे लगते थे, तो लोगों ने संदेश व्हाट्सएप पर भेजना शुरू किया। कंपनी के लॉन्च के पांच साल के अंदर फेसबुक के मालिक मार्क जुकरबर्ग की नजर व्हाट्सएप पर पड़ी। उन्होंने 21.8 अरब डॉलर में व्हाट्सएप खरीद लिया।

उनकी कंपनी ने वादा किया कि लोगों की निजता सर्वोपरि होगी। व्हाट्सएप के संस्थापक भी फेसबुक से संतुष्ट ही दिखे, क्योंकि विलय के बाद भी वह व्हाट्सएप से जुड़े रहे, लेकिन 2018 में मोनेटाइजेशन एवं डाटा प्राइवेसी पर चिंता व्यक्त करते हुए एक संस्थापक अपनी ही कंपनी में से निकल गए। सोचिए जरा, जब फेसबुक ने 21.8 अरब डॉलर में व्हाट्सएप खरीदा, तो खैरात के लिए तो नहीं ही खरीदा होगा। व्हाट्सएप फेसबुक के लिए एक व्यवसाय था। और यह व्यवसाय था डाटा का।

चूंकि इसे हर कोई अपने फोन में इस्तेमाल करता है, तो फेसबुक ने इतनी जानकारी के चलते इसे पैसे कमाने की मशीन समझ लिया और अपने वादे से पलट गया। उसने वादा किया था कि व्हाट्सएप पर लोगों की जानकारी लोगों तक ही सीमित रहेगी। लेकिन 2021 में फेसबुक ने अपनी पॉलिसी बदल दी। कोविड के दौर में लोग व्हाट्सएप पर और निर्भर हुए। बदली हुई पॉलिसी के मुताबिक, व्हाट्सएप इजाजत मांग रहा था कि आपकी कुछ जानकारी फेसबुक और कंपनी के अन्य भाग के साथ साझा की जाए। इसका मकसद विज्ञापन से पैसा कमाना था। फिर क्या था, भारत समेत दुनिया भर में हंगामा मच गया। हिंदुस्तान में खास तौर से यह बात कही जाने लगी कि व्हाट्सएप ने अपने एकाधिकार का दुरुपयोग किया है। 2021 में आए शुरुआती मैसेज में व्हाट्सएप ने कहा, या तो पॉलिसी मानो, नहीं तो एक निर्धारित तारीख के बाद अकाउंट नहीं चलेगा। लोगों को लगा कि यह उनकी निजता पर हमला है और यह मजबूरी का फायदा उठाना है। हंगामा हुआ तो व्हाट्सएप यह बताने पर मजबूर हुआ कि सिर्फ कुछ सतही जानकारी ही साझा करेंगे। आपके मैसेज के अंदर हम नहीं घुस रहे। यहां तक कि मैसेज एंड-टू-एंड एंक्रिप्टेड हैं। मतलब व्हाट्सएप अगर चाहे भी, तो उसे नहीं पढ़ सकता। दबाव में आकर व्हाट्सएप ने शर्त मानने की तारीख हटा दी, पर लगातार लोगों को नोटिफिकेशन भेज कर याद दिलाता रहा।

इस बीच यह मामला भारत की कंपटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) में चला गया। सीसीआई की जांच 2021 में शुरू हुई और नवंबर 2024 में आदेश आया। सीसीआई ने माना कि व्हाट्सएप और फेसबुक (मेटा) अपने पद का दुरुपयोग कर रहा था। उसने 213 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया। एक महीने बाद व्हाट्सएप एनसीएलएटी में अपील लेकर गया। नवंबर 2025 में मेटा-व्हाट्सएप को कुछ मामलों में राहत तो मिली, लेकिन जुर्माना भरने के लिए अब भी कहा गया। जनवरी 2026 में व्हाट्सएप ने इस उम्मीद से सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया कि राहत मिलेगी। लेकिन कोर्ट ने सीधे कहा- देश का कानून

नहीं मान सकते, तो भारत छोड़ दीजिए। दरअसल, सारा मामला दावे का है। व्हाट्सएप का दावा है कि वह आपका मेरा निजी डाटा किसी से साझा नहीं करता। लेकिन कोर्ट में जिरह कर रहे लोगों का कहना है कि दुनिया भर से प्रमाण है कि मेटा-व्हाट्सएप डाटा का इस्तेमाल अपने मुनाफे के लिए करता है। सबसे बड़ी समस्या यहां पारदर्शिता की कमी की है। व्हाट्सएप का निजता संरक्षण का दावा तब तक दावा ही रहेगा, जब तक कि प्रमाणित न हो जाए कि वह सच बोल रहा है। खास तौर से तब, जब भारत में दो एजेंसियों ने उसे दोषी पाया और दंडित किया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दो मामले और हैं। वियना यूनिवर्सिटी में हुई एक रिसर्च के मुताबिक, व्हाट्सएप के 3.5 अरब उपभोगता हैं। इनमें से सबसे ज्यादा 75 करोड़ भारत में हैं। इस रिसर्च ने यह पाया है कि व्हाट्सएप पर तस्वीर, स्टेटस और अबाउट सेक्शन लीक हो सकता है, क्योंकि कंटेंट डिस्कवरी फीचर में समस्या है। व्हाट्सएप के लिए सबसे बड़ी मुसीबत अमेरिका में ही आई। सेन फ्रांसिस्को की एक अदालत में एक मुकदमा चल रहा है, जिसमें दावा किया गया है कि व्हाट्सएप के कर्मचारियों के पास अरबों व्हाट्सएप ग्राहकों की निजी बातचीत का डाटा है। जी हां, वही जानकारी, जिसके लिए व्हाट्सएप कहता है कि यह एंड-टू-एंड एंक्रिप्टेड है। इसका मतलब यह हुआ कि व्हाट्सएप का यह दावा कि आपकी तरफ से दिया संदेश और दूसरी तरफ प्राप्त संदेश सिर्फ आप ही पढ़ सकते हैं-गलत हो सकता है।

कोर्ट में जिरह कर रहे लोगों का कहना है व्हाट्सएप कंपनी के पास इतना ऑनलाइन स्पेस है कि वह सबका निजी डाटा स्टोर कर सकती है और जरूरत पड़ने पर इस्तेमाल कर सकती है। हालांकि व्हाट्सएप ने इसे निराधार बताया है। बात घूम-फिर कर वहीं आती है। जब तक व्हाट्सएप पूरी पारदर्शिता के साथ लोगों को आश्वस्त नहीं कर देता कि वह लोगों का डाटा इस्तेमाल नहीं करता, तब तक यह कैसे मान लिया जाए कि वह सच बोल रहा है? ऐसे में यदि सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद भी व्हाट्सएप अपनी हरकतों से बाज नहीं आता, तो क्या हम वाकई व्हाट्सएप मुक्त भारत हो जाएंगे?

सवाल यहां विकल्प का भी है। यह एप इतना बड़ा हो गया है कि इसके टक्कर में और कोई है ही नहीं। व्हाट्सएप अगर तीन अरब से अधिक लोगों के पास है, तो टेलीग्राम एक अरब और सिग्नल सिर्फ 10 करोड़ लोगों के पास। भारत सरकार खुद अपने सरकारी संवाद के लिए व्हाट्सएप जैसा एक मैसेंजर लाना चाहती थी, लेकिन आम जनमानस तक इसे उतारा नहीं गया है। ऐसे में आप और हम एक बड़े तकनीकी दिग्गज की मनमर्जी के गुलाम न बन जाएं, इसके लिए पारदर्शिता की मांग ही सबसे सही राह है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मुद्दा

जाएं तो जाएं कहां...

सौ फीसदी स्कूलों में बालिकाओं के लिए अलग व स्वच्छ शौचालय के मामले में आंकड़े आश्वस्त करते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति वैसी ही हो, तभी तस्वीर बदल सकेगी। हाल ही में राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने वहां के मुख्य सचिव को स्कूलों में स्वच्छता को लेकर कड़ी फटकार लगाई औट स्वछता मिशन की बात करते हैं, लेकिन स्कूल में बच्चियों के लिए टॉयलेट नहीं बनवा पा रहे हैं... अफसरों को शर्म आनी चाहिए कि बच्चियां इसलिए पानी नहीं पी पातीं, क्योंकि स्कूल में टॉयलेट्स नहीं हैं और वे वहां जा नहीं सकतीं। ऐसे में अदालत बच्चों व समाज को जवाब नहीं दे पा रही है...।' अगर तीन प्रतिशत स्कूलों में भी बालिकाओं को इसी तरह हरियाणा के स्कूलों में शौचालयों की हालत पर पिछले साल आई पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट की यह टिप्पणी भी गौरतलब है- 'सरकार कोर्ट के सामने सिर्फ आंकड़ों का खेल खेल रही है। धरातल पर कोई काम नहीं कर रही।' हाईकोर्ट ने हरियाणा शिक्षा विभाग पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाते हुए एक हफ्ते के अंदर सरकारी स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं की पूर्ति के लिए योजना पेश करने का आदेश दिया था। यह केवल राजस्थान या हरियाणा की स्थिति नहीं है। शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली प्लस (यूडीआईएसई +) की 2024-25 की रिपोर्ट के अनुसार, देश के 14.71 लाख स्कूलों में से 39,729 में छात्राओं के लिए शौचालय की सुविधा नहीं है। हरियाणा में 767 स्कूलों में छात्राओं के लिए अलग शौचालय या तो हैं नहीं या फिर इस्तेमाल करने लायक नहीं हैं। पंजाब में 188 स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग शौचालय नहीं हैं और 191 स्कूलों में शौचालय काम नहीं कर रहे हैं। चंडीगढ़, दिल्ली और गोवा में 100 प्रतिशत स्कूलों में छात्राओं के लिए शौचालय होने की सूचना दी गई है, जबकि यह आंकड़ा पंजाब में 99.5, हिमाचल में 99, उत्तर प्रदेश में 98.3, हरियाणा में 97.3 और उत्तराखंड में 94.3 प्रतिशत है। राष्ट्रीय स्तर पर कुल 97.4 प्रतिशत स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय परिसर में हैं। कागजों पर ये आंकड़े आश्वस्त करने वाले हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति वैसी नहीं है। इस स्थिति से गुजरना पड़ता है कि 'जाएं तो जाएं कहां...' तो यह छात्राओं की बहुत बड़ी संख्या के साथ अन्याय है। स्कूलों में बालिकाओं के लिए केवल शौचालय बनाना ही पर्याप्त नहीं है, वहां साफ-सफाई भी होनी चाहिए, अन्यथा, यह उनकी सेहत से खिलवाड़ है। स्वच्छ विद्यालय और समग्र शिक्षा जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रम स्कूलों में पानी, साफ-सफाई के मानकों को अनिवार्य करते हैं, जिसमें शौचालय निर्माण, हाथ धोने की सुविधा और तय समय पर सफाई पर जोर दिया जाता है। फिर भी पूरे देश में सरकारी स्कूलों में सफाई कर्मचारियों के स्वीकृत पद बड़े पैमाने पर दिखाई नहीं देते हैं। अक्सर उन्हें 'अन्य कर्मचारी' जैसी अस्पष्ट श्रेणियों में रखा जाता है और ये पद ज्यादातर खाली रहते हैं। नतीजा यह कि शौचालय बन जाने के बावजूद वे इस्तेमाल लायक नहीं रहते। इसका असर लड़कियों के स्वास्थ्य और स्कूल में उनके बने रहने पर पड़ता है। स्कूल शिक्षा और साक्षरता के केंद्रीय सचिव ने मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में कहा कि कई स्कूलों में शौचालय इस्तेमाल करने लायक नहीं हैं या हैं ही नहीं, जिससे लड़कियां स्कूल छोड़ देती हैं। इसलिए प्रधानमंत्री ने सौ फीसदी स्कूलों में छात्राओं के लिए अलग शौचालय बनाने का जो लक्ष्य दिया है, उसे आठ मार्च से पहले पूरा करने में तत्परता दिखाएं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस यानी आठ मार्च दूर नहीं है... मगर इच्छाशक्ति मजबूत हो, तो यह काम इतना दुरूह भी नहीं है। यहां राजस्थान हाईकोर्ट की टिप्पणी पर फिर गौर करना चाहिए कि रात भर में कई जगह सड़कें तैयार हो जाती हैं, लेकिन बच्चों के लिए शौचालयों की व्यवस्था नहीं हो पाती।

- विजय गुप्ता

मीडिया की भाषा

जिनका हो जितना ज़्यादा असर, उन पर जिम्मेदारी उतनी अधिक

जिस वक्त मैंने अखबार में काम करना शुरू किया था, उसी वक्त के आसपास मीडिया में उदारीकरण का दौर शुरू हुआ था। हमारा अखबार जो फेयरनेस क्रीम के विज्ञापन तक नही छापता था, भाषा की शुद्धता और शिष्टता का खासा खयाल रखा जाता है, उस पर इस बात के आरोप लगने लगे थे कि इस अखबार की भाषा बहुत मुश्किल है।

उस वक्त मार्केटिंग टीम बार-बार ये फीडबैक लेकर आती थी कि यूथ अखबार की भाषा से कनेक्ट नहीं हो पा रहा है। ऐसा नहीं है कि मैं क्लिष्ट भाषा की समर्थक हूँ, मगर मुझे लगता है कि अखबार की जिम्मेदारी सिर्फ खबरें परोसना ही नहीं, जनमत तैयार करना, सामाजिक मूल्यों की सृष्टि और भाषा के संस्कार देना भी है।

मगर वो तेज आँधी थी, जिसने हिंदी अखबार की भाषा को हिंग्लिश नामक एक नई भाषा दी। भाषा से शुरू होने वाली ये प्रक्रिया बाद में पत्रकारिता और सामाजिक मूल्यों में बदलाव तक पहुँची। आज हम पत्रकारिता में देख रहे हैं कि पत्रकार किस तरह से हमारे समाज को पथभ्रष्ट करने की योजना में प्राणपण से जुटे हुए हैं।

जिस वक्त स्मिता पाटील ने मेनस्ट्रीम हिंदी फिल्मों में काम करना शुरू किया, उसी वक्त से वे इन फिल्मों को लेकर बहुत सहज नहीं थीं। बताया जाता है कि नमकहलाल फिल्म के गाने %आज रपट जाए तो% की शूटिंग के बाद वे बहुत डिस्टर्ब रहीं और रात भर रोती रहीं। अमिताभ ने उनसे इस सिलसिले में बात की और भी साथी कलाकारों से बात करने के बाद वे सैटल हो पाई।

किसी इंटरव्यू में लता मंगेशकर से जब ये सवाल किया गया कि उन्हें किसी गाने के लेकर अफसोस हुआ कभी, तो उन्होंने बताया कि 'मैं का करूं राम मुझे बुड्ढा मिल गया' गाने को लेकर आज तक अफसोस है, ये गाना मुझे नहीं गाना चाहिए था। अमोल पालेकर अपनी आत्मकथा में फिल्म 'तीसरा कौन' का किस्सा बताते हैं।

फिल्म में एक साधारण सा लगने वाला व्यक्ति अंत में खलनायक के रूप में उभरता है, वे लिखते हैं कि %इसलिए इस भूमिका के लिए मैंने अपनी रजामंदी दे दी कि में अभिनय के विभिन्न पहलू दिखा सकूं। इस बारे नहीं सोचा था कि इसमें खलनायक की किस तरह की प्रवृत्ति दिखानी होगी।

शूटिंग के अंत में जब यह पता चला कि इस भूमिका को बेटी का यौन शोषण करने वाले बाप के रूप में भी समझा जा सकता है। इस पर मैं बहुत बेचैन हो गया। निर्माता ने दलील दी कि किसी प्रकार का दुष्कृत्य होते हुए नहीं दिखाया गया था और अंत में केवल डायलॉग्स से ही वह बात सामने आई थी। हर तरह की दलील के बावजूद, वे उस भूमिका को नहीं करने पर अड़े रहे।

मगर शूटिंग पूरी हो जाने और निर्माता का बहुत नुकसान हो जाने की आशंका के चलते उन्होंने ये फिल्म इस शर्त पर पूरी की कि त्न सगी बेटी की जगह उसमें सौतेली बेटी का उल्लेख जाए। फिर भी वे कहते हैं, %आज सोचता हूँ तो लगता है कि मुझे वह समझौता नहीं करना चाहिए था। नुकसान की भरपाई अपने पैसे से कर देनी चाहिए थी। इसके बाद मैंने ऐसे किरदार स्वीकार करने बंद कर दिए जिनमें स्त्रियों के प्रति रूढ़िवादी, अनचाही तथा नकारात्मक पुरुष-प्रधान मानसिकता को दर्शाना होता था। मेरा मानना है कि एक संवेदनशील विचारवान कलाकार होने के नाते कुछ नियमों का पालन करना चाहिए।

फिल्म होमबाउंड के निर्देशक नीरज घेवान से जब बीबीसी संवाददाता पूछती हैं कि आपने अपनी फिल्म के इतने गंभीर मैसेज देने के के लिए मेनस्ट्रीम के कलाकारों को क्यों चुना? यदि आप थियेटर के अल्पज्ञात लोगों को चुनते तो शायद आपका मैसेज ज्यादा पावरफुल होता। तो उन्होंने कहा कि इन लोगों की वजह से मेरी बात ज्यादा दूर तक जाएगी और सुनी जाएगी।

शायद पहले भी लिख चुकी हूँ कि बहुत साल पहले किसी ने इनबॉक्स में किसी मसले पर पोस्ट न लिखने पर मुझसे सवाल किया था। मैं भड़क गई थी कि 'में क्या लिखूँगी और किस मसले पर लिखूँगी, कब लिखूँगी ये मैं तय करूँगी, आप मुझे नहीं डिक्टेट नहीं करेंगे।' तब सवाल पूछने वाले/वाली ने उत्तर दिया कि असल में इस मसले पर मुझे राय बनाने में दिक्कत आ रही है, और आपका वर्जन जानना चाहता/चाहती हूँ।

पहली बार मुझे इस बात का अर्थ समझ आया कि लिखना भी जिम्मेदारी है। और ये भी कि हम क्यों लेखक, कलाकारों, अभिनेता, खिलाड़ियों या हर उस व्यक्ति से एक जिम्मेदार व्यक्ति की तरह बर्ताव करने की उम्मीद करते हैं, जिनका समाज पर किसी भी तरह का प्रभाव होता हो ? क्योंकि उनका कहा बहुत दूर तक जाता है।

मेरी इस राय को चुनौती मुझे मेरे घर पर ही मिलती है कि लेखकों, कलाकारों, खिलाड़ियों या अन्य सेलिब्रिटीज की जिम्मेदारी समाज को परिष्कृत करना भी है। राजेश का कहना है कि लेखक या कलाकार या खिलाड़ी या और कोई हो, उसका अपनी विधा पर अधिकार होना चाहिए, उसकी कोई सामाजिक जिम्मेदारी नहीं है। वह एक प्रतिभाशाली इंसान है और उसके पास सामाजिक समझ हो ये उम्मीद उसके साथ नाइंसाफी है।

असहमत तो नहीं होती, मगर फिर लगता है कि उसकी प्रसिद्धि और यश के चलते उसके कहे, किए का जो समाज पर असर होता है, उसे कैसे नियंत्रित किया जाए ? इसीलिए ये जरूरी है कि जिन लोगों का समाज पर व्यापक प्रभाव है उन्हें आवश्यक रूप से सामाजिक जिम्मेदारी निभानी ही होगी, क्योंकि इतिहास गवाह है कि मूल्यों का प्रवाह ऊपर से नीचे होता है। इसलिए मूल्यों के सृजन की जिम्मेदारी हर तरह के प्रभावशाली लोगों को उठानी ही होगी। क्योंकि नायकत्व उपलब्धि नहीं, उत्तरदायित्व है।

-अमिता नीरव

स्मृति शेष

भारतीय समाज के अध्ययन की भाषा सिखा गये आंद्रे बेते

इतिहासकार रामचंद्र गुहा की एक्स पर एक संक्षिप्त पोस्ट से पता चला कि आंद्रे बेते नहीं रहे. भाषा संयत थी, लगभग निर्विकार, लेकिन आशय अंतिम था. देश के सबसे प्रभावशाली समाजशास्त्रियों में से एक का जाना. अद्रि बेते के न रहने की खबर जिस तरह आयी, वही उनके स्वभाव के अनुकूल थी. वहा दिखावे से दूर रहने वाले बौद्धिक और शोर-शराबे से सावधान रहने वाले विद्वान थे. बिना स्वयं को केंद्र में रखे उनका काम दशकों तक चुपचाप चलता रहा और भारतीय समाज को समझाने के तरीकों को गढ़ता रहा।

भारतीय विश्वविद्यालयों में सामाजिक विज्ञान पढ़ने वाले हम जैसे छात्रों के लिए आंद्रे बेते कोई दूरस्थ अकादमिक व्यक्तित्व नहीं थे. वह हमारी बौद्धिक संरचना का हिस्सा थे. वर्ष 2002 में बीएचयू के सामाजिक विज्ञान संकाय के प्रांगण में जब में भारतीय समाज को समझने की शुरुआती कोशिशों में था, तभी पहली बार आंद्रे बेते के लेखन से मेरा परिचय हुआ. एमएन श्रीनिवास जैसे दिग्गजों के साथ बेते की पुस्तकें जल्द ही मेरी बौद्धिक यात्रा का स्थायी पड़ाव बन गयीं. श्रीनिवास हमें गांवों की नृवंशशास्त्रीय दुनिया में ले जाते थे. वह सिखाते थे कि समाज को उसके अनुभवों, उसकी स्मृतियों और उसकी दिनचर्या के बीच कैसे सुना जाये, वहीं आंद्रे बेते हमें इसके और आगे ले जाते थे. वह कहते थे कि समाज को केवल देखा ही नहीं, सोचा भी जाना चाहिए, एक अनुशासित नैतिक दृष्टि के साथ वह असमानता, सत्ता और सामाजिक परिवर्तन को गढ़ने वाली संरचनाओं पर ध्यान देना

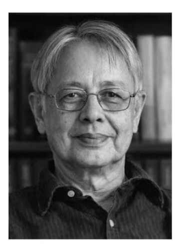

सिखाते थे. अगर श्रीनिवास स्मृति और व्यवहार को केंद्र में रखते थे, तो आंद्रे बेते संरचना और तुलना को. सरल शब्दों में कहें, तो दोनों दिग्गज मिलकर एक पूरी पीढ़ी को भारतीय समाज के अध्ययन की भाषा सिखा गये.

आंद्रे बेते उस पीढ़ी के विद्वान थे, जिनके सामने आजादी के बाद भारत को समझने की चुनौती थी. औपनिवेशिक ज्ञान-श्रेणियां अप्रासंगिक हो चुकी थीं, पर लोकतंत्र ने पुरानी असमानताओं को समाप्त नहीं किया था. बेते का अकादमिक जीवन मुख्यत: दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से जुड़ा रहा. उन्होंने ऑक्सफोर्ड, कैंब्रिज, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और शिकागो विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों में भी अध्यापन किया. इसके बावजूद उनका काम भारतीय यथार्थ से गहरे जुड़ा रहा।

बेते सांस्कृतिक रोमानीकरण और वैचारिक हठधर्मिता से सतर्क रहते थे. उनके लिए आलोचना का आधार समझ था, और सुधार की शुरुआत अध्ययन से होती थी. टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के कुलपति प्रोफेसर बद्री नारायण के मुताबिक, 'आंद्रे बेते हमें सिखाते हैं कि समाजशास्त्र त्वरित फैसलों का अनुशासन नहीं है. यह विचार, भाषा और प्रमाण का अनुशासन है।' यह अनुशासन उनके सार्वजनिक लेखन में भी दिखाई देता उनकी प्रारंभिक और अत्यंत महत्वपूर्ण पुस्तक 'कास्ट, क्लास एंड पावर' तमिलनाडु के एक गांव में किये गये क्षेत्र अध्ययन पर आधारित थी. इसमें बेते ने स्पष्ट किया कि जाति को वर्ग और सत्ता से अलग कर नहीं समझा जा सकता।

(ये लेखक के निजी विचार हैं.)
-आशुतोष कुमार ठाकुर
(लेखक और टिपणीकार)

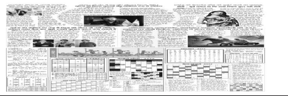

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। उठाव की सुस्तता से शुक्रवार को अनाज मंडी में तुअर बाजार ढ़ीले रहे। चने में सुस्ती बनी। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। तिलहनों में नई सरसो की दस्तक हुई। बाजार 630 रू. प्रति क्विंटल के खुले। किराना जिंसों में व्यापार अच्छा रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार तुअर में लेवाली ठंडी रहने से बाजार कमजोर रहे। वहीं, चना भी नरमी पर रहा। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा ही रहा। तिलहनों में नई सरसो की दस्तक हुई। करीब 25 कट्टों की आवक आष्टा लाइन से हुई, जिसके सौंदे 630 रू. प्रति क्विंटल पर हुये। किराना जिंसों में व्यापार अच्छा रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4060-4120, खोपरा गोला 345-390, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1300-1350, क्लीन 1500-1550, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 2750-2900, विरूद्ध नगर 2800-2850, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3350, एक्ट्रा बोल्ड 3350-3450, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 490-550, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 860-900, कैलिफोर्निया 780-795, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3100, (160) 3300-3500, (200) 3900-4100, (250) 4600-5000

तेल- सींगदाना 1730-1750, मुम्बई 1750, राजकोट तेलिया 2690, सोया साल्वेंट 1325-1330, सोया रिफाइंड 1390-1400, कपास्या 1310-1320, धूलिया 1320, कड़ी 1320,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1690-1700, मुम्बई पाम 1330, मुम्बई सोया 1410,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2325, देवास-उज्जैन 2325, खंडवा-बुरहानपुर 2300, अकोला 3600 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7400-7600, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 5500-5650, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5850-5900, एवरेज 5700-5750, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5700-5750, एवरेज 5500-5600, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7900-8000, एवरेज 7700-7800, हल्की 7500-7600, तुअर महाराष्ट्र 8200-8400, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 8400-8500, शंकर 8200-8300, हल्की 8000-8100,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7500-7800, तुअर दाल सवा नं. 8400-8800, तुअर दाल फूल 10500-10800, तुअर दाल बोल्ड 11500-11700, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शुक्रवार को कमजोर व्यापार व विदेशी संकेतों के मद्देनजर स्थानीय सराफा बाजार में दोनों कीमती धातुओं में बाजार मंदी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 254000, चॉंदी (99) 253000, टंच 252500, सिक्का 3000, सोना 10 ग्राम 158200,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 34 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.68 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया 11 पैसे मजबूत होकर 90.23 पर पहुंच गया। गुरुवार को रुपया 13 पैसे बढ़कर 90.34 पर बंद हुआ था। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज में कारोबार के दौरान रुपया 90.28 पर खुला और फिर बढ़त जारी रखी। फॉरेक्स ट्रेडर्स ने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने रुपया में और अधिक तेजी पर रोक लगाई। वहीं, डॉलर में थोड़ी मजबूती के चलते भी स्थानीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी दिन बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 266.47 अंक उछलकर 83,580.40 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50.90 अंक बढ़कर 25,693.70 पर बंद हुआ। आज एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के शेयरों में उछाल से बाहर ऊपर आया है। आईटीसी के शेयरों में 5 फीसदी और एचयूएल में 2.96 फीसदी की बढ़त रही। आज कारोबार के दौरान निफ्टी एफएमसीजी , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी कंजम्पशन, निफ्टी रियल्टी , निफ्टी के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं निफ्टी आईटी , निफ्टी फार्मा , निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी ऑटो शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स पैक में

आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, एचयूएल, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, बजाज फिनसर्व, टाइटन, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एमएंडएम और एलएंडटी के शेयर लाभ में रहे जबकि टेक महिंद्रा, टीसीएस, एशियन पेंट्स, इटरनल, एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और बीईएल के शेयरों को नुकसान हुआ। लार्जकैप की जगह मिडकैप और स्मॉलकैप के शेयरों में बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 14.40 अंक की गिरावट के साथ 59,502.70 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 45.25 अंक टूटकर 16,938.65 पर था। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 224.17 अंक गिरकर 83,089.76 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी-50 25,605 पर खुला और जल्द ही 25,600 के नीचे फिसल गया। वहीं एशियाई बाजारों में गिरावट रही। वॉल स्ट्रीट पर भी टेक शेयरों में दबाव रहा। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, टेक शेयरों वाला नैस्डैक 100 पिछले साल अप्रैल के बाद तीन दिनों में सबसे बड़ी गिरावट का सामना कर रहा है। इसकी एक वजह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर चिंता भी है।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा सर्वोपरि, वेनेजुएला से तेल खरीदने को तैयार- विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत ने स्पष्ट किया कि वेनेजुएला लंबे समय से उसका महत्वपूर्ण ऊर्जा साझेदार रहा है और भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हित में वेनेजुएला सहित किसी भी देश से कच्चा तेल खरीदने को तैयार है, बशर्ते यह व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य हो। विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि भारत ने 2019-20 और 2023-24 के दौरान भी वेनेजुएला से तेल आयात किया था। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2019-20 तक वेनेजुएला भारत के कच्चे तेल के प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में शामिल था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के चलते आयात रोक दिया गया। 2023-24 में आयात दोबारा शुरू हुआ, हालांकि बाद में प्रतिबंधों के कारण इसे फिर से निलंबित करना पड़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के उस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिसमें कहा गया था कि भारत ईरान की बजाय वेनेजुएला से अधिक तेल खरीदने को तैयार है, भारत की प्राथमिकता 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित करना है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने अपनी ऊर्जा आपूर्ति का विविधीकरण किया है और सरकारी कंपनियां 2008 से वेनेजुएला की राष्ट्रीय तेल कंपनी पीडीवीएसए के साथ साझेदारी में काम कर रही हैं। इसके साथ ही, विदेश मंत्रालय ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच कथित गुप्त बैठक की खबरों को पूरी तरह निराधार बताया।

आरबीआई ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया, रेपो रेट 5.25 फीसदी पर बरकरार

नई दिल्ली। एजेंसी। वर्ष 2026 के पहले मौद्रिक नीति समिति के फैसलों का एलान शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने किया। केंद्रीय बजट 2026 और हाल ही में हुए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के बाद यह पहली नीतिगत समीक्षा है, जिस पर दलाल स्ट्रीट और आर्थिक जगत की निगाहें टिकी थी। आरबीआई ने इस बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है और इसे यथास्थिति बनाए रखा है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने उम्मीदों के अनुरूप रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर यथावत रखने का फैसला किया है। पॉलिसी बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि देश में महंगाई दर अनुमानित दायरे में बनी हुई है। उन्होंने इसे हाई ग्रोथ और लो इन्फ्लेशन का अनुकूल दौर ताया। गवर्नर के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन मजबूत रहा है और आगे भी इसमें स्थिरता की उम्मीद है। अर्थशास्त्रियों के बीच कराए गए सर्वे में अधिकांश विशेषज्ञों ने ब्याज दरों को लेकर सतर्क रुख अपनाने की बात कही। उनका मानना है कि तब तक दरों में कटौती नहीं की जानी चाहिए जब तक आर्थिक वृद्धि में बड़ी गिरावट का खतरा न हो। यह सर्वे अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए शुल्क को घटाकर 18 प्रतिशत करने की घोषणा से पहले किया गया था। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी ग्रोथ अनुमान 7.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.4 प्रतिशत कर दिया है। वहीं वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के लिए ग्रोथ अनुमान 6.9 प्रतिशत और दूसरी तिमाही के लिए 7 प्रतिशत किया गया है। गवर्नर ने बताया कि नई जीडीपी सीरीज आने के कारण पूरे वर्ष का अनुमान जारी नहीं किया गया है। रेपो रेट वह ब्याज दर है, जिस पर भारतीय रिज़र्व बैंक कमर्शियल बैंकों को कर्ज देता है। इसका सीधा असर आम लोगों पर पड़ता है। जब रेपो रेट बढ़ती है, तो बैंक भी आमतौर पर अपने लोन की ब्याज दरें बढ़ा देते हैं।

मेष- आज आपकी कार्यक्षमता बेहतर रहेगी और आप निर्णय भी सोच समझ कर लेंगे। लेकिन आपको किसी दबाव में आकर कोई काम करने से बचना होगा। कोई साइड इनकम ढूंढने की भी कोशिश में लगे रहेंगे, जिसमें आपको कामयाबी अवश्य मिलेगी। जीवनसाथी और नौकरी में प्रमोशन आदि मिलने से आपका मन काफी खुश रहेगा और आपकी दिनचर्या भी बेहतर रहेगी। आप योग व व्यायाम करने पर ज्यादा ध्यान देंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए मध्य रूप से फलदायक रहने वाला है। आप जिस काम में आज डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी और आप अपने बिजनेस को भी आगे तक ले जाने की कोशिश में लगे रहेंगे। भाईचारे की भावना आपके मन में रहेगी और परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। किसी मांगलिक उत्सव में भी आपको सम्मिलित होने का मौका मिलेगा। आपको अपनी संतान के मनमौजी स्वभाव को लेकर थोड़ी टेंशन हो सकती है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपका डूबा हुआ धन आपको मिल सकता है और बिजनेस में भी जो योजनाएं लंबे समय से आपको समस्या दे रही थी, वह दूर होगी। किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लग सकती है। पिताजी से आप परिवारिक बिजनेस को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और भाई-बहनों से आपकी खूब पटेगी। परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर आप किसी पिकनिक आदि पर जाने की योजना भी बना सकते हैं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए प्रॉपर्टी के मामले में बढ़िया रहने वाला है। आप कुछ नई प्रॉपर्टी की खरीदारी करेंगे, जो आपके लिए अच्छी रहेगी और आपको अनजान लोगों से दूरी बनाकर रखनी होगी। किसी से आप कोई जरूरी जानकारी शेयर ना करें। परिवार का कोई सदस्य आपसे यदि किसी बात को लेकर नाराज चल रहा था, तो आप उन्हें भी मना लेंगे। कार्यक्षेत्र में विरोधी आपके खिलाफ कोई षड्यंत्र रचने की कोशिश कर सकते हैं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सोच समझ कर कामों को करने के लिए रहेगा। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी और आप उनकी उम्मीदों पर खरे उतरेगी। संतान को कहीं बाहर नौकरी मिलने से जाना पड़ सकता है। आपको एक साथ काफी काम हाथ लगेंगे, जिससे आपकी व्याकाग्रता बढ़ेगी। प्रतिष्ठा का भाव आपके मन में बना रहेगा। आप किसी से कोई वादा बहुत ही सोच समझ कर करें।

कन्या- आज का दिन आपके लिए टेंशन लेकर आएगा। माता जी की सेहत में गिरावट आ सकती हैं। आपको अपने बिजनेस में कोई नुकसान होने से भाग दौड़ भी अधिक रहेगी और आप किसी अजनबी पर भरोसा करके समस्याओं को न्योता दे सकते हैं। कानूनी मामला यदि आपका पेंडिंग था, तो उसमें फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। आपने यदि किसी को धन उधार दिया था, तो उसके भी आपको मिलने की संभावना है।

तुला- आज का दिन आपके लिए मौज मस्ती भरा रहने वाला है। संतान को तरक्की करते देख आपको खुशी होगी, जो जातक किसी काम को लेकर परेशान चल रहे हैं, तो वह काम पूरा हो सकता है। विद्यार्थियों को पढ़ाई लिखाई मे लापरवाही करने से बचना होगा। राजनीति में विरोधी बात बढ़ाने की कोशिश करेंगे, लेकिन वहां आपको अपनी चतुर बुद्धि का प्रयोग करने की आवश्यकता है। बिजनेस में कुछ कामों में गड़बड़ी होने से आपका मन परेशान रहेगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए रक्त संबंधी रिश्तो में मजबूती लेकर आएगा। भाई व बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा और किसी मामले को लेकर आप मिल बैठकर निपटाएंगे। परिवार के सदस्यों के साथ भी कुछ समय आप फुर्सत में बिताएंगे। आप नौकरी से संबंधित किसी काम को लेकर कहीं बाहर जा सकते हैं। आपकी अच्छी सोच का आपको लाभ मिलेगा। धन-धान्य में वृद्धि होगी। आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे।

धनु- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको कार्य क्षेत्र में भी अच्छे कामों के लिए कोई पुरस्कार मिल सकता है और आपके मित्रों की संख्या में भी इजाफा होगा। आपका मन आज काफी खुश रहेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए सेहत के मामले में समस्याएं लेकर आएगा, क्योंकि आप अपने कामों को ज्यादा महत्व देंगे, जिससे कि आपकी सेहत गड़बड़ाएगी। आप अपनी संतान के लिए किसी नए वाहन को अपने घर लेकर आ सकते हैं, लेकिन आपको खाने पीने पर थोड़ा कंट्रोल करके चलने की आवश्यकता है और वाणी की सभ्यता आप बनाए रखें।

कुंभ- आज आपको अपने धन को लेकर योजना बनाकर चलने की आवश्यकता है, क्योंकि आपके कुछ विरोधी आपके धन को गलत योजना में लगा सकते हैं, इसलिए आप किसी के कहने में आकर इन्वेस्टमेंट करने से बचें। संतान को किसी नए कोर्स में दाखिला दिलाने के लिए आपको कहीं बाहर जाना पड़ सकता है।

मीन- आज आपकी सोच समझ से आपके सभी काम आसानी से पूरे होंगे और आपके घर किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। कोई सरकारी मामला यदि आपको टेंशन दे रहा था, तो उससे भी आपको छुटकारा मिलेगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह को लेकर आप अपने किसी मित्र से बातचीत कर सकते है।

शब्दजाल - 8163

शब्द जाल में सुनील शेट्टी की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

श	रा	दि	ल	वा	ले	ह	ट	अं	क	र
छ	च	दी	ह	रिं	लै	ता	दि	त	को	घु
स	र	ह	वा	दा	चि	सिं	बे	ला	ल	वी
पू	म	दा	च	ने	क	ड़	ढा	ल	र	र
त	बॉ	र्ड	र	हा	हु	री	चि	स	र	ट
ह	ह	प	व	दा	ह	ए	ती	झ़	न	ती
ट	र	बु	अं	र	म	ट	पा	ला	ह	क
क	ज	क्ष	ला	क	छ	सौ	न	ग	जू	ट
ह	थो	तें	क	ह	ज	दा	ने	दा	ल	द
र	ल	प	ति	मो	ह	रा	बें	न	रु	थो
त	ड़	पा	ह	ट	ख	बौ	ख	ला	ह	ट

अंत, दिलवाले, सपूत, रक्षक, रघुवीर, मोहरा, दीवाने हुए पागल, ढाल, बॉर्डर, कहर

शब्दजाल - 8162 का हल

प्र	अ	मे	जि	मि	ल	न	का	र	प	श
न	का	क	ग	इं	ड्रे	ने	ग	ति	मा	म
अ	दा	र	री	मा	ग	ब	द	ह	प	शी
जी	ग	ल	दो	भा	न	स	च	ह	लि	र
त	अ	अ	स्त	न	ई	मे	ह	प	न	दे
आ	नो	खी	रा	त	प	भा	त	ह	न	बां
ह	मा	ल	मा	व	मे	ला	ई	मा	न	ग
सा	न	भा	र	न	प	रे	रा	ल	वि	ला
न	न	बा	आ	ग	का	र	दो	न	जू	दे
र	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	रु	स्त	प	श
ब	र	ब	ड़ी	दी	दी	स	त्ता	प	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7107

1		2		■	3		4		5
	■		■	6		■		■	
7		■	8		■	9		10	
	■	11	■	12			■		■
■	13		14		■	15	16	■	17
■		■		■	18			■	
19		20	■	21		■	22		
	■	23		■		■		■	
24	25		■	26		27	■	28	■
■		■	29		■	30			

बायें से दायें:-

१. कारगिल युद्ध पर बनी जे. पी. दत्ता की बहु-सितारा फिल्म-२,१,१
३. 'रूप सलोना तेरा' गीत वाली सनी, अक्षय, मनीषा की फिल्म-२,३
६. आमिर, माधुरी दीक्षित की 'खंभे जैसी खड़ी है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'अपना बनाना है' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
८. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली फिल्म-२
९. 'रिमझिम के गीत' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बबीता की फिल्म-४
१२. 'छोटा कद और पेट बड़ा' गीत वाली संजयदत्त, नम्रता की फिल्म-३
१३. अजय देवगन, मधु, सोनाली की 'किसी के इश्क' गीत वाली फिल्म-४
१५. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम की नायिका कौन थी-२
१८. अक्षय कुमार, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सात सुरों के तार' गीत वाली जैकी, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२१. फरदीन, करीना की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'डैडी कूल कूल' गीत वाली शाहरूख खान, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२३. राजीव कपूर, डिम्पल की 'कोई भी नाम दो' गीत वाली फिल्म-२
२४. अभिनेत्री पूजा भट्ट के पिता-३
२६. दिलीपकुमार, वहीदा रहमान की 'कल के सपने' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तुझे ना देखूँ तो' गीत वाली जीतेंद्र, कमल सदाना, दिव्या की फिल्म-२
३०. सुमीत सहगल, शिखा की 'पीछे पीछे आजा' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल लगाने की' गीत वाली अक्षय, अमिताभ, राखी, जूही की फिल्म-२,२
२. अतीन भल्ला, संदली की एक फिल्म-२
३. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-२
४. संजयदत्त, काजोल की 'आवाज दो हमको' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली फिल्म-३
६. अजय देवगन, रवीना की 'कितना हसीन चेहरा' गीत वाली फिल्म-४
९. राजेश खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
१३. सनी, बॉबी, उर्मीला की 'कोई नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'तुम आए तो आया' गीत वाली अजय देवगन, पूजा भट्ट की फिल्म-२
१६. 'कहाँ से आई रानी' गीतवाली फिल्म-२,२
१७. 'मैं जब बोलूँ हाँ' गीत वाली जीतेंद्र, नीतूसिंह की फिल्म-४
१८. अशोककुमार, सुमिता की 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'दोस्त दोस्त ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
२०. अक्षय, करिश्मा की 'दिल ले गया' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'रजिया सुल्तन' में रजिया सुल्तन की शीर्षक भूमिका किसने की हैं-२
२६. 'तेरा क्या लगता है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'काजल' की नायिका कौन थी-३
२८. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7106

का	ला	प	त्थ	र	■	को	ह	रा	■
र	■	ड़ो	■	क्ष	त्रि	य	■	जा	ल
वॉ	■	स	ड़	क	■	ला	वा	■	म्हे
■	जा	न	■	■	ज	■	दा	दा	■
दि	ल	■	ख	ट्टा	मी	ठा	■	मि	ली
व्या	■	खे	ल	■	र	■	स	नी	■
■	प	■	ना	ना	■	डॉ	न	■	डो
प	रि	च	य	■	सु	■	म	वा	ली
■	वा	■	क	सू	र	■	■	रि	■
पा	र	स	■	र्या	■	वि	रा	स	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

7 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.01 बजे से
चंद्र	कन्या में	मीन	08.34 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	10.04 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	11.44 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	13.42 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	15.56 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	18.12 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	20.24 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	22.35 बजे से
		वृश्चिक	00.49 ब.से
		धनु	03.05 बजे से
		मकर	05.10 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 38 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** षष्ठी 02.55 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** चित्रा 02.29 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शूल 23.41 बजे को समाप्त। **करण** गर 14.03 बजे तदनन्तर वणिज 02.55 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 19.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 15° 22' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872613 **जूलियन दिन** 2461078.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सावान **तारीख** 18 **विशेष** यशोदा जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: धन की माया

किसी शहर में एक धनवान सेठ रहता था। वह बेहद कंजूस था। दिन-रात उसे बस अपने धन की सुरक्षा की चिंता सताती रहती थी। इस चिंता के कारण उसे नींद न आने की बीमारी लग गई। उसका एक नौकर था। वह भी अपने मालिक की तरह धनवान बनना चाहता था। लेकिन वह अपने मालिक की बीमारी से दुखी रहता था। सेठ की बीमारी बढ़ती गई और आखिरकार उसकी मृत्यु हो गई। मरने से पहले सेठ अपना सारा धन अपने नौकर को दे गया। लेकिन धन पाते ही नौकर को भी अनिद्रा का रोग लग गया। नौकर बहुत परेशान रहने लगा।

सूडोकु नवताल- 7416

★☆☆☆☆ सरल

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7415 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्द पहेली - 8631

1		■	2	3		■	4	5
	■	6			■	7		
■	8			■	9			■
10			■	11			■	12
13		■	14			■	15	
	■	16			■	17		
■	18			■	19			■
20			■	21			■	22
23		■	24			■	25	

बाएँ से दाएँ

1. घ्राणेंद्रिय-2
2. लंबी गर्दन वाला पशु-3
4. आफत, मुसीबत-2
6. लाचार-3
7. आसरा, मदद-3
8. आश्रय, शरण-3
9. राज कपूर की पोती-3
10. कर्म, भाग्य-3
11. दासत्व, गुलामी-3
13. आर्टिकल-2
14. इच्छा, लालसा-3
15. दुगना, दोगुना-2
16. भार-3
17. टेसू के फूल-3
18. राजा का भवन-3
19. चौकसी-2
20. प्रेमी, साजन-3
21. कैनाल, उपनदी-3
23. जीवन सत्व, प्राण-2
24. प्रहार, आक्रमण-3
25. ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1. अभिमान-2
2. मारना, वध करना-2
3. नृत्य, कृष्णलीला-2
4. अपव्यय करना-3
5. वेस्टइंडीज का कप्तान-2
6. अज्ञात, अनाम-3
7. नदी, दरिया-3
8. जांच, परीक्षण-3
9. परीक्षा करना-3
10. जिगर-3
11. आंचल-3
12. नाश, विध्वंस-3
14. अंजन, नेत्रांजन-3
15. लाडला-3
16. शक, संदेह-3
17. तीन घंटे का समय-3
18. चिंतन-3
19. प्रथम-3
20. दंड, शिक्षा-2
21. आंशिक भीगा हुआ-2
22. प्राण, जीवन तत्व-2

शब्द पहेली -8630 का हल

ह	क	■	सा	ग	र	■	म	जा
द	म	न	■	म	वा	ली	■	म
■	र	म	ल	■	ना	प	ना	■
स	■	क	ह	र	■	ना	का	म
ली	न	■	जा	त	क	■	रा	जा
का	र	क	■	न	ह	र	■	क
■	म	म	ता	■	वा	ब	न	■
ना	■	ल	क	वा	■	ना	य	क
ब	र	■	त	र	फ	■	न	म

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कारंजा और डोंगरगांव सब स्टेशन में लगा उच्च क्षमता का पॉवर ट्रांसफॉर्मर

विधायक राजकुमार कर्राहे के प्रयासो से भाडरा अंचल में लो वोल्टेज की समस्या का हुआ समाधान

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी क्षेत्र का भाडरा अंचल जो कि लंबे से लो वोल्टेज की समस्या से जुझ रहा था जो कि क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा इस समस्या का समाधान करवाते हुये उच्च क्षमता के ट्रॉसफार्मर लगवाये गये है तथा 6 फरवरी को शुभारंभ किया गया। जिससे कारंजा एवं डोंगरगांव स्टेशन से होने वाली आपूर्ति से किसानों को पर्याप्त मात्रा में वोल्टेज प्राप्त होगा तथा किसानों को भी इस समस्या से निजाद मिली है। भाडरा अंचल के उपभोक्ताओं और किसानों के लिए लंबे समय से चली आ रही लो वोल्टेज और बार-बार बिजली कटौती की समस्या का अब समाधान हो गया है। कारंजा पॉवर हाऊस में नवीन 10 एमवीए क्षमता का पॉवर ट्रांसफॉर्मर (पीटीआर) तथा ग्राम डोंगरगांव सब स्टेशन में 5 एमवीए क्षमता का पॉवर ट्रांसफॉर्मर (पीटीआर) स्थापित किया गया है।

इन दोनों ट्रांसफॉर्मरों का शुभारंभ क्षेत्र के विधायक राजकुमार कर्राहे ने 6 फरवरी को फीता काटकर किया। इस अवसर पर विद्युत विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे। कार्य के दौरान दिनभर बिजली कटौती की गई ताकि स्थापना का कार्य सुचारु रूप से पूरा हो सके।

उभोक्ताओं के समस्या का हुआ समाधान

भाडरा अंचल के उपभोक्ता और किसान लंबे समय से लो वोल्टेज और बिजली कटौती से परेशान थें। लगातार क्षेत्रवासियों ने विधायक राजकुमार कर्राहे से इस समस्या के समाधान की मांग की थी। विधायक ने मांग को गंभीरता से लेते हुए इसे पूरा किया। अब क्षेत्रवासियों को उच्च गुणवत्ता वाली विद्युत आपूर्ति प्राप्त होगी, जिससे कृषि कार्य और घरेलू उपयोग दोनों में सुविधा होगी। उच्च क्षमता के ट्रॉसफार्मर का शुभारंभ के दौरान प्रमुख रूप से विजय मस्करे पूर्व सरपंच, सोहन उपराड़े विधायक प्रतिनिधि, जीतू बम्बुरे भाजपा मंडल अध्यक्ष भाडरा, धर्मभूषण बनोठे जनपद प्रतिनिधि, डीलेश्वर बसेना सरपंच प्रतिनिधि अमेड़ा, योगेश कुराहे जनपद सदस्य के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी कर्मचारीगण, गणमान्य अतिथी एवं ग्रामीण जन, पंच गण आदि उपस्थित रहे।

इस संबध में विधायक राजकुमार कर्राहे ने कहा कि कारंजा में लंबे अरसे से मांग थी की 10 एमवीए का पॉवर ट्रांसफॉर्मर लगाया जाएं। मांग को लेकर मंत्रियों और विभाग के उच्चाधिकारियों से चर्चा करने के बाद के बाद ये सौगात मिली है। जिसमें जिले के अधिकारी और जनप्रतिनिधियों का सहयोग रहा है। कारंजा और डोंगरगांव के पॉवर हाऊस में उच्च क्षमता वाले पॉवर ट्रांसफॉर्मर लगने से विद्युत सप्लाई और लो-वोल्टेज समेत जो भी विद्युत से जुड़ी समस्या है वो दूर होगी। इससे किसानों को और हितग्राहियों को भरपूर लाभ मिलेगा।

कालीमाटी के पास मुख्य मार्ग पर अनियंत्रित होकर पलटा ट्रैक्टर, 6 लोग घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। पुलिस थाना लांजी अंतर्गत आने वाले ग्राम कालीमाटी के पास लांजी खैरागढ़ मुख्य मार्ग पर एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया जिससे उसमें सवार 6 लोग घायल हो गए। घायलों में एक की हालत गंभीर है, सभी घायलों को डायल 112 की मदद से सिविल अस्पताल लांजी लाकर भर्ती किया गया जहां मौजूद चिकित्सक स्टाफ के द्वारा तत्काल ही उपचार प्रारंभ कर दिया गया। इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार बम्हनवाड़ा निवासी छः लोग ग्राम भक्कूटोला गए थे जहां से वह ट्रैक्टर में डोंगा नाव लेकर अपने ग्राम बमहनवाड़ा की तरफ वापस जा रहे थे। घटना 5 फरवरी की रात 10=30 बजे के लगभग घटित हुई जब वह अपने ग्राम की तरफ जा रहे थे तभी लांजी खैरागढ़ मुख्य मार्ग पर कालीमाटी में उनका ट्रैक्टर और नियंत्रित होकर पलट गया, जिससे ट्रैक्टर में सवार सुंदरलाल मलगाम, सदाराम टेकाम, रमेश पालेवार, रमेश पंदरे घायल हो गए, जबकि राजू प्रेमलाल नेवारे को अधिक चोट आई है। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 के पायलट आबिद शेख और आरक्षक रूपसिंह रावत के द्वारा मौका स्थल पर पहुंचकर सभी घायलों को सिविल अस्पताल लांजी लाकर भर्ती किया गया जहां उपस्थित चिकित्सक स्टाफ के द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया।

सावरीखुर्द के हार्दिक लिल्हारे का ओलम्पियाड परीक्षा में संभाग स्तर के लिए चयन

पद्मेश न्यूज। लांजी। विकासखंड लांजी अंतर्गत राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा आयोजित जिला स्तरीय ओलम्पियाड परीक्षा सत्र 2025-26 का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें शासकीय प्राथमिक शाला आसोलीटोला सावरी खुर्द का छात्र हार्दिक ने उत्कृष्ट सफलता अर्जित किया है। बताया गया कि शासकीय प्राथमिक शाला आसोलीटोला सावरी खुर्द में अध्ययनरत हार्दिक पिता नितेश लिल्हारे कक्षा चौथी ने पर्यावरण अध्ययन विषय में जिला स्तरीय ओलम्पियाड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सफलता हासिल कर संभाग स्तर के लिए चयन हुआ है। हार्दिक की इस उपलब्धि ने न केवल विद्यालय, संकुल और क्षेत्र बल्कि पूरे जिले का नाम गौरवान्वित किया है। विशेष बात यह रही कि संभाग स्तर पर चयनित होने वाला हार्दिक प्राथमिक शाला से लांजी संकुल का एकमात्र छात्र है, जिसने अपनी प्रतिभा और परिश्रम से शिक्षा जगत में नई पहचान बनाई। हार्दिक की इस उल्लेखनीय सफलता पर विद्यालय परिवार एवं शाला प्रबंधन समिति में हर्ष का वातावरण है। इस सफलता पर विद्यालय परिवार से प्राचार्य श्रीचंद दमाहे, शिक्षक सेवकदास मेश्राम समेत परिवार और ग्रामीणजनों ने छात्र को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। विद्यालय परिवार ने आशा व्यक्त किया है कि छात्र भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर मेहनत कर उच्च उपलब्धियां प्राप्त करेगा तथा अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा।

सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव में हुआ विदाई समारोह का आयोजन

ग्यारहवीं के छात्र-छात्राओं ने बारहवीं के छात्र-छात्राओं को दी बिदाई

पद्मेश न्यूज। लांजी। सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव लांजी में 5 फरवरी 2026 को कक्षा ग्यारहवीं के छात्र-छात्राओं के द्वारा कक्षा बारहवीं के छात्र-छात्राओं के लिये एक भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन विद्यालय सभा हॉल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था प्राचार्य बी आर गुरदे सर, उपप्राचार्य प्रवीण साहु एवं सभी शिक्षक -शिक्षिकाओं और कक्षा बारहवीं के छात्र छात्राओं द्वारा माँ सरस्वती माता के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर सरस्वती वंदना पूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर कक्षा ग्यारहवीं के समस्त छात्र-छात्राओं द्वारा विविध सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रम एवं मनोरंजक खेल प्रस्तुत किए गए। साथ ही अपने वरिष्ठ भाई बहनों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए भावभिनी बिदाई दी गई। कक्षा बारहवीं के छात्र-छात्राओं के द्वारा भी अपने अनुजों से अपने अनुभव साझा किया एवं विद्यालय के प्रति अनुशासित रहने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य बी आर गुरदे द्वारा अपने उद्बोधन में कक्षा बारहवीं के छात्र-छात्राओं को आगामी परीक्षा को लेकर आवश्यक जानकारी, नुस्खे दिये एवं उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई। साथ ही उन्होंने कहा कि यह आपकी कामयाबी के सफर का पहला पड़ाव है, आगे जीवन में आपको सफलता प्राप्त करने हेतु विविध प्रतियोगी परीक्षाओं की बाधाओं को पार करते हुए आगे बढना होगा और हर कदम पर विशेष सावधानी पूर्वक आगे बढना होगा। अग्रिम जीवन में आपको किसी भी प्रकार की मार्गदर्शन की आवश्यकता हो तो संपूर्ण विद्यालय परिवार आपकी सहायता के लिए तत्पर रहेगा। संस्था के उपप्राचार्य साहु सर एवं सभी शिक्षक -शिक्षिकाओ द्वारा सभी छात्र छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए भावनात्मक शुभकामनाएं प्रदान की गई। कार्यक्रम का सफल संचालन कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा कु गायत्री पटले, कु तनिष्का बिसेन एवं कु उमा मुरकुटे के द्वारा किया गया।

श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज में परीक्षा पर चर्चा 2026 कार्यक्रम का उत्साहपूर्ण आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के आदेशानुसार 6 फरवरी को प्रात: 10 बजे से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा संबोधित परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ टेक्नालॉजी, लांजी में किया गया। यह कार्यक्रम देशभर के छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के लिए प्रेरणादायक सत्र था, जिसका उद्देश्य परीक्षा के तनाव को कम करना और इसे एक उत्सव के रूप में मनाना था। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छात्रों को आत्मविश्वास बढ़ाने, सकारात्मक सोच अपनाने, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य का ध्यान रखने तथा परीक्षा को जीवन का एक महत्वपूर्ण लेकिन तनावमुक्त हिस्सा बनाने पर जोर दिया। उन्होंने विभिन्न विषयों पर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया, जिसमें तैयारी की अपनी शैली पर भरोसा रखना, संतुलित जीवनशैली अपनाना और चुनौतियों को अवसर के रूप में देखना शामिल था। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थी, शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने उत्साह के साथ लाइव प्रसारण देखा और प्रधानमंत्री के संदेशों से प्रेरित हुए। कार्यक्रम विभिन्न प्लेटफॉर्म्स जैसे दूरदर्शन, पीएम मोदी के यूट्यूब चैनल आदि के माध्यम से प्रसारित किया गया, जिससे दूर-दराज के क्षेत्रों के छात्र भी जुड़ सके। महाविद्यालय के प्रबंधन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों में सकारात्मक ऊर्जा भरते हैं और उन्हें बोर्ड एवं अन्य परीक्षाओं के लिए बेहतर तरीके से तैयार होने में मदद करते हैं। यह कार्यक्रम परीक्षा योद्धाओं को प्रोत्साहित करने वाली प्रधानमंत्री की एग्जाम वॉरियर्स मुहिम का हिस्सा है, जो हर वर्ष लाखों छात्रों को लाभान्वित करता है। श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ टेक्नालॉजी, लांजी ने इस राष्ट्रीय स्तर के महत्वपूर्ण आयोजन को सफलतापूर्वक आयोजित कर छात्रों के सर्वांगीण विकास में योगदान दिया।

पीजी कॉलेज बालाघाट में देखा गया 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम का लाईव प्रसारण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वर्चुअल सभागार में 06 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम का ऑनलाइन सीधा प्रसारण देखा गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विद्यार्थियों को आगामी परीक्षाओं की तैयारी को ध्यान में रखते हुए परीक्षा के तनाव को कम करने, सकारात्मक सोच बनाए रखने तथा परीक्षा के समय उत्साह एवं आत्मविश्वास बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने विद्यार्थियों को मनोबल बढ़ाने और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया, ताकि वे अच्छे अंकों के साथ परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकें। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के समस्त छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह एवं जागरूकता देखने को मिली। साथ ही महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

कर्मचारी चयन मंडल अपने परीक्षा प्रणाली में करने जा रहा बदलाव

- भर्ती परीक्षाओं में होगी अब निगेटिव मार्किंग

भोपाल। मप्र कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी)अपनी भर्ती परीक्षाओं के पैटर्न में बदलाव करने जा रहा है। इसके लिए रूलबुक बनाई जा रही है। इसके तहत अब परीक्षा में शामिल होने वाले कैंडिडेट्स की निगेटिव मार्किंग का प्रावधान किया जा रहा है। इसके तहत चार प्रश्नों के गलत उत्तर पर एक सही सवाल के जवाब का एक नंबर काटा जाएगा। इस परीक्षा में पूछा जाने वाला हर सवाल एक नंबर का होगा।

गौरतलब है कि गत दिवस एमपी-ईएसबी के संचालक मंडल की बैठक मंत्रालय में आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विभाग संजय शुक्ला ने की। बैठक में मप्र कर्मचारी चयन मंडल के एग्जाम पैटर्न में बड़ा बदलाव करने का निर्णय लिया गया। अब अभ्यर्थियों को भर्ती परीक्षाओं में तुक्का लगाकर सवाल हल करना महंगा पड़ेगा। एमपी-ईएसबी की ओर से आगे आयोजित होने वाली परीक्षाओं में फिर से नेगेटिव मार्किंग शुरू की जाएगी।

परीक्षा में नेगेटिव मार्किंग (नकारात्मक अंकन) का अर्थ है कि किसी प्रश्न का गलत उत्तर देने पर न केवल उस प्रश्न के अंक कटते हैं, बल्कि सही उत्तरों में से भी निश्चित अंक काट लिए जाते हैं। इस तरह कुल प्रामांक कम हो जाते हैं। जिन प्रश्नों का उत्तर नहीं दिया जाता है, उनके कोई अंक नहीं काटे जाते हैं। उदाहरण के तौर पर यदि परीक्षा में प्रश्न 3 अंक का है और गलत उत्तर पर 1/3 की निगेटिव मार्किंग है, तो गलत उत्तर देने पर सही उत्तर में से 1 अंक काट लिया जाएगा। यह एग्जाम पैटर्न अनुमान लगाकर उत्तर (तुक्का मारने) को हतोत्साहित करने और सटीकता बढ़ाने के लिए अपनाया जाता है।

14 साल पहले बंद हो गई थी प्रक्रिया

आधिकारिक जानकारी के मुताबिक पूर्व में कर्मचारी चयन मंडल की भर्ती परीक्षाओं में नेगेटिव मार्किंग की जाती थी, लेकिन वर्ष 2011-12 परीक्षाओं में नेगेटिव मार्किंग बंद कर दी गई थी। परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों की ओर से लगातार परीक्षा को में नेगेटिव मार्किंग शुरू करने की मांग की जा रही थी, ताकि अभ्यर्थी परीक्षाओं गंभीरता से लें और परीक्षाओं की गंभीरता से तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को फायदा मिले। इसे देखते हुए एमपी-ईएसबी के संचालक मंडल ने विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श के बाद भर्ती परीक्षाओं में नेगेटिव मार्किंग शुरू करने का निर्णय लिया है। अधिकारियों का कहना है कि नया एग्जाम पैटर्न लागू होने पर परीक्षा में किसी प्रश्न का गलत उत्तर टिक करने पर सही उत्तर से निश्चित अंक काटे जाएंगे। गलत उत्तर देने पर कितने अंक कटेंगे, इस पर अंतिम निर्णय जल्द लिया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि एमपी-ईएसबी की जिन भर्ती परीक्षाओं के लिए पूर्व में नियम बन चुके हैं, उनको छोड़कर भविष्य में होने वाली सभी परीक्षाओं में नेगेटिव मार्किंग की जाएगी।

इस साल आयोजित होंगी 11 भर्ती परीक्षाएं

मप्र कर्मचारी चयन मंडल की ओर से आयोजित परीक्षाओं के माध्यम से विभिन्न विभागों में क्लास-3 के रिक्त पदों पर भर्ती की जाती है। मप्र कर्मचारी चयन मंडल वर्ष 2026 में 11 भर्ती परीक्षाएं आयोजित करेगा। इन भर्ती परीक्षाओं के जरिए 5,528 पद भरे जाएंगे। एमपी-ईएसबी ने परीक्षाओं का कैलेंडर जारी कर दिया है। सरकार ने कर्मचारी चयन मंडल को भर्ती परीक्षाएं समय पर कराने के निर्देश जारी किए हैं। इसके चलते यह माना जा रहा है कि इस साल प्रस्तावित भर्ती परीक्षाएं निर्धारित समय पर आयोजित होंगी। पिछले साल कर्मचारी चयन मंडल कुछ परीक्षाएं समय पर आयोजित नहीं कर पाया था। मप्र कर्मचारी चयन मंडल ने इस साल की पहली भर्ती परीक्षा-आईटीआई ट्रेनिंग ऑफिसर का कार्यक्रम तय कर दिया है। इसके लिए आवेदन भी भरे जा चुके हैं। भर्ती परीक्षा 27 फरवरी से होगी। कर्मचारी चयन मंडल द्वारा पिछले साल की दो लंबित भर्ती परीक्षाएं गत जनवरी में आयोजित की गई है। सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यदि मप्र हाईकोर्ट कर्मचारियों की पदोन्नति पर लगी रोक हटा देता है, तो आने वाले समय में विभिन्न विभागों में बड़ी संख्या में पद रिक्त हो जाएंगे, जिन पर कर्मचारी चयन मंडल और मप्र लोक सेवा आयोग के माध्यम से भर्ती की जाएगी।

बयान से पलटे मंत्री वर्मा सफाई मे बोले ...

लाडली बहना योजना बहनों के सम्मान से जुड़ी, इसे कोई भी समाप्त नहीं कर सकता

भोपाल। विगत दिनों अपनी विधानसभा क्षेत्र के एक में गांव में नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र और आयुष्मान आरोग्य मंदिर के लोकार्पण कार्यक्रम में मंत्री करण सिंह वर्मा द्वारा लाडली बहनाओं को लेकर कही बात पर शुक्रवार को सफाई दी है।

मंत्री वर्मा ने बयान में कहा है कि सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से मुझे जानकारी मिली है कि मेरे विधानसभा क्षेत्र के ग्राम धामंदा में आयोजित मेरे कार्यक्रम में मेरे द्वारा कहे गए शब्दों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत में मैंने उपस्थित सभी बहनों एवं नागरिकों को सम्मानपूर्वक प्रणाम किया था।

वर्मा ने कहा कि अपने संबोधन में मैंने स्व-सहायता समूहों और महिला सशक्तिकरण से जुड़े सभी कार्यक्रमों का अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया था। मेरा कहना था कि इन योजनाओं का उद्देश्य बहनों को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें निरंतर सहयोग देना है। मैंने यह भी कहा था कि मध्यप्रदेश में बहनों को मिलने वाली आर्थिक सहायता आगे भी मिलती रहेगी।

वायरल वीडियो में यह कहते दिख रहे मंत्री वर्मा

राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा का जो वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वे कह रहे हैं कि ग्राम धामंदा में 894 लाड़ली बहनों को हर महीने 1500 रुपए की राशि दी जा रही है, इसके बावजूद सरकारी कार्यक्रमों में उनकी उपस्थिति बेहद कम रहती है। मंत्री ने मंच से कहा कि वे सीड़ीओ से बात कर एक दिन सभी लाड़ली बहनों को बुलाएंगे। यदि उस दिन भी वे कार्यक्रम में शामिल नहीं हुईं, तो उनकी रिपोर्ट भिजवाकर योजना से नाम कटवाने की कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि कांग्रेस शासनकाल में महिलाओं को इस तरह की कोई आर्थिक सहायता मिलती थी या नहीं।

शासन के तैनात सर्वेयर भाग गए ...पटवारियों को करनी पड़ रही गिरदावरी

अमानवीय कार्यभार, वेतन विसंगतियां और मूलभूत सुविधाओं के अभाव में पटवारी त्रस्त, ज्ञापन दिया

भोपाल। शासन की योजनाओं को सुचारू रूप से चलने और आप जनता को इसका लाभ दिलाने के लिए शुरू की गई सर्वेयर के माध्यम से गिरदावरी की पहलभी अब ठंडे बस्ते में चली गई है। भुगतान नहीं होने के कारण यह जिम्मा भी अब पटवारी को सोप दिया गया है। ऑनलाइन सर्वर ठप होने और एसआईआर, राजस्व वसूली जैसे अभियान में लगे होने के कारण पटवारी ने विरोध दर्ज कराया है।

मध्यप्रदेश में राजस्व व्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले पटवारियों की हालत बद से बदतर होती जा रही है। अत्यधिक कार्यभार, तकनीकी अव्यवस्थाएं, वेतन विसंगतियां और बुनियादी सुविधाओं के अभाव ने पटवारियों को मानसिक और शारीरिक रूप से तोड़ दिया है। मध्यप्रदेश पटवारी संघ जिला शाखा इंदौर द्वारा शासन को भेजे गए पत्रों में पटवारियों की गंभीर समस्याओं को स्पष्ट रूप से उजागर किया गया है, इसके बावजूद शासन और प्रशासन आंख मूंदे बैठा है। पटवारियों ने बताया कि वर्तमान में एक पटवारी पर औसतन तीन से चार पटवार हल्कों का अतिरिक्त प्रभार डाला जा रहा है। इससे न केवल काम की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, बल्कि पटवारियों को प्रतिदिन 10 से 12 घंटे तक काम करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इसके बावजूद उन्हें न तो अतिरिक्त मानदेय दिया जा रहा है और न ही संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

सिस्टम फेल ...स्पीड स्लो

डिजिटलाइजेशन के नाम पर पटवारियों पर ई-केवाईसी, फार्मर आईडी, समग्र आईडी, पीएम किसान, ई-ऑफिस, नामांतरण, सीमांकन और गिरदावरी जैसे सैकड़ों ऑनलाइन कार्य थोप दिए गए हैं।

सर्वर फेल होने, नेटवर्क की समस्या और तकनीकी खामियों के बावजूद समय-सीमा में काम पूरा करने का दबाव बनाया जा रहा है। गलती होने पर दंडात्मक कार्रवाई की तलवार भी लटकाई जा रही है, जबकि नव नियुक्त पटवारियों को 100 प्रतिशत वेतन अभी तक नहीं दिया जाए। शासन की घोषणा के बावजूद आज भी कई पटवारियों को 70 से 90 प्रतिशत वेतन पर काम कराया जा रहा है।

यह मांगे भी रखी

इसके अलावा वेतन भुगतान में लगातार देरी, यात्रा भत्ता न मिलना, मोबाइल और इंटरनेट खर्च का भुगतान न होना तथा फील्ड ड्यूटी के दौरान सुरक्षा के कोई इंतजाम न होना भी गंभीर समस्या बनी हुई है। कई क्षेत्रों में पटवारियों को ग्रामीणों के आक्रोश और दबाव का सामना करना पड़ता है, लेकिन प्रशासन उन्हें कोई सुरक्षा कवच देने को तैयार नहीं। पटवारी संघ ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही सभी समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया तो प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

मप्र में ऑनलाइन फ्रॉड और डिजिटल अरेस्ट से बचाएगा क्यूआर कोड

भोपाल। मध्य प्रदेश में बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए प्रदेश पुलिस एक नई और प्रभावी पहल करने जा रही है। ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल और 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे मामलों से आम नागरिकों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से क्यूआर कोड आधारित जागरूकता व्यवस्था विकसित की जा रही है। इस क्यूआर कोड को स्कैन करते ही साइबर अपराध से बचाव से जुड़ी आवश्यक और प्रामाणिक जानकारी सीधे मोबाइल फोन पर उपलब्ध हो जाएगी। मध्य प्रदेश पुलिस साइबर विशेषज्ञों के सहयोग से इस नवाचार को अंतिम रूप दे रही है। योजना के तहत भोपाल सहित पूरे प्रदेश के भीड़भाड़ वाले स्थानों, प्रमुख बाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, सरकारी एवं निजी कार्यालयों तथा अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों पर ये क्यूआर कोड लगाए जाएंगे। यदि सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो मार्च 2026 से प्रदेशवासियों को यह सुविधा मिलना शुरू हो जाएगी।

इस परियोजना पर साइबर पुलिस के नेतृत्व में तेजी से काम चल रहा है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि आज के डिजिटल युग में अपराधी नये-नये हथकंडे अपनाकर लोगों को ठग रहे हैं। ऐसे में तकनीक के जरिए लोगों को जागरूक करना बेहद जरूरी है। यह क्यूआर कोड न सिर्फ जानकारी देगा, बल्कि सही समय पर सही कदम उठाने में भी मदद करेगा।

सरकारी ही नहीं, बल्कि निजी संस्थानों में भी प्रमुख स्थानों पर क्यूआर कोड लगाए, जाने की तैयारी है। इसके साथ-साथ इसका व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका उपयोग कर सकें। पुलिस अधीक्षक (साइबर) प्रणय नागवंशी ने बताया कि साइबर अपराधों से बचाव के लिए जागरूकता सबसे बड़ा हथियार है। साइबर मुख्यालय समय-समय पर एडवाइजरी जारी करता है और अब क्यूआर कोड के माध्यम से यह जानकारी और अधिक सुलभ हो जाएगी।

क्यूआर कोड स्कैन करने पर यह स्पष्ट जानकारी मिलेगी कि साइबर अपराध से बचने के लिए क्या करें और किन बातों से बचें। आमतौर पर पूछे जाने वाले सवालों के सरल उत्तर भी उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा नेशनल साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 और नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल का सीधा लिंक दिया जाएगा, जिससे पीड़ित तुरंत शिकायत दर्ज कर सकेंगे।

'घूसखोर पंडित' के विरोध में ब्राह्मण समाज उतरा सडकों पर

भोपाल। फिल्म 'घूसखोर पंडित' के विरोध में ब्राह्मण समाज ने सड़कों पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया। भोपाल में एक ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज़ की गई इस फिल्म समाज के लोगों ने पुरजोर विरोध किया। धोती-कुर्ता धारी पंडितों ने फिल्म को ब्राह्मण समाज की छवि धूमिल करने वाला बताते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया। अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज और मध्य प्रदेश ब्राह्मण समाज के बैनर तले हुए इस प्रदर्शन में फिल्म को तत्काल नेटफ्लिक्स ओटीटी प्लेटफार्म से हटाने की मांग की गई। फिल्म के टाइटल को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि फिल्म में ब्राह्मण समाज को घूसखोर के रूप में दिखाया गया है, जो पूरी तरह आपत्तिजनक और निंदनीय है।

57 हजार मजदूरों की मौतों पर बढ़ी श्रम विभाग की चिंता

कलेक्टरों को निर्देश, सुरक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता के लिए लगेंगे शिविर

भोपाल। मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना में पंजीकृत असंगठित श्रमिकों की सामान्य और दुर्घटनाजनित मौतों की बढ़ती संख्या ने श्रम विभाग की चिंता बढ़ा दी है। इन मौतों पर हो रहे भारी खर्च को देखते हुए अब सरकार ने रोकथाम पर जोर देने का फैसला किया है। इसके तहत सभी जिलों में श्रमिकों को स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिनकी निगरानी कलेक्टर करेंगे।

मध्य प्रदेश में 18 से 60 वर्ष आयु वर्ग के असंगठित श्रमिक मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना में पंजीकृत हैं। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्ष प्रदेश में पंजीकृत श्रमिकों के बीच 57 हजार सामान्य मौतें और करीब 5,800 दुर्घटनाजनित मौतें दर्ज हुईं, जिनमें संबल योजना के तहत हितलाभ वितरित किए गए। प्रदेश की औसत आयु 67 वर्ष है, लेकिन 60

वर्ष से पहले होने वाली मौतों पर योजना के तहत सामान्य मृत्यु पर दो लाख और दुर्घटना मृत्यु पर चार लाख रुपये की सहायता दी जाती है।

प्रदेश के सभी कलेक्टर्स को निर्देश जारी

हर साल 60 हजार से अधिक मामलों में हितलाभ दिए जाने से योजना पर खर्च लगातार बढ़ रहा है। इसी को देखते हुए श्रम विभाग ने सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किए हैं कि जिलों में श्रमिक स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर आयोजित किए जाए। ये शिविर औद्योगिक क्षेत्रों, निर्माण स्थलों, ईंट भट्टों, कारखानों और कृषि आधारित कार्यस्थलों पर लगाए जाएंगे। शिविरों का आयोजन मासिक ग्राम सभा और वार्ड सभाओं के साथ किया जाएगा तथा अनुग्रह सहायता योजना से जुड़े मामलों की जानकारी भी ग्राम सभा की विषय सूची में शामिल की जा सकेगी।

कार्यस्थल सुरक्षा पर सख्ती

कार्यस्थलों पर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सुरक्षा मानकों के सख्त अनुपालन के निर्देश भी दिए गए हैं। कारखानों और निर्माण स्थलों पर हेलमेट, सेफ्टी बेल्ट, ग्लव्स, मास्क सहित सभी आवश्यक सुरक्षा उपकरणों का उपयोग अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराया जाएगा। इसके साथ ही श्रमिकों को सड़क सुरक्षा और सुरक्षित परिवहन के प्रति भी जागरूक किया जाएगा।

नियमित स्वास्थ्य जांच और समन्वय

श्रमिकों को नियमित स्वास्थ्य जांच, जैसे बीपी, शुगर, बीएमआई और कार्डियक रिस्क से जोड़ा जाएगा। उच्च जोखिम वाले श्रमिकों की पहचान कर उन्हें समय पर चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस, परिवहन विभाग और स्थानीय प्रशासन के बीच समन्वय से प्रत्येक जिले में संयुक्त कार्ययोजना तैयार की जाएगी। कार्यशील आयु वर्ग में मौतों के कारणों का विश्लेषण कर उन्हें रोकने के उपायों पर मासिक समीक्षा करने के भी निर्देश कलेक्टरों को दिए गए हैं। सरकार का मानना है कि निवारक स्वास्थ्य उपायों और सुरक्षा जागरूकता से श्रमिकों की मृत्यु दर घटेगी और संबल योजना पर बढ़ते खर्च को भी नियंत्रित किया जा सकेगा।

शिक्षक और अन्य कर्मचारी को ड्यूटी से इनकार पड़ेगा भारी

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल की हाई स्कूल और हायर सेकंडरी परीक्षा 10 फरवरी से शुरू होने वाली है। परीक्षा में जिन शिक्षकों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगी है, यदि वे ड्यूटी से इनकार करते हैं या अपनी ड्यूटी वाली जगह पर उपस्थित नहीं होते हैं तो वे कार्रवाई के दायरे में आएंगे। इस संबंध में बोर्ड ने परीक्षा गाइडलाइन जारी करते समय ही एक पत्र जारी कर परीक्षा ड्यूटी में शामिल सभी शिक्षकों व कर्मचारियों की सेवा को आवश्यक सेवा के दायरे में ला दिया था। यानी ड्यूटी लगने के बाद इनकार करने या ड्यूटी वाली जगह न पहुंचने पर उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है। राज्यपाल के गजट नोटिफिकेशन और बोर्ड के आदेशों के क्रम में जिले में भी परीक्षा कार्य में लगे सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की सेवाओं को एक फरवरी से 30 अप्रैल तक अति आवश्यक सेवाओं के दायरे में लाया गया है। इसका सीधा अर्थ यह है कि इस अवधि के दौरान परीक्षा कार्य से जुड़े किसी भी कर्मचारी की भूमिका को अनिवार्य माना जाएगा।

बहानेबाजी नहीं चलेगी

शिक्षक स्वास्थ्य या अन्य निजी कारणों का हवाला देकर परीक्षा ड्यूटी से नाम कटवाते हैं या मौके पर नहीं पहुंचते। लेकिन इस बार कोई बहाना नहीं चलेगा, बल्कि उन्हें प्रमाण देना पड़ेगा। यदि ऐसा नहीं करते हैं तो मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियमों के तहत कार्रवाई हो सकती है। परीक्षा केंद्रों पर पर्यवेक्षकों, केंद्राध्यक्षों और सहायक केंद्राध्यक्षों की उपस्थिति शत-प्रतिशत अनिवार्य होगी। संवेदनशील और अति-संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर विशेष नजर रखी जाएगी, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो।

मप्र से 8 देशों के लिए शुरू होगी विमान सेवा

- देश के 17 बड़े शहरों से जुड़ेंगे राज्य के एयरपोर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश से जल्द ही सिंगापुर, दुबई, शारजहां, दोहा, अबुधाबी, जेद्दाह, कुआलालम्पुर सहित आठ देशों के लिए वायु सेवा शुरु की जाएगी। इसके लिए मध्य प्रदेश सरकार विमानन कंपनियों को आर्थिक अनुदान भी उपलब्ध कराएगी। इसके साथ ही प्रदेश से अन्य राज्यों के बड़े शहरों के बीच सत्रह घरेलू वायुसेवाएं भी शुरू की जाएंगी।नई विमानन नीति के तहत विमानन विभाग ने मध्य प्रदेश से 17 घरेलू और 8 विदेशों के लिए आर्थिक अनुदान वाली वायुसेवा शुरु करने के लिए विमानन कंपनियों से प्रस्ताव आमंत्रित किए है। ये प्रस्ताव 25 फरवरी तक बुलाए गए है। पहले जो प्रस्ताव बुलाए थे। उसमें रीवा के लिए वायु सेवा शुरू की गई थी।

दूसरे प्रस्ताव में मध्यप्रदेश के जबलपुर, ग्वालियर, रीवा, भोपाल, इंदौर, सतना, खजुराहो, एवं दतिया से अन्य राज्यों में रायपुर, लखनऊ,

वाराणसी, पटना, जम्मू, कोलकाता, चेन्नई, जयपुर, गोवा, भुवनेश्वर, रांची, अमृतसर एवं चंडीगढ़ हेतु घरेलू वायुसेवाएं शुरू करने के लिए निजी विमानन कंपनियों से प्रस्ताव बुलाए गए हैं।

ऐसा रहेगा सब्सिडी का गणित

इन एयरलाइंस कंपनियों को पचास सीटर या इससे अधिक सीट की घरेलू वायुसेवा प्रारंभ करने पर 750 किलोमीटर तक के लिए एक हजार रुपए प्रति किलोमीटर प्रति राउंड ट्रिप अधिकतम साढ़े सात लाख रुपए और 750 किलोमीटर से अधिक की वायुसेवाएं उपलब्ध कराने पर एक हजार रुपए प्रति किलोमीटर प्रति राउंड अधिकतम दस लाख रुपए तक का आर्थिक अनुदान दिया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय उड़ाने संचालित करने पर 180 सीटर वायु सेवा शुरु करने के लिए एक हजार किलोमीटर से अधिक दूरी की उड़ान पर एक हजार रुपए प्रति किलोमीटर प्रति राउंड अधिकतम पंद्रह लाख रुपए का अनुदान राज्य सरकार विमानन कंपनियों को उपलब्ध कराएगी।

12 फरवरी को खुलेगा टेंडर बिड

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री अन्य विशिष्ट अतिथियों के लिए, एक नया विमान राज्य सरकार के विमानन बेड़े में इस साल मई तक आ जाएगा। हेलीकॉप्टर अगले साल जनवरी बेड़े में शामिल हो जाएगा। कंपनियां 11 विभाग को प्रस्ताव भेज सकेंगे। उन्हें 12 फरवरी को डायरेक्ट खोला जाएगा।

एम्स की डॉक्टर को लगातार तीसरी बार मिला नेशनल अवार्ड

भोपाल। एम्स भोपाल के नेत्र रोग विभाग की प्रमुख प्रो. भावना शर्मा को नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में लगातार तीसरी बार 'नेशनल रिसोर्स टीचर गोल्ड प्लाक' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसायटी द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित 'गुरुसंगम' कार्यक्रम में दिया गया। देशभर के करीब 100 वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद डॉ. शर्मा का चयन किया गया। यह पुरस्कार शिक्षण गुणवत्ता, विषय की गहराई, प्रस्तुति की स्पष्टता और व्यावहारिक उपयोगिता जैसे मापदंडों पर दिया जाता है। प्रो. भावना शर्मा पिछले तीन सालों से गुरुसंगम मंच पर लगातार अपने व्याख्यानों के जरिए राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हासिल कर रही हैं। उनके व्याख्यानों को न केवल शिक्षकों बल्कि युवा डॉक्टरों और शोधकर्ताओं ने भी काफी उपयोगी बताया।

मप्र में कांग्रेस संगठन को धार देने की कवायद

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस संगठन आगामी राजनीतिक चुनौतियों और संगठनात्मक मजबूती को लेकर 7, 8 और 9 फरवरी को भोपाल में लगातार तीन दिन अहम बैठकों का आयोजन करने जा रहा है। इन बैठकों की कमान प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी संभालेंगे। माना जा रहा है कि यह बैठकें केवल औपचारिक नहीं बल्कि जमीनी स्तर पर संगठन को फिर से सक्रिय करने और चुनावी रणनीति को धार देने की दिशा में निर्णायक साबित हो सकती हैं।

तीन दिवसीय बैठकों की शुरुआत 7 फरवरी से होगी, जिसमें प्रदेशभर में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया को लेकर गंभीर मंथन किया जाएगा। कांग्रेस का आरोप है कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया में अनियमितताएं सामने आ रही हैं, जिसका सीधा असर लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर पड़ सकता है। बैठक में जिला और संभाग स्तर के नेताओं से फीडबैक लेकर आगे की रणनीति बनाई जाएगी। कांग्रेस इस मुद्दे पर सरकार और चुनाव आयोग दोनों के समक्ष मजबूती से अपनी बात रखने की तैयारी में है। 8 फरवरी को भोपाल संभाग के सभी जिलों के जिला अध्यक्षों और ब्लॉक अध्यक्षों के साथ बैठक होगी। इस बैठक में संगठन की मौजूदा स्थिति की समीक्षा, बूथ स्तर पर सक्रियता, कार्यकर्ताओं की जवाबदेही और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों को लेकर चर्चा होगी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कमजोर प्रदर्शन करने वाले ब्लॉक और जिलों पर सख्त रुख अपनाया जा सकता है, जबकि सक्रिय इकाइयों को अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं।

उज्जैन में जिला-ब्लॉक अध्यक्ष के साथ होगी बैठक

तीसरे दिन 9 फरवरी को उज्जैन संभाग के जिला अध्यक्षों और ब्लॉक अध्यक्षों की बैठक प्रस्तावित है। इस दौरान स्थानीय मुद्दों, सरकार के खिलाफ जनआक्रोश, किसान, युवा और बेरोजगारी जैसे विषयों को लेकर आंदोलनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाएगी। साथ ही संगठन में संभावित फेरबदल और नई टीम तैयार करने पर भी चर्चा संभव है।

सरकार को घेरने की तैयारी में कांग्रेस

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि हाल के घटनाक्रमों और संगठनात्मक निर्देशों के बाद कांग्रेस नेतृत्व अब प्रदेश संगठन पर सीधी पकड़ मजबूत करना चाहता है। प्रभारी हरीश चौधरी की यह सक्रियता आने वाले समय में कांग्रेस की राजनीतिक दिशा और रणनीति तय करने में अहम भूमिका निभा सकती है। तीन दिन की यह बैठकें यह संकेत भी देती हैं कि कांग्रेस अब मैदान में उतरकर सरकार

मप्र कांग्रेस टैलेंट हंट के माध्यम से चुनेगी अपने प्रवक्ता

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ताओं का चयन अब सिफारिशों से नहीं होगा, बल्कि टैलेंट हंट प्रक्रिया के जरिए किया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इस काम के लिए 11 सदस्यीय चयन समिति का गठन किया है। प्रदेश कांग्रेस ने संगठन और मीडिया रणनीति को नया रूप देने की दिशा में ये बड़ा कदम उठाया है। इस समिति की कमान वरिष्ठ नेता मुकेश नायक को सौंपी गई है। उनके साथ पार्टी के सक्रिय विधायक और संगठन से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारी चयन प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाएंगे। खास बात यह है कि यह फैसला प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा मीडिया कमेटी को भंग किए जाने के महज दो दिन बाद सामने आया है, जिसे संगठन में बड़े बदलाव के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

टी20 विश्वकप में आज अमेरिका पर जीत के साथ अपना अभियान शुरु करने उतरेगी भारतीय टीम

मुंबई । सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम शनिवार को यहां टी20 विश्वकप के अपने पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी। भारतीय टीम ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में 4-1 से जीत दर्ज की है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। भारतीय टीम के पास अभिषेक शर्मा और ईशान किशन जैसी आक्रामक जोड़ी हैं। तिलक वर्मा की वापसी से भी टीम की बल्लेबाजी मजबूल हुई है। वहीं टीम की गेंदबाजी अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती पर आधारित रहेगी। ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

कप्तान सूर्यकुमार भी इस साल की शुरुआत से ही फार्म में आ गये हैं जिसका भी लाभ टीम को मिलेगा। ईशान किशन ने विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर पिछले कुछ समय में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। ईशान और अभिषेक शर्मा की जोड़ी भारतीय टीम को धमाकेदार शुरआत दे सकती है।

टीम के पास हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे और अक्षर पटेल जैसे ऑल राउंडर हैं। रिंकू सिंह का फार्म में होना भी टीम के लिए सकारात्मक बात है। गेंदबाजी में बुमराह का साथ देने के लिए अर्शदीप सिंह भी हैं। हर्षित राणा हालांकि चोटिल होने के कारण इस मैच में नहीं रहेंगे। टीम के पास कुलदीप यादव और वरूण चक्रवर्ती जैसा स्पिनर है।

भारतीय टीम को अपने घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। इसके बाद भी वह अमेरिकी टीम को हल्के में नहीं लेगी। अमेरिकी टीम ने पिछली बार पाकिस्तान हराने के बाद सुपर आठ में भारतीय टीम को भी कड़ी टक्कर दी थी। अमेरिकी टीम ने पिछले साल 9 में से आठ मैच जीते हैं और टी20 विश्व कप से पहले श्रीलंका में तीन सप्ताह के शिविर में भाग लिया है। ऐसे में उसे कमजोर नहीं माना जा सकता। उसके पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं। अमेरिकी टीम की कप्तानी भारतीय मूल के मोनांक पटेल के पास है। उन्हें साइतेजा मुक्कमल्ला तथा मिलिंद कुमार से पूरा सहयोग मिला। वहीं गेंदबाजी में सौरभ नेत्रावलकर , हरमीत सिंह जैसे खिलाड़ी हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं -

भारत - सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, इशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, जसप्रित बुमरा, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती।

अमेरिका- मोनांक पटेल (कप्तान/विकेटकीपर), स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर, एंड्रीज़ गौस, मिलिंद कुमार, संजय कृष्णमूर्ति, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, निश्थुश केनजिगे, सौरभ नेत्रावलकर और अली खान।

मंधाना ने बुखार के बाद भी खेली डब्ल्यूपीएल की सबसे अच्छी पारी - कोच रंगराजन

वडोदरा । आरसीबी के कोच मलोलन रंगराजन ने कप्तान स्मृति मंधाना की शानदार बल्लेबाजी की सराहना की है। कोच ने कहा कि मंधाना ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) फाइनल की अब तक की सबसे अच्छी पारी खेली है। इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स से मिले 204 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मंधाना ने 41 गेंदों में 87 रन बनाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 200 से भी अधिक रहा। मंधाना ने अपनी इस पारी में 12 चौके और 3 छक्के लगाए। यह इस टूर्नामेंट के फाइनल की अब तक की सबसे आक्रामक पारी रही है। मंधाना की ये पारी इसलिए भी विशेष है कयोंकि ये उसने बीमार होने के बाद भी खेली। मंधाना को इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी मिला है।

कोच रंगराजन ने कहा कि मंधाना ने डब्ल्यूपीएल फाइनल में अपनी सबसे बेहतरीन पारियों में से एक खेली। रंगराजन ने कहा कि मंधाना ने तेज़ बुखार से पीड़ित होने के बाद भी अच्छी पारी खेली। उन्होंने इसका प्रभाव अपनी पारियों पर नहीं होने दिया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मंधाना ने अपनी सबसे अच्छी पारियों में से एक फाइनल के लिए बचाकर रखी थी। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि हां, वह पिछले 12 महीनों से बहुत अच्छी फॉर्म में रही हैं। वह गेंद को अपने हिसाब से खेल रहीं थीं। मंधाना और जॉर्जिया के अर्धशतक और दोनों के बीच हुई शतकीय साझेदारी से आरसीबी ने डब्लयूपीएल फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराकर दूसरी बार खिताब जीत लिया।

क्रिकेटर रिंकू फेसबुक अकाउंट हैक

अलीगढ। क्रिकेटर रिंकू सिंह की फेसबुक आईडी हैक हो गई। साइबर ठगों ने रिंकू के फेसबुक की ईमेल आईडी बदलकर उससे होने वाली कमाई अपने खाते में ट्रांसफर कर ली। रिंकू के भाई सोनू की शिकायत के बाद मामले में साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज किया गया। सोनू ने शिकायत में कहा है कि रिंकू के फेसबुक पर 16 लाख फॉलोअर्स हैं। वे काफी समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच और टी-20 वर्ल्ड कप की तैयारियों में व्यस्त थे। इस वजह से सोशल मीडिया अकाउंट पर ध्यान नहीं दे पा रहे थे। सोनू ने बताया कि रिंकू ने 4 फरवरी को मुंबई से अपना फेसबुक एकाउंट लॉग इन किया। काफी कोशिशों के बाद भी आईडी नहीं खुली। पासवर्ड गलत बताता रहा। बाद में पता चला कि उनकी ईमेल आईडी ही बदल गई है। उनका फेसबुक से लॉग-इन था, लेकिन अब अकाउंट दूसरी मेल आईडी से लॉग-इन दिखा रहा है।

विश्वकप में ईशान ही करेंगे पारी की शुरुआत - आकाश चोपड़ा

मुम्बई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मुकाबले के बाद साफ हो गया है कि टी20 विश्वकप क्रिकेट में पारी की शुरुआत ईशान किशन ही करेंगे। चोपड़ा के अनुसार जिस प्रकार अभ्यास मैच में ईशांत को अवसर मिला और उन्होंने अर्धशतक लगाया उससे सारी तस्वीर साफ हो गयी है। अब संजू सैमसन को अवसर मिलने की संभावना समाप्त हो गयी है। चोपड़ा का मानना है कि ईशान ने अपने हाल के प्रदर्शन से विश्वकप में सलामी बल्लेबाज के तौर पर अपनी जगह तकरीबन पक्की कर ली है। चोपड़ा ने कहा कि अब इस फैसले पर कोई संशय नहीं रहा है। उनके कहा कि ईशान ने जिस प्रकार अवसर का लाभ उठाया है। उसकी अनदेखी चयनकर्ता और टीम प्रबंधन नहीं कर सकते हैं। ईशान ने अभ्यास मैच में केवल 20 गेंदों में 53 रन बनाकर अपना फार्म साबित कर दिया। इस पारी में उन्होंने सात छक्के भी लगाये।

आरसीबी की दूसरी डब्लूपीएल खिताबी जीत पर बोले विराट, एक बार फिर चैम्पियन बना गर्व की बात

वडोदरा । स्मृति मंधाना की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु(आरसीबी) ने दूसरी बार महिला प्रीमियर लीग (डब्लूपीएल) खिताब जीता है। खिताबी मुकाबले में आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराया। आरसीबी की कप्तानी करते हुए मंधाना ने फाइनल मुकाबले में 41 गेंद में 87 रन बनाये। वहीं जॉर्जिया वोल ने 79 रन बनाए। मंधाना और जॉर्जिया वोल ने दूसरे विकेट के लिए 165 रन बनाये। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स के अर्धशतक की सहायता से 15 गेंद में 35 रन बनाये। इस प्रकार दिल्ली ने 4 विकेट पर 203 रन बनाये। आरसीबी ने 19.4 ओवरों में ही ये लक्ष्य मंधान और जॉर्जिया के शानदार प्रदर्शन से हासिल कर लिया। कोहली ने इस शानदार जीत पर खुशी जताते हुए सोशल मीडिया में लिखा, 'एक बार फिर चैंपियन। आरसीबी का झंडा ऊंचा रखने के लिए और यह हर किसी के लिए गर्व की बात है।'

आरसीबी ने इससे पहले साल 2024 में डब्ल्यूपीएल जबकि पुरुष टीम ने 2025 में आईपीएल खिताब जीता था। इस अवसर पर भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने कहा, 'बड़े मौके, बड़े लीडर। मंधाना ने सबसे बड़े मंच पर शानदार प्रदर्शन किया। जॉर्जिया वोल ने भी अच्छा साथ दिया, जिससे आरसीबी की महिला टीम ने अपना दूसरा डब्ल्यूपीएल खिताब अपने नाम किया।' आरसीबी की इस जीत पर विराट कोहली भी खुशी से झूम उठे। कोहली आईपीएल की शुरुआत से ही आरसीबी का हिस्सा रहे हैं, उन्होंने लंबे समय तक टीम की कप्तानी भी की है। 17 साल ट्रॉफी का उन्होंने इंतजार किया था, ऐसे में वह इसका महत्व जानते हैं। कोहली ने मंधाना और टीम को सोशल मीडिया के जरिए बधाई दी है और उन्हें इस जीत का अधिकारी बताया है। बता दें, दिल्ली ने आरसीबी के सामने जीत के लिए 204 रनों का लक्ष्य रखा था, इस स्कोर को आरसीबी ने एक ओवर और 2 गेंदें पहले ही हासिल कर लिया था।

आरसीबी के दूसरी बार चैंपियन बनने पर विराट ने लिखा, 'फिर से चैंपियन। आरसीबी का झंडा ऊंचा लहराते हुए जिस पर आप सभी गर्व कर सकते हैं। मंधाना और पूरी टीम को इस शानदार जीत के लिए बहुत-बहुत बधाई। आप लोग इसके अधिकारी हैं, इसमें कोई संदेह नहीं। इस पल का आनंद लें और प्रशंसकों के प्यार को भी महसूस करें।'

यह पहली बार है कि पुरुषों और महिलाओं दोनों खिताब एक ही फ्रेंचाइजी ने जीते हैं। आरसीबी की पुरुष टीम आईपीएल की गत विजेता है। वहीं महिला टीम 2026 में चैंपियन बनी है। मंधाना ने आरसीबी की इस जीत पर कहा, 'बहुत खुश हूं। फिर से, मुझे लगता है कि आरसीबी के प्रशंसक दुनिया के सबसे अच्छे प्रशंसक हैं, हम जहां भी खेलते हैं, हमें बहुत समर्थन मिलता है। वे इंतजार करते रहते हैं। उन्हें पता है कि हम जो कुछ भी करते हैं, वह उनके लिए करते हैं। फ्रेंचाइजी ने तीन साल में तीन खिताब जीते हैं।

पूर्व स्ट्राइकर रोनाल्डो को इस बार ब्राजीत के विश्वकप जीतने की उम्मीदें

रियो डी जेनेरो। ब्राजील के पूर्व स्ट्राइकर रोनाल्डो रुइस नेज़रियो को उम्मीद है कि इस बार उनकी टीम 11 जून से 19 जुलाई तक तक संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में होने वाले विश्वकप फुटबॉल को जीत सकती है। रोनाल्डो के अनुसार मैनेजर कार्लो एंसेलोटी के आने के बाद टीम काफी बेहतर हुई है। पांच बार की विश्व विजेता ब्राज़ील का प्रदर्शन क्वालीफायर में अच्छा नहीं रहा रहा। वह 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी ग्रुप में पांचवें स्थान पर रही है पर रोनाल्डो ने कहा कि पिछले साल मई में एंसेलोटी के आने के बाद से ही टीम के खेलने के अंदाज में काफी बदलाव आया है।

दो बार विश्व विजेता टीम में शामिल रहे रोनाल्डो से कहा, मुझे इस बार काफी उम्मीद हैं। मैंने टीम से कुछ बार मुलाकात की है और मेरा मानना है कि टीम इस बार छठा खिताब जीतेगी। में एंसेलोटी के काम करने का अंदाज जानता हूं, मैं उनके काम करने का तरीका जानता हूं, इसलिए जब वह राष्ट्रीय टीम में शामिल हुए थे, उससे कहीं ज्यादा मैं अब उत्साहित हूं। विश्व कप में ब्राजील 13 जून को मोरक्को के खिलाफ ग्रुप सी से अपना अभियान

शुरू करेगा, जिसके बाद 19 जून को हैती और 24 जून को स्कॉटलैंड से उसका मुकाबला होगा। गौरतलब है कि रोनाल्डो ने साल 2002 में ब्राजील को अंतिम बार विश्वकप में जीत दिलाई थी, तब उन्होंने आठ गोल किए थे, जिसमें जर्मनी के खिलाफ फाइनल में दो गोल शामिल थे, उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट से देश में एकता बढ़ेगी। पूर्व बार्सिलोना और रियल मैड्रिड स्टार ने कहा, यह (वर्ल्ड कप) एक ब्राजीलियाई के लिए सबसे बड़ी खुशी है। यह एक ऐसा योजन है जो हमारे छठे खिताब की तलाश में ब्राज़ीलियाई लोगों को एक साथ लाएगा। मुझे लगता है कि हमें इस अवसर का पूरा लाभ उठाना चाहिए।

टी20 विश्वकप में भारतीय टीम को न्यूज़ीलैंड से रहना होगा सावधान - वरुण आरोन

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर वरुण आरोन ने कहा है कि इस बार भारतीय टीम टी20 विश्वकप में जीत की प्रबल दावेदार है पर उसे एक टीम से सावधान रहना होगा। आरोन ने कहा कि भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका से नहीं बल्कि न्यूज़ीलैंड से सावधान रहना होगा। आरोन के अनुसार हाल में भारतीय टीम ने टी20 सीरीज में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ शानदार जीत हासिल की है। जिसका उसे लाभ मिलेगा पर इसके बाद भी कम आंकना भूल होगी। आरोन के इस बारे में अपने तर्क हैं। आरोन ने कहा कि न्यूज़ीलैंड के बल्लेबाजों की स्पिन खेलने की क्षमता और भारतीय हालातों में खेलने का अनुभव उन्हें बेहद खतरनाक बनाता है। न्यूज़ीलैंड के पास ऐसे कई बल्लेबाज हैं जो स्पिनरों का बेहतर तरीके से सामना करते हैं। सभी जातने है कि उपमहाद्वीप में सफल होने के लिए स्पिनरों को खेलना आना चाहिये।,उन्होंने कहा कि न्यूज़ीलैंड के खिलाड़ियों को आईपीएल खेलने का लंबा अनुभव है, जिससे वे भारत की पिचों और यहां के हालातों को अच्छी तरह से समझते हैं। आरोन के अनुसार अभी कीवी बल्लेबाज डैरिल मिचेल इस समय बेहतरी फॉर्म में हैं और वह टी की जीत में अहम भूमिका निभाएंगे।। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि न्यूज़ीलैंड की टीम बेहद जुझारु है और अंत तक हार नहीं मानती और यही खूबी उसे विशेष बनाती है। उनकी टीम में स्टार खिलाड़ नहीं है पर सभी अपनी ओर से योगदान देते हैं। उन्होंने कीवी टीम के क्षेत्ररक्षण की भी सराहना की और कहा कि टीम मैदान पर काफी रन बचाती है, जिससे भी बड़े टूर्नामेंट में अंतर आता है। आरोन ने कहा कि न्यूज़ीलैंड की गेंदबाजी भी संतुलित है उसके पास अच्छे तेज गेंदबाज और स्पिनर हैं। उसके स्पिनर मिशेल सैंटनर धीमी पिचों पर बेहद प्रभावी साबित हो सकते हैं।, उन्होंने कहा कि आईपीएल में खेलने के कारण सैंटरन जानते हैं कि कब क्या करना है। विश्वकप में ग्रुप बी में न्यूज़ीलैंड को रखा गया है। इसमें उनके साथ ही दक्षिण अफ्रीका,अफगानिस्तान,यूएई, कनाडा की टीमें हैं।

नेपाल के दीपेंद्र के नाम है टी20 में सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड

मुम्बई । आईसीसी टी20 विश्वकप में रोहित पौडेल की कप्तानी में नेपाल की टीम उतरेगी। नेपाल को विश्व कप लिए ग्रुप-सी में रखा गया है। इस ग्रुप में इटली, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड की टीमें शामिल है। नेपाली टीम अपने चारों लीग मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेलेगी। उसका शुरुआती मुकाबला 8 फरवरी को इंग्लैंड से होना है। इसके बाद उसे इटली, वेस्टइंडीज का मुकाबला करना है। नेपाल की टीम के बल्लेबाज दीपेंद्र सिंह ऐरी के नाम क्रिकेट इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड दीपेंद्र के नाम है। दीपेंद्र ने हांगझोउ एशियन गेम्स 2023 में मंगोलिया के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में केवल 9 गेंदों पर अर्धशतक लगाया था। जो इस बार भी टूटना असंभव है। दाएं हाथ के बैटर दीपेंद्र के नाम टी20 मैच के दौरान एक ओवर में छह छक्के जड़ने का भी रिकार्ड है।टी20 अंतराष्ट्रीय में नेपाल की ओर से सबसे अधिक रनों का रिकार्ड भी इस खिलाड़ी के नाम है। दीपेंद्र ने 90 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 32.06 के औसत से 1956 रन बनाये हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 10 अर्धशतक बनाये। इनके बाद कुशल भुरतेल और आसिफ शेख हैं, जिन्होंने अबतक 70 और 68 मैचों में क्रमशः 1807 एवं 1639 रन बनाए हैं। मंगोलिया के खिलाफ उस मुकाबले में नेपाल ने तीन विकेट पर 314 रन बनाए थे, जो तब टी20 अंतरराष्ट्रीय का सबसे बड़ा स्कोर था हालांकि जिम्बाब्वे ने अक्टूबर 2024 में गाम्बिया के खिलाफ 344/4 का स्कोर बनाकर ये रिकॉर्ड तोड़ दिया था।

गेंदबाजों की बात करें तो स्पिनर संदीप लामिछाने टी20 इंटरनेशनल में नेपाल के सबसे सफल गेंदबाज हैं। संदीप ने 67 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 12.05 की औसत से 129 विकेट लिए है। नेपाली टीम ने अब तक 112 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं, जिसमें उसने 65 में जीत हासिल की जबकि 41 मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा। नेपाल की टीम टीम टी20 में वेस्टइंडीज, आयरलैंड और नीदरलैंड्स को भी हरा चुकी है!

मंधाना को डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी के साथ ही मिला प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड

वडोदरा। डब्ल्यूपीएल में स्मृति मंधाना की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने दूसरी बार खिताब जीत है। इस जीत के दौरान मंधान ने 87 रनों की आक्रामक पारी खेली जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। आरसीबी ने इससे पहले 2024 में डब्ल्यूपीएल का खिताब जीता है। आरसीबी को विजेता बनने पर 6 करोड़ का इनाम मिला। वहीं चौथी बार फाइनल में उपविजेता रही दिल्ली कैपिटल्स को 3 करोड़ का इनाम मिली। इसके अलावा स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर और सोफी डिवाइन को भी पांच-पांच लाख रुपये की इनामी राशि मिली है।

वैभव सूर्यवंशी : यूथ-वनडे में 100 छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज

हरारे । वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 क्रिकेट में अपनी बल्लेबाजी से ऐसे रिकॉर्ड खड़े कर दिए हैं, जो उन्हें बाकी खिलाड़ियों से बिल्कुल अलग श्रेणी में ले जाते हैं। यूथ वनडे क्रिकेट में उन्होंने महज 25 पारियों में 110 छक्के जड़ दिए हैं। यह आंकड़ा अपने आप में चौंकाने वाला है, क्योंकि उनसे अगले सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बांग्लादेश के जवाद अबरार हैं, जिनके नाम 33 पारियों में सिर्फ 55 छक्के दर्ज हैं। यानी सूर्यवंशी ने उनसे ठीक दोगुने छक्के, कम पारियों में लगाए हैं। इतना ही नहीं, वह यूथ वनडे में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने विजय जोल का रिकॉर्ड तोड़ा।

411 रन, अंडर-19 विश्व कप इतिहास में नया अध्याय

भारत ने इस मुकाबले में 411/9 का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके साथ ही भारत अंडर-19 विश्व कप के प्लेऑफ मुकाबले में 350 से ज्यादा रन बनाने वाली पहली टीम बन गई। इससे पहले भी यह रिकॉर्ड भारत के ही नाम था। 2016 क्वार्टरफाइनल में नामीबिया के खिलाफ 349/6 रन बनाए थे, जब ऋषभ पंत ने 96 गेंदों में 111 रन की धमाकेदार पारी खेली थी।

फाइनल में भी टूटा पुराना रिकॉर्ड

अंडर-19 विश्व कप फाइनल में इससे पहले सबसे बड़ा स्कोर ऑस्ट्रेलिया का 253/7 था, जो उसने 2024 में भारत के खिलाफ बनाया था। भारत ने इस बार उस रिकॉर्ड को भी काफी पीछे छोड़ दिया।

भारत की बादशाहत, बाकी टीमें पीछे

यह भारत का अंडर-19 विश्व कप में तीसरा 400+ स्कोर है। दिलचस्प बात यह है कि दुनिया की किसी और टीम ने इस टूर्नामेंट में एक से ज्यादा बार 400 रन का आंकड़ा नहीं छुआ।

रिकॉर्ड चेज भी भारत के नाम

अंडर-19 विश्व कप में सबसे बड़ा रन चेज भी भारत के ही नाम है। भारत ने बुधवार को सेमीफाइनल में अफगानिस्तान के खिलाफ 311 रन का लक्ष्य हासिल कर इतिहास रच दिया था। कुल मिलाकर, वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक बल्लेबाजी और भारत की रिकॉर्डतोड़ पारियां यह साफ संकेत देती हैं कि अंडर-19 स्तर पर टीम इंडिया इस समय बाकी दुनिया से कई कदम आगे चल रही है।

रिकॉर्ड्स की बरसात

भारत के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 विश्व कप 2026 के फाइनल में ऐसा प्रदर्शन किया, जिसने जूनियर क्रिकेट का इतिहास ही बदल दिया। इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई उनकी 175 रन की पारी सिर्फ एक बड़ी पारी नहीं, बल्कि रिकॉर्ड्स की पूरी फेहरिस्त थी। उन्होंने न सिर्फ भारत, बल्कि पूरे अंडर-19 वर्ल्ड कप में ऐसे कीर्तिमान बनाए, जो पहले कभी नहीं देखे गए थे।

वैभव सूर्यवंशी के बड़े व्यक्तिगत रिकॉर्ड्स

रिकॉर्ड	विवरण
यूथ वनडे में 100 छक्के पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज	25 पारियों में
यूथ वनडे की एक पारी में सबसे ज्यादा बाउंड्री रन	150 रन (75 गेंदों में)
यूथ वनडे की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के	15 छक्के
एक ही अंडर-19 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा छक्के	30 छक्के
अंडर-19 विश्व कप फाइनल में भारत का सर्वोच्च स्कोर	175 रन (80 गेंद)
अंडर-19 यूथ वनडे में सबसे तेज 150	71 गेंदों में
अंडर-19 वर्ल्ड कप में दूसरा सबसे तेज शतक	55 गेंदों में
यूथ वनडे में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन	1412 रन

12 फरवरी के बाद भारत से खेलने तैयार हो जाएगा पाक - चेतन शर्मा

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति के पूर्व प्रमुख चेतन शर्मा ने कहा है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) 12 फरवरी के बाद भारत से खेलने को तैयार हो जाएगा। चेतन के अनुसार पाकिस्तान सरकार और क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का विश्वकप बहिष्कार का फैसला राजनीतिक है और इसमें बदलावा आना तय है।

चेतन का ये बयान हैरानी भरा लगा है क्योंकि गत दिवस ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने साफ कर दिया कि उनकी टीम टी20 विश्वकप में खेलेगी पर भारतीय टीम के खिलाफ मैच का बहिष्कार करेगी। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को अब भी उम्मीद है कि पाकिस्तान के रुख में बदलाव होगा क्योंकि मैच न खेलने उसपर प्रतिबंध सहित कई अन्य प्रकार की कार्रवाई की जा सकती है। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को विश्वकप से बाहर किये जाने के विरोध में

विश्वकप से नाम वापस लिया है।

चेतन ने कहा, 'बांग्लादेश के खिलाड़ियों की क्या गलती थी ? कोई नहीं। ये सब राजनीति है. बांग्लादेश में 12 तारीख को चुनाव हैं। उसके बाद आप देखेंगे इस सामले में फैसला पलटेगा। पाक से एक बयान आएगा, जिसमें कहा जाएगा कि जनता की भावना को देखते हुए पाक टीम भारत से खेलेगी क्योंकि खेल को नुकसान नहीं होना चाहिये।' अभी का कड़ा रुख केवल बांग्लादेश चुनाव के कारण है। चुनाव के बाद शायद सेना प्रमुख भी कह दें कि खेल को राजनीति से दूर रखना चाहिए और मैच होना चाहिए।' चयन समिति के पूर्व प्रमुख चेतन ने कहा कि बहिष्कार से सबसे अधिक नुकसान पाकिस्तान के खिलाड़ियों को हो रहा है। उन्होंने कहा, 'पाक बोर्ड ने अभी तक आईसीसी को कुछ भी औपचारिक रूप से नहीं बताया है। इस मामले से खिलाड़ी संश मे हैं।' वहीं पीसीबी जो भी करे, भारतीय टीम इस मैच के लिए तय समय पर कोलंबो पहुंचेगी। भारतय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी साफ कर दिया कि टीम कोलंबो जाएगी और मैच खेलेगी। उन्होंने कहा, 'हमारा रुख साफ है हमने खेलने से इंकार नहीं किया। आईसीसी ने जो कार्यक्रम तय किया है। हम उसका पालन करेंगे।' पाक टीम ये मैच नहीं खेलती है तो भारतीय टीम को वाकओवर के तौर पर दो अंक मिल जाएंगे।

उत्कृष्ट विद्यालय से वितरित की गई कक्षा 10वीं कक्षा 12वीं की परीक्षा सामग्रियां

5 विकासखंडों के केंद्र अध्यक्षों को सौपी गई परीक्षा सामग्री, आज 05 विकासखंडों के लिए परीक्षा सामग्रियों का होगा वितरण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल की मंशा अनुरूप इस वर्ष कक्षा 10वीं कक्षा 12वीं की परीक्षा 13 और 10 फरवरी से शुरू होनी है। जहां इन परीक्षाओं को संपन्न कराने के लिए जिला स्तर पर व्यापक तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। इस वर्ष बोर्ड की परीक्षाओं को संपन्न कराने के लिए जिले में 132 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जहां 39,173 विद्यार्थी इस परीक्षा में शामिल होंगे. वही नकल प्रकरण को रोकने के लिए 9 टीम उड़नदस्ता के लिए तैयार की गई है। जहां कुछ दिन बाद से शुरू हो रही इन बोर्ड परीक्षाओं को मद्देनजर रखते हुए माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा समन्वय संस्था उत्कृष्ट विद्यालय मे कक्षा 10वीं और कक्षा बारहवीं के प्रश्न पत्र उत्तर पुस्तिकाएं सहित अन्य गोपनीय सामग्री भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पहुंचाई गई थी। जहां लाल बॉक्स की पैकिंग व हल्के नीले बॉक्स की पैकिंग में कक्षा 10 वी,12वीं की उत्तर पुस्तिका एवं प्रश्नपत्र सहित अन्य सामग्रियां मंडल द्वारा भेजी गई थी. जिसे भारी सुरक्षा के बीच में उत्कृष्ट विद्यालय में जमा कराकर ,वहां पुलिस बल की तैनाती की गई थी। मंडल द्वारा भेजी गई परीक्षा सामग्रियों का आज 6 फरवरी शुक्रवार को समन्वय संस्था उत्कृष्ट विद्यालय से वितरण किया गया। जिसमें 10 विकास खंडों में से 5 विकासखंडों के केंद्राध्यक्ष को कक्षा दसवीं कक्षा बारहवीं की गोपनीय सामग्री सौंपी गई है, तो वही आज शनिवार को रिक्त पांच विकास खंडों को कक्षा दसवीं कक्षा बारहवीं की परीक्षा सामग्री सौंपी जाएगी।

132 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होंगी बोर्ड परीक्षाएं

माध्यमिक शिक्षा मंडल म.प्र. भोपाल के निर्देशानुसार जिले में परीक्षा संचालन को लेकर कुल 132 परीक्षा केन्द्र बनाए गए है। जहा 12 वीं बोर्ड की परीक्षा 10 फरवरी से प्रारंभ होकर 7 मार्च तक चलेगी। जबकि कक्षा दसवीं की परीक्षा 13 फरवरी से प्रारंभ होकर 6 मार्च तक होगी इस वर्ष जिले में कक्षा दसवी में 21682 और कक्षा 12 वीं में 17491 परीक्षार्थी शामिल होंगे। जिनके लिए 132 परीक्षा केन्द्र बनाए गए है। जहां सभी 132 परीक्षा केन्द्रो में हाईस्कूल की परीक्षाएं होंगी। वहीं 118 परीक्षा केन्द्रो में 12 वीं की परीक्षाएं आयोजित की जाएगी। इन परीक्षार्थियो में स्वाध्यायी परीक्षार्थी कक्षा दसवी में 1154 और 12 वीं में 863 है, जिनके लिए संदीपनी स्कूल बालाघाट और महारानी लक्ष्मीबाई कन्या विद्यालय को केन्द्र बनाया गया है। जिसे बोर्ड ने संवेदनशील केंद्र माना है।

> 13 फरवरी से दसवीं की, 10 फरवरी से कक्षा बारहवीं की शुरू होनी है परीक्षाएं
> परीक्षा संपन्न कराने जिले में बनाए गए 132 परीक्षा केंद्र
> जिले में 39,173 परीक्षार्थी देंगे बोर्ड परीक्षा,उड़नदस्ता टीम सहित तमाम तैयारियां पूर्ण

परीक्षा सामग्री वितरण का आज अंतिम दिन

माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं की गोपनीय सामग्री का वितरण 6 जनवरी से जिले में प्रारंभ हो गया।जो शनिवार तक चलेगा।जिसमें पहले दिन शुक्रवार को जिले के बैहर, बिरसा, परसवाड़ा, लांजी और कटंगी के 69 परीक्षा केन्द्रो के केन्द्राध्यक्ष और सहायक केन्द्राध्यक्ष को गोपनीय सामग्री प्रदान की गई। जबकि 7 फरवरी शनिवार को बालाघाट, वारासिवनी, खैरलांजी, किरनापुर और लालबर्रा विकासखंड के 63 केन्द्रो को गोपनीय सामग्री का वितरण किया जाएगा।आपको बताए कि इस वर्ष हायर सेकेंडरी और हाईस्कूल बोर्ड परीक्षाओ में जिले के 39173 परीक्षार्थी शामिल हो रहे है।

नकल प्रकरण रोकने बनाई गई 21 उड़नदस्ता टीम, 63 लोगो को मिली जिम्मेदारी

जिले में बोर्ड परीक्षा सुचारू रूप से संपन्न कराए जाने को लेकर विभागीय तौर पर उड़नदस्ता टीम बनाई गई है।शिक्षा विभाग के अलावा प्रशासनिक अधिकारियों को भी टीम में शामिल किया जा रहा है।यह टीम जिले भर के परीक्षा केन्दों में औचक निरीक्षण कर परीक्षा संचालन का जायजा लेगी। परीक्षा के दौरान प्रागंण में किसी भी प्रकार के बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश वर्जित रहेगा। जिला मुख्यालय समेत तहसील क्षेत्रो में भी करीब 21 टीमे तैयार की गई है। परीक्षा संचालन को लेकर केन्द्र अध्यक्ष सहायक अध्यक्षो का चयन कर उन्हे जिम्मेदारी सौंपी गई है।बताया गया कि प्रत्येक उ?नदस्ता टीम में 3 लोग रहेंगे, जिंसमे स्थानीय एसडीएम दल प्रमुख होंगे, इसके अलावा तहसीलदार, नायाब तहसीलदार, डिओ आदि को मिलाकर करीब 63 लोगो को टीम में शामिल किया गया है।जिसमें प्रशासनिक टीम में एसडीएम और तहसीलदार के 10, शिक्षा विभाग और जनजातीय विभाग के 10 और एक जिला स्तर का फ्लाईंग स्कॉट होगा। इस तरह 21 फ्लाईंग स्कॉट की टीम केन्द्रो का निरीक्षण कर परीक्षा के संचालन और नकल पर नजर रखेगी।बोर्ड के आदेशानुसार, इस वर्ष शासकीय शिक्षकों की ही ड्यूटी लगाई जाएगी। जिसमें प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों को ही ड्यूटी में रखा जाएगा।

परीक्षा को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है- उपाध्याय

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्याय ने बताया कि मंडल से प्राप्त कक्षा दसवीं और कक्षा बारहवीं की समस्त गोपनीय सामग्रियों का वितरण 6 और 7 फरवरी को समन्वय संस्था उत्कृष्ट विद्यालय से किया जान था। जिसके तहत आज बैहर, बिरसा, परसवाड़ा, लांजी और कटंगी के विकासखड प्रभारियों को 69 परीक्षा केंद्रों के लिए कक्षा 10वीं और कक्षा बारहवीं की गोपनीय सामग्रीयों का वितरण किया गया है। तो वही कल शनिवार को बालाघाट ,वारासिवनी ,लालबर्रा, किरनापुर और खैरलांजी के 63 परीक्षा केंद्रों के लिए विकासखड केंद्र अध्यक्षों को परीक्षा सामग्रियों का वितरण किया जाएगा।उन्होंने आगे बताया कि जहां संबंधित विकास खंड केंद्र के अधिकारी मंडल से प्राप्त गोपनीय सामग्री को उनके स्थानीय थाने में जमा कराएंगे जहां परीक्षा के 1 घंटे पूर्व थाने से गोपनीय सामग्रियां कलेक्टर प्रतिनिधि की उपस्थिति में थाने से निकालकर परीक्षा केंद्र लाया जाएगा। जहां परीक्षा शुरू होने के 10 मिनट पूर्व प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिकाएं विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जाएंगी।

गृह मंत्री शाह ने की पहली सरकारी कैब सर्विस 'भारत टैक्सी' लॉन्च

-ड्राइवर्स को नहीं देना होगा कमीशन, नहीं बढ़ेगा पीक आवर में भी किराया

नई दिल्ली,। देश की पहली सरकारी सहकारी कैब टैक्सी सर्विस 'भारत टैक्सी' की औपचारिक शुरुआत आज से दिल्ली और गुजरात के कुछ शहरों में हो गई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में इस ऐप को लॉन्च किया। यह सेवा निजी कैब एग्रीगेटर कंपनियों के विकल्प के रूप में पेश की गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य ड्राइवरों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और यात्रियों को किफायती व पारदर्शी किराया उपलब्ध कराना है।

लॉन्च के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, कि भारत टैक्सी की सबसे बड़ी विशेषता इसका 'जीरो-कमीशन मॉडल' है। इस प्लेटफॉर्म पर ड्राइवरों से कोई कमीशन नहीं लिया जाएगा और वे स्वयं इस सहकारी मॉडल के हिस्सेदार और मालिक होंगे। उन्होंने बताया कि निजी कंपनियों की तरह इसमें ड्राइवरों की कमाई से 20 से 30 प्रतिशत तक की कटौती नहीं होगी, जिससे उनकी आय में सीधा लाभ होगा। यात्रियों के लिए राहत पर शाह ने कहा, यात्रियों के लिए राहत की बात यह है कि भारत टैक्सी में पीक आवर्स के दौरान सर्ज प्राइसिंग लागू नहीं की जाएगी। यानी व्यस्त समय में भी किराया नहीं बढ़ेगा और यात्रियों को उचित दरों पर टैक्सी उपलब्ध होगी। यह पहल निजी एग्रीगेटर कंपनियों के एकाधिकार को तोड़ने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

सारथी हुए सम्मानित

गौरतलब है कि भारत टैक्सी का ट्रायल 2 दिसंबर को दिल्ली और गुजरात के राजकोट में शुरू किया गया था, जो पूरी तरह सफल रहा। लॉन्चिंग कार्यक्रम के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाले छह ड्राइवर्स, जिन्हें 'सारथी' नाम दिया गया है, को सम्मानित किया गया। इन ड्राइवर्स को कंपनी के शेयर सर्टिफिकेट प्रदान किए गए, जिससे वे इस प्लेटफॉर्म के वास्तविक भागीदार बन सके। साथ ही, सम्मानित ड्राइवर्स को 5 लाख रुपये का एक्सिडेंटल इंश्योरेंस और 5 लाख रुपये का फैमिली हेल्थ इंश्योरेंस कवर भी दिया गया।

दो वर्षों में देशभर में होगा विस्तार

इसके अलावा, भारत टैक्सी से जुड़ने वाले सभी ड्राइवर्स के लिए रिटायरमेंट सेविंग्स, ड्राइवर सपोर्ट सिस्टम और अन्य सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। सरकार का लक्ष्य अगले दो वर्षों में इस सेवा को देश के सभी राज्यों और प्रमुख शहरों तक विस्तार देने का है। इसके लिए भारत टैक्सी को सरकार के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ इंटीग्रेट किया जाएगा। दिल्ली में ड्राइवर्स की सहायता के लिए सात प्रमुख स्थानों पर सपोर्ट सेंटर भी शुरू किए गए हैं।

गोलवलकर से जुड़ी टिप्पणी को लेकर फंसे दिग्विजय, नहीं होगी मानहानि याचिका खारिज

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह, राष्टीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) और दूसरे सरसंघचालक एमएस गोलवलकर से जुड़ी एक टिप्पणी को लेकर फंसते नजर आ रहे हैं। इस मामले में उनके खिलाफ दायर एक मानहानि याचिका को कोर्ट ने खारिज करने से इनकार कर दिया है।8 जुलाई 2023 को सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में दिग्विजय सिंह ने दूसरे सरसंघचालक गोलवलकर की एक तस्वीर साझा करके उसके कैप्शन में लोगों से सवाल पूछा था कि क्या वह दलितों, पिछड़े वर्गों, मुसलमानों और भूमि, जल व जंगल से जुड़े मुद्दों पर गोलवलकर के विचारों से परिचित हैं? इस पोस्ट को लेकर संघ के स्वयंसेवक शशिकांत चंपानेकर ने दिग्विजय सिंह के खिलाफ मामला दायर किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे संघ की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। याचिका के दाखिल होने के बाद कोर्ट ने सुनवाई शुरू कर दी है। राज्यसभा सांसद सिंह ने इस याचिका को खारिज करने की अपील करते हुए तर्क दिया कि यह मामला कानूनन विचारणीय नहीं है। इस पर सिविल जज राजेश बी. खंडारे ने कहा कि दिग्विजय सिंह के खिलाफ दायर मानहानि याचिका में वैध कारण बनता है। इसी वजह से इसे खारिज नहीं किया जा सकता है। दिग्विजय सिंह की ओर से दलील दी गई कि याचिका कर्ता को यह मुकदमा दायर करने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि संघ न तो कोई पंजीकृत संस्था है और न ही कानूनी व्यक्ति है। ऐसे में वह मुकदमा दायर नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि आखिर कोई व्यक्तिगत सदस्य संघ और गोलवलकर की ओर से हर्जाना कैसे मांग सकता है? इस पर याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि आपराधिक मानहानि कानून के तहत किसी पहचाने जाने योग्य समूह की मानहानि की जा सकती है और उस समूह का कोई आहत सदस्य कानूनी कार्रवाई कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़े गंभीर और विचारणीय मुद्दे हैं, जिनका फैसला केवल साक्ष्य दर्ज होने के बाद ही किया जा सकता है, न कि वाद खारिज करने के चरण पर। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि इस वाद को खारिज नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि याचिका में कारण बनता है, संघ सदस्य के मुकदमा दायर करने के अधिकार को इस चरण पर कानून द्वारा प्रतिबंधित नहीं कहा जा सकता और वाद के मूल्यांकन या कोर्ट फीस की पर्याप्तता जैसे मुद्दे बिना सुधार का अवसर दिए वाद खारिज करने का आधार नहीं बन सकते।

कोयला खदान में विस्फोट से अब तक 18 की मौत, कई मलबे में दबे, बचाव कार्य जारी

शिलांग। मेघालय के ईस्ट जयंतिया हिल्स जिले में गुरुवार को कोयला खदान में विस्फोट ने पूरे देश को हिला दिया। अवैध रूप से संचालित इस खदान में अचानक हुए धमाके के बाद चीख-पुकार मच गई। मजदूरों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। विस्फोट इतना भीषण था कि कई मजदूर अंदर ही फंस गए। राहत और बचाव टीमें मौके पर पहुंची। भारी मशक्कत के बाद 18 मजदूरों के शव निकाले जा चुके हैं, कई लोगों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस दर्दनाक हादसे ने खदानों में सुरक्षा व्यवस्था और अवैध खनन के मुद्दे को फिर से चर्चा में ला दिया है। हादसे की खबर मिलते ही राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों सक्रिय हो गईं। पीएम मोदी ने हादसे पर गहरा शोक जताते हुए मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक सहायता का ऐलान किया। वहीं मेघालय के सीएम कॉनराड संगमा ने घटना की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं।

एनसीपी विलय पर संशय, रोहित पवार बोले- काकी सुनेत्रा 9 फरवरी के बाद करेंगी बात

-शरद पवार ने सुनेत्रा पवार के घर जाकर की थी मुलाकात, चर्चाओं पर मिला बल

मुंबई। अजित पवार के निधन के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल मची है। उनके निधन के तीन दिन बाद ही सुनेत्रा पवार ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली। इसके बाद से चर्चा तेज है कि वह एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर भी जिम्मेदारी संभाल सकती है। इस बीच चर्चा है कि एनसीपी का विलय भी हो सकता है। शरद पवार के पोते रोहित पवार ने दावा किया है कि सुनेत्रा पवार 9 फरवरी के बाद विलय पर बात कर सकती हैं। इससे पहले बीजेपी कह चुकी है कि यदि एनसीपी के विलय का कोई प्लान है तो इस पर सुनेत्रा पवार को ही फैसला लेना होगा।

बता दें बीते कुछ दिनों में अजित पवार गुट की एनसीपी के कई नेता विलय को लेकर असमंजस में थे, लेकिन रोहित पवार विलय को लेकर उत्साहित हैं। वह अजित पवार के रिश्ते में भतीजे हैं। अजित पवार ने कहा था कि इस पर अब तक परिवार में कोई बात नहीं हुई है। हम तेरह दिनों की अवधि के बाद इस पर बात करेंगे। सुनेत्रा काकी ने डिप्टी सीएम के तौर पर जिम्मेदारी संभाली है। वह 9 फरवरी के बाद विलय को लेकर बात करेंगी। इसलिए हम इस विषय पर तब ही बात करेंगे। शरद पवार ने सुनेत्रा पवार के घर जाकर उनसे मुलाकात की थी।

अजित पवार के निधन से पहले कहा जा रहा था कि एनसीपी के विलय को लेकर चर्चा हो रही है। लेकिन उनके निधन के बाद दोनों गुटों की ओर से अलग-अलग बयान आए, लेकिन जब शरद पवार ने बहू सुनेत्रा पवार और पोतों जय पवार और पार्थ पवार से मुलाकात की तो चर्चाओं को फिर से बल मिल गया है। दरअसल इन कयासों ने एक बैठक के बाद से जोर पकड़ा है। शरद पवार ने एक बैठक की थी। इसमें उनकी पत्नी प्रतिभा मौजूद थीं। इसके अलावा अजित पवार के दोनों बेटे जय और पार्थ भी थे। यही नहीं उनके भाई श्रीनिवास और चचेरे भाई राजेंद्र पवार और उनके बेटे रोहित पवार भी मौजूद थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कहा जा रहा है कि इस बैठक में अजित पवार का बारामती में एक स्मारक बनवाने को लेकर बात हुई। माना जा रहा है कि शरद पवार गुट इस मौके को करीब आने के लिए सही मान रहा है। इसके अलावा चर्चा यह भी है कि विलय के बाद भी एनसीपी की चीफ सुनेत्रा पवार ही रह सकती हैं।

दशकों से लंबित मुद्दा हल, यह समझौता लोगों के लिए समृद्धि के नए रास्ते खोलेगा- पीएम मोदी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने भारत सरकार, नगालैंड सरकार और ईस्टर्न नगालैंड पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (ईएनपीओ) के प्रतिनिधियों के बीच हुए समझौते की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि यह समझौता लोगों के लिए अवसर और समृद्धि के नए रास्ते खोलेगा। पीएम मोदी ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा- यह सच में एक ऐतिहासिक समझौता है, जो खासकर पूर्वी नागालैंड के विकास की राह को बेहतर बनाएगा। मुझे यकीन है कि यह लोगों के लिए अवसर और समृद्धि के नए रास्ते खोलेगा। यह नॉर्थईस्ट में शांति, प्रगति और सबके विकास के लिए हमारी पक्की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने समझौते की जानकारी दी और कहा कि भारत सरकार, नागालैंड सरकार और ईएनपीओ के बीच एक ऐतिहासिक समझौता हुआ, जिससे पूर्वी नागालैंड के दशकों से चले आ रहे लंबित मुद्दे हल हो गए। उन्होंने बताया कि यह सभी विवादित मुद्दों को सुलझाकर शांतिपूर्ण और समृद्ध पूर्वोत्तर के लिए पीएम मोदी के विजन को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। बता दें ईएनपीओ नगालैंड के छह पूर्वी जिलों के आठ मान्यता प्राप्त नगा जनजातियों का प्रतिनिधित्व करने वाला शीर्ष संगठन है। गृह मंत्री अमित शाह और नगालैंड के सीएम नेफिउ रियो की मौजूदगी में गुरुवार को समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते से नगालैंड के छह जिलों के लिए फ्रंटियर नगालैंड टेरीटोरियल अथॉरिटी (एफएनटीए) का गठन किया जाएगा। एफएनटीए को 46 विषयों के संबंध में शक्तियों का हस्तांतरण किया जाएगा। यह समझौता एफएनटीए के लिए एक मिनी-सचिवालय के गठन का प्रावधान करता है, जिसका नेतृत्व अतिरिक्त मुख्य सचिव या प्रधान सचिव की ओर से किया जाएगा। साथ ही पूर्वी नगालैंड क्षेत्र के लिए विकास व्यय का आबादी और क्षेत्रफल के अनुपात में बंटवारा भी किया जाएगा। हालांकि, यह समझौता भारत के संविधान के प्रावधानों को किसी भी प्रकार से प्रभावित नहीं करता है।

फ्लैट किराये पर देने से खरीदार 'उपभोक्ता' की श्रेणी से बाहर नहीं हो जाता- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। मेट्रो और टियर-1 शहरों में ज्यादातर लोग मकान और फ्लैट इसलिए भी बनाते हैं, ताकि उसे किराये पर देकर हर महीने आमदनी हासिल कर सकें, लेकिन इस प्रक्रिया में एक बड़ा पेंच था जिसे सुप्रीम कोर्ट ने सुलझा दिया है। अगर फ्लैट खरीदने वाले ने उसे किराये पर दे दिया तो अब वह उपभोक्ता नहीं रह गया। इसी तथ्य को दावा बनाकर बिल्डर ने उपभोक्ता कोर्ट में फ्लैट के खरीदार को नाकाम साबित किया था, लेकिन बात जब सुप्रीम कोर्ट पहुंची तो सुप्रीम कोर्ट ने पूरे मामले को क्लीयर कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी रिहायशी फ्लैट को किराये पर या पट्टे पर देने से उसका खरीदार उपभोक्ता संरक्षण कानून के तहत 'उपभोक्ता' की श्रेणी से बाहर नहीं हो जाता। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने साफ किया कि किसी खरीदार को 'वाणिज्यिक उद्देश्य' के आधार पर उपभोक्ता की परिभाषा से बाहर करने के लिए बिल्डर को यह साबित करना होगा कि फ्लैट खरीदने का प्रमुख उद्देश्य व्यावसायिक था, न कि उसका खुद इस्तेमाल करना।

पीठ ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत 'उपभोक्ता' वह व्यक्ति है, जो किसी वस्तु को मूल्य देकर खरीदता है या सेवाएं हासिल करता है। हालांकि, पुनर्विक्रय या किसी व्यावसायिक उद्देश्य के लिए सामान खरीदने वाला व्यक्ति इसकी परिभाषा से बाहर है। इस मामले में फ्लैट को पट्टे पर देने से यह नहीं पता चलता है कि अपीलकर्ता ने संपत्ति को प्रमुख रूप से वाणिज्यिक गतिविधि में संलग्न होने के उद्देश्य से खरीदा था। लिहाजा उसे उपभोक्ता की श्रेणी से बाहर नहीं किया जा सकता है।

पीठ ने यह भी कहा कि 'व्यावसायिक उद्देश्य' हरेक मामले की परिस्थितियों के आधार पर तथ्यात्मक रूप से तय किया जाना चाहिए। यह आदेश विनीत बहरी की अपील पर पारित किया, जिन्होंने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें फ्लैट किराये पर दिए जाने को व्यावसायिक उद्देश्य मानते हुए उनकी शिकायत खारिज कर दी गई थी। राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग ने भी उन्हें उपभोक्ता मानने से इनकार किया था और बिल्डर के हित में फैसला सुनाया था।

न्यूज गैलरी

बोर्ड परीक्षाओं के दृष्टिगत उपयोग नही होंगे ध्वनि विस्तारक यंत्र

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आगामी दिनों में आने वाले महाशिवरात्रि, होली, गुी पवा, चैती चांद, ईद-उल-फितर, रामनवमी, डॉ. अम्बेडकर जयंती, परशुराम जयंती, बुद्ध पूर्णिमा, ईदुज्जुहा आदि त्यौहारों के दौरान जिले में कानून व्यवस्था एवं शांति बनाये रखने की दृष्टि से 06 फरवरी को कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ एवं अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे द्वारा संयुक्त रूप से जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, एसडीएम गोपाल सोनी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, अन्य विभागों के अधिकारी एवं सभी धर्मो से जुड़ी संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान बताया गया कि जिले में सभी धार्मिक आयोजन एवं त्यौहार कानून के दायरे में रहकर आपसी समन्वय एवं सामाजिक सद्भाव के साथ मनाए जाएंगे। आगामी दिनों में आने वाले त्यौहारो के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने में सभी सामाजिक एवं धार्मिक संस्था जिला प्रशासन को सहयोग करे। जिला प्रशासन सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तत्परता के साथ कार्य करेगा और किसी भी व्यक्ति को जिले की शांति भंग नही करने देगा। बैठक में यह भी तय किया गया कि बीमार, वृद्धजन एवं छात्र छात्राओं की पढ़ाई को देखते हुए निर्धारित मापदण्ड से अधिक आवाज के ध्वनि विस्तारक यंत्र नही बजाए जाएंगे।

सात सालों से पाकिस्तान की जेल में बंद रहा प्रसन्नजीत रंगारी पैसे के अभाव में एक हफ्ते बाद बालाघाट पहुंच सका!!

परिजनों के पास किराया ना होने की खबर कलेक्टर को लगने पर सरकारी वाहन भेजकर लाया गया युवक

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट जिले के तहसील मुख्यालय खैरलांजी का निवासी युवक प्रसन्नजीत रंगारी पाकिस्तान जेल में 07 साल तक बंद रहने के बाद रिहा कर दिया गया है। और आज देर शाम उसे वाहन से कटंगीलाया गया जहां विधायक, एसडीएम और सीईओ ने उसकी अगवानी की. उसे वापसी पर शुभकामनायें दी। उल्लेखनीय है कि रिहाई के बाद उसे वाघा बार्डर पर भारतीय अधिकारियों को सौंपा गया था । प्रसन्नजीत को अमृतसर से खैरलांजी लाने के लिए उसके परिवार ने बालाघाट जिला प्रशासन से मदद की गुहार लगाई थी।परिवार के पास किराये के पैसे नहीं होने की खबर लगने पर कलेक्टर मृणाल मीना ने प्रसन्नजीत के परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए संवेदनशीलता दिखाई और प्रसन्नजीत को अमृतसर से खैरलांजी लाने के इंतजाम कर उसके परिजनों के साथ एक टीम अमृतसर रवाना की थी। यह टीम अमृतसर पहुंच गई है और प्रसन्नजीत को लेकर खैरलांजी के लिए रवाना भी हो गई थी । प्रसन्नजीत को लेकर इस टीम के आज शाम कटंगी पहुंचा ।जहां विधायक गौरव सिंह पारधी, एसडीएम, सीईओ गायत्री कुमार सारथी ने उसकी अगवानी की.प्रसन्नजीत के परिजनों ने इस मदद के लिए बालाघाट जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया है।

बुजुर्ग ने बैनगंगा के बड़े पुल से लगाई नदी में छलांग, मौजूद लोगों ने बचाया

अपनों से मिले दर्द पर जान देना चाहता था वृद्ध, आत्महत्या तक पहुंची परिवारिक रिश्तों के कड़वाहट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के वैनगंगा नदी बड़े पुल पर शुक्रवार को उस वक्त हंगामा मच गया, जब एक 65 वर्षीय बुजुर्ग ने वैनगंगा नदी के बड़े पुल से नदी में आत्महत्या के इरादे छलांग लगा दी।हालाकि आसपास काम कर रहे लोगों ने देखा तो उसे बचा लिया।उधर सूचना मिलने पर पुलिस ने भी तत्परता दिखाई और तुरंत ही मदद पहुंचाई। घायल होने पर बुजुर्ग को अस्पताल में इलाज के लिये भर्ती कराया गया है।बताया गया कि वृद्ध ने यह कदम उसके अपनों से ही मिल रही कड़वाहट को लेकर उठाया है। चिंतनीय है कि समाज में आज भी ऐसी मानसिकता के लोग है जो वयोवृद्ध हो जाने के बाद अपनों को ही बोझ समझने लगते है इस वृद्ध की कहानी भी इससे जुड़ी हुई है।

फिलहाल खतरे से बाहर बताया जा रहा बुजुर्ग

प्राप्त जानकारी के अनुसार 65 वर्षीय वृद्ध गणेश पिता दुलीचंद भरने है जो आत्महत्या करने की मंशा से वैनगंगा नदी के बड़े पुल पर पहुंचा था और अचानक ही उसने पुल की रैलिंग पर चढ़कर वहां से सीधे नदी में छलांग लगा दी। इससे पहले की लोग कुछ समझ पाते, वह नदी में कूद चुका था। जब यह दृश्य आसपास ही काम कर रहे लोगों ने देखा तो उसे बचाने का प्रयास शुरू किया और पुलिस को भी सूचित किया गया। कोतवाली थाना प्रभारी कामेश धूमकेती को पता चला तो उन्होंने तत्परता दिखाते हुए तुरंत ही डायल 112 को भेजा जिसमें प्रधान आरक्षक राजा बाबू शुक्ला और पायलट रोहित केकतीकर मौजूद थे। वृद्ध से पूछताछ एवं कार्यवाही की गई पुल पर से कूदने की वजह से उसे चोंटे आई है जिसपर उसे जिला चिकित्सालय में लाकर भर्ती कराया गया है जहां उसका उपचार किया जा रहा है। फिलहाल बुजुर्ग खतरे से बाहर बताया गया है।

अपनों से मिला तिरस्कार बताया जा रहा वजह

घटना का दुःखद पहलू यह है कि आत्महत्या का कदम उठाने के पीछे वृद्ध को अपनों से मिल रहा तिरस्कार है जानकारी में बताया गया है कि उसके परिवार वाले उसका ध्यान नहीं रखते है और उम्र के इस पड़ाव में वह ऐसा जीवन जीने को विवश है। सभ्य समाज में ऐसी घटनाएं झकझोरने के साथ ही कुछ लोगों के भीतर अपने घर के बुजुर्गो के प्रति कड़वाहट को भी बयां करती है।

परिवार को समझाइए दी जाएगी- धूमकेती

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान कोतवाली थाना प्रभारी कामेश धुमकेती ने बताया कि उन्हें फोन कॉल आया था जिसमें बताया गया था कि एक बुजुर्ग ने वैनगंगा नदी के बड़े पुल से छलांग लगा दी है उसे बचाने को कहा गया और पुलिस टीम भेजी गई था उसे जिला अस्पताल में इलाज के लिये भर्ती कराया गया है उन्होंने बताया कि वह फिलहाल स्वस्थ है। परिवारजनों द्वारा वृद्ध का ख्याल नहीं रखे जाने को लेकर उसने बताया है जिसपर पुलिस द्वारा उसका पुर्नवास किया जाएंगा और परिवार को भी समझाईश दी जायेगी।

20 नमूने जांच के लिए भेजे गए

मिलावटखोरी पर सख्ती, बालाघाट में कई प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आम जनता को मिलावट रहित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर जिले में लगातार निरीक्षण एवं कार्रवाई की जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम द्वारा मिलावटी खाद्य पदार्थों और स्वच्छता मानकों के उल्लंघन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने बालाघाट के गायखुरी स्थित मां कुष्मांडा किराना एवं भवानी किराना प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान सूजी, जीरा, मैदा, नमक आदि के कुल 6 नमूने गुणवत्ता परीक्षण के लिए लिए गए। साथ ही दोनों दुकानों के पास खाद्य पंजीकरण न होने के कारण उनके विरुद्ध प्रकरण तैयार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। इसके अलावा भटेरा स्थित गुरु नानक एवं वाहेगुरु किराना से साबूदाना, खाद्य तेल, मसाले आदि के 4 नमूने जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे गए। वहीं गुजरी क्षेत्र से मिलेट्स जैसे ज्वार, बाजरा, रागी आदि के 10 नमूने गुणवत्ता परीक्षण के लिए एकत्रित किए गए हैं।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यदि जांच में कोई भी नमूना अमानक पाया जाता है तो संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेश कुमार डोंगरे एवं गीता तान्डेकर उपस्थित रहे। विभाग द्वारा आगे भी इस तरह की निरीक्षण एवं कार्रवाई निरंतर जारी रखने की बात कही गई है, ताकि उपभोक्ताओं को सुरक्षित और शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट